सूर्योदय दि. 27-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 06 अंक : 268
नई दिल्ली, सोमवार 27 दिसंबर-2021
नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित
₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

तारा सुतारिया के साथ नजर आए...पृष्ठ-8

यूपी में भाजपा 300 से अधिक सीट जीतकर बनायेगी सरकार : शाह

शाह ने रविवार को कहा कि 2017 से पहले राज्य में माफिया तत्वों का साम्राज्य था

ओपन सर्च ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी कोरोना पीड़ितों के लिए 130 करोड़ टीका लगाने का काम किया। अब 15 साल से अधिक आयु वालों को टीका लगाने की घोषणा की है। पिछली सरकारों ने 17 साल मे केवल दो एक्सप्रेस वे बनाये जबकि भाजपा ने साढ़े चार साल में पांच एक्सप्रेस वे की सौगात दी। उन्होने 17 साल में 12 मेडिकल कॉलेज बनाये जबकि भाजपा ने चार साल में 30 मेडिकल कालेज बनाये। 20 चीनी मिलों का आधुनिकीकरण और विस्तार किया है

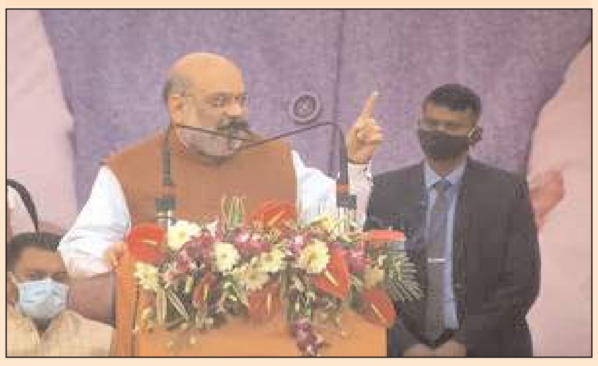

कासगंज के बारह पत्थर मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये शाह ने रविवार को कहा कि 2017 से पहले राज्य में माफिया तत्वों का साम्राज्य था। आम आदमी को समाजवादी पार्टी (सपा) के गुंडे परेशान करते थे। हर जिले में एक दादा होता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने अराजक तत्वों पर नकेल कसी जिसका नतीजा है कि आज कोई दादा नही है

कासगंज। केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश को माफिया राज से मुक्त करा कर विकास के रास्ते में ले जाने वाली भाजपा 2022 के विधानसभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीत कर एक बार फिर से सरकार बनायेगी। कासगंज के बारह पत्थर मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये शाह ने रविवार को कहा कि 2017 से पहले राज्य में माफिया तत्वों का साम्राज्य था।

आम आदमी को समाजवादी पार्टी (सपा) के गुंडे परेशान करते थे। हर जिले में एक दादा होता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने अराजक तत्वों पर नकेल कसी जिसका नतीजा है कि आज कोई दादा नही है। पांच साल के अंदर ही सारे गुंडे यूपी से पलायन कर गए है। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को याद करते हुये उन्होने कहा बृज क्षेत्र भाजपा का गढ़ था, है और रहेगा। ये कल्याण सिंह की भूमि है। ये तुलसीदास की जन्म भूमि है। असुरों के संहार के लिए वराह भगवान ने यही जन्म लिया था। ये महावीर सिंह राठौर की जन्म भूमि है।

कल्याण सिंह अगर न होते 2014,2017 और 2019 में इतना समर्थन न मिलता। आज मैं यहाँ आया हूँ तब बाबू जी नही है। बाबू जी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी को ठुकरा कर श्री राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त किया था। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती पर निशाना साधते हुये उन्होने कहा उत्तर प्रदेश में बुआ बबुआ ने जो सरकारें चलाई,उससे आम आदमी त्रस्त हो गया। जाति और धर्म के नाम पर इन्होने सरकार बनायी मगर समाज के सभी वर्ग के लोग इनके शासनकाल में छले गये। उन्होने कहा कि प्रदेश की जनता 2014 के लोकसभा चुनाव,2017 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का आशीर्वाद देने के बाद अब 2022 में पार्टी को जीत का चौका लगाने के लिये तैयार है। राम मंदिर आंदोलन में गोलियां चलाने वालों को बाहर का रास्ता दिखाने वाली जनता ने भाजपा को पूर्ण बहुमत देकर विश्वास व्यक्त किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर का शिलान्यास किया।

इससे पता चलता है कि जनता मंदिर का विरोध करने वाले और गोली चलाने वालों के साथ नहीं बल्कि मंदिर निर्माण कराने वालों के साथ है। औरंगजेब के समय से वाराणसी में बाबा विश्वनाथ का दरबार उपेक्षा का शिकार था जिसे प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ कारिडोर का निर्माण कर भव्यता प्रदान की। गृहमंत्री ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 उखाड़ कर फेंक दी और पलायन करने वाले कश्मीरी पंडितों को उनकी जमीने वापस दिला रही है। धारा 370 हटाने का विरोध सपा, बसपा और कांग्रेस ने किया। ऐसे दलों पर जनता कतई विश्वास नहीं कर सकती।

देश के 18 राज्यों में पहुंचा ओमिक्रोन, 442 हुई इस वैरिएंट के संक्रमितों की संख्या

देश में ओमिक्रोन के संक्रमितों का आंकड़ा साढ़े चार सौ के करीब पहुंच गया है

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में कोरोना का यह वैरिएंट पहुंच गया है। इसके सर्वाधिक 108 मामले महाराष्ट्र में आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 6,987 नए मामले सामने आए हैं जबकि इस दौरान 162 मरीजों की संक्रमण से मौत हो गई है। इसके साथ ही देश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 3,47,86,802 हो गया है जबकि मृतकों की संख्या बढ़कर 4,79,682 हो गई है

देश में ओमिक्रोन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। रविवार को आंध्र प्रदेश में ओमिक्रोन के दो, हिमाचल प्रदेश में एक, ओडिशा में चार और मध्य प्रदेश में आठ मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही देश में ओमिक्रोन के संक्रमितों का आंकड़ा साढ़े चार सौ के करीब पहुंच गया है। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक हिमाचल प्रदेश में ओमिक्रोन का पहला केस दर्ज किया गया है। देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में कोरोना का यह वैरिएंट पहुंच गया है। इसके सर्वाधिक 108 मामले महाराष्ट्र में आए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 6,987 नए मामले सामने आए हैं जबकि इस दौरान 162 मरीजों की संक्रमण से मौत हो गई है। इसके साथ ही देश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 3,47,86,802 हो गया है जबकि मृतकों की संख्या बढ़कर 4,79,682 हो गई है। राहत की बात यह है कि बीते 59 दिनों से कोरोना संक्रमण के दैनिक मामले 15 हजार से कम ही रहे हैं। मौजूदा वक्त में रिकवरी रेट बढ़कर 98.40 प्रतिशत हो गई है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है। देश में एक्टिव केस कम होकर 76,766 रह गए हैं। ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने 10 राज्यों केरल, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल, मिजोरम, कर्नाटक, झारखंड और पंजाब में केंद्रीय टीमें तैनात की हैं।

ये टीमें राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर ट्रेसिंग-ट्रैकिंग के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देंगी। ये टीमें स्थिति का आकलन करेंगी, उपचारात्मक कार्रवाई का सुझाव देंगी। इन्हें केंद्र को एक रिपोर्ट देनी होगी। इन्हें कोविड उपयुक्त व्यवहार लागू कराने, स्वास्थ्य सुविधाओं और टीकाकरण प्रगति पर भी ध्यान देना होगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो पर अपने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि ओमिक्रोन के खिलाफ लड़ाई में खुद की सजगता और अनुशासन ही बड़ी ताकत हैं। हमारे वैज्ञानिक ओमिक्रोन का अध्ययन कर रहे हैं। उन्हें हर रोज नए आंकड़े मिल रहे हैं। वैज्ञानिकों के सुझावों के आधार पर कदम उठाए जा रहे हैं।

एक नज़र

दिल्ली में वायु गुणवत्ता फिर गंभीर श्रेणी में

नई दिल्ली (एजेंसी) राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 430 के साथ फिर से 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया। वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान और अनुसंधान प्रणाली (सफर) ने यह जानकारी दी। राजधानी में शनिवार को वायु गुणवत्ता में मामूली से सुधार हुआ था और यह गंभीर श्रेणी से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया था। कल वायु गुणवत्ता सूचकांक 398 दर्ज किया गया। सफर के अनुसार, पीएम 2.5 और पीएम 10 की सघनता क्रमश : 280 और 437 श्रेणी में दर्ज की गई। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के शहर नोएडा और गुरुग्राम में वायु गुणवत्ता का स्तर 'गंभीर' और 'बेहद खराब' रहा। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार वायु गुणवत्ता का स्तर फरीदाबाद में 448, गुरुग्राम में 369, गाजियाबाद में 490 और नोएडा सेक्टर एक में 444 दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि वायु गुणवत्ता को शून्य से 50 के बीच अच्छी, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

ओमीक्रॉन और घरेलू कारकों से तय होगी बाजार की चाल

मुंबइ (एजेंसी) विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली को घरेलू संस्थागत निवेशकों की लिवाली द्वारा बेअसर करने वाले शेयर बाजार में बीते सप्ताह जहां मामूली तेजी रही वहीं अगले सप्ताह कोरोना के नये वेरिएंट ओमीक्रॉन और घरेलू कारकों से बाजार की चाल तय होगी क्योंकि अगले सप्ताह वैश्विक स्तर पर क्रिसमम अवकाश और नये वर्ष की छुट्टियों को लेकर अधिकांश देशों में कारोबार प्रभावित रहेगा। समीक्षाधीन अवधि में बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 112.57 अंकों की बढ़त लेकर 57124.31 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 18.55 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 17003.75 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में मुनाफावसूली देखी गयी जिससे बीएसई का मिडकैप 184.88 अंक टूटकर 24357.27 अंक पर और स्मॉलकैप 88.65 अंक उतरकर 38266.55 अंक पर रहा।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से मरने वालों की संख्या कम

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना महामारी की स्थिति में कुछ सुधार देखने को मिला, एक तरफ जहां नये मामले सात हजार से कम दर्ज किये गये हैं, वहीं मरने वालों की संख्या भी 150 से कुछ अधिक रही। इसी के साथ मृत्यु दर

1.38 प्रतिशत दर्ज की गई है। गौरतलब है कि शनिवार को देश में 6987 नये मामले दर्ज किये गये और इसी के साथ संक्रमितों की संख्या 3,47,86,802 हो गयी है। इस दरमियान 32 लाख 90 हजार 766 कोविड टीके लगाये गये और इसके साथ ही कुल टीकाकरण एक अरब 41 करोड़ 37 लाख 72 हजार 425 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में अब तक कोरोना के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के कुल 422 मामले दर्ज हुये हैं। पिछले 24 घंटों में 7091 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ इस महामारी से निजात पाने वालों की संख्या बढ़कर 3,42,30,354 हो गयी है। इस अवधि में सक्रिय मामले 266 घटकर 76766 रह गये हैं तथा 162 मरीजों की मौत होने से इस वायरस के संक्रमण से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़कर 4,79,682 हो गया है। देश में रिकवरी दर 98.40 फीसदी, सक्रिय मामलों की दर 0.22 फीसदी और मृत्यु दर 1.38 फीसदी हो गई है। वर्तमान में देश में सबसे ज्यादा सक्रिय मामले केरल में हैं। यहां पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 1085 घटकर 25180 रह गए हैं। राज्य में 3377 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5161800 हो गयी है। इसी अवधि में 115 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 46318 हो गया है।

पीएम मोदी का 28 दिसंबर को कानपुर दौरा, मेट्रो रेल और पाइपलाइन परियोजना का देंगे उपहार

ओपन सर्च ब्यूरो

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण कराने का सिलसिला जारी है। 23 दिसंबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के बाद अब 28 दिसंबर को वह कानपुर में होंगे। इन दस दिनों के दौरान पीएम मोदी का यह तीसरा यूपी दौरा होगा।

वह यहां निरालानगर स्थित रेलवे मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे और आईआईटी कानपुर के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आईआईटी मेट्रो स्टेशन से कानपुर मेट्रो का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह आईआईटी से गीतानगर तक मेट्रो में सफर करेंगे। पीएम मोदी यहां बीना-पनकी बहुउद्देशीय पाइपलाइन का वर्चुअल उद्घाटन भी करेंगे। यह पाइपलाइन 350 किलोमीटर लंबी है। इस पाइपलाइन के उद्घाटन के बाद कानपुर के आसपास के जिलों के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश को पेट्रोल व डीजल की किल्लत पूरी तरीके से खत्म हो जाएगी। वहीं रेलवे को भी मालभाड़ा का लाभ मिलेगा। पीएम मोदी घाटमपुर पावर प्लांट का उद्घाटन भी करेंगे। उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल गर्म है और

ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कानपुर दौरे को लेकर प्रशासन से लेकर भाजपाइयों ने अपनी कमर कस ली है। कानपुर में वह एक रैली को भी संबोधित करेंगे। रैली में भीड़ जुटाने को लेकर भाजपा संगठन पूरी तरह से तैयारियों में जुट गया है। कानपुर मंडल से लाभार्थियों को लाने के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है और बसों का इंतजाम भी कर दिया गया है। पीएम मोदी की कानपुर रैली के दौरान करीब 68000 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। ये लाभार्थी औरैया, कन्नौज, फतेहपुर, कानपुर देहात व कानपुर के अन्य आसपास के जिलों से आएंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कानपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज वन उद्धघाटन करेंगे। इस प्रोजेक्ट के पहले चरण में आईआईटी कानपुर से मोतीझील तक नौ किलोमीटर तक मेट्रो रेल चलेगी। इसमें नौ स्टेशन होंगे।

कानपुर में फिलहाल तीन डिब्बों की एक मेट्रो ट्रेन होगी। इस तरह की कुल छह मेट्रो ट्रेन को 28 दिसंबर से प्रधानमंत्री के हरी झंडी दिखाने के बाद से कानपुर वासियों के लिए चालू कर दिया जाएगा। कानपुर मेट्रो परियोजना की अनुमानित लागत 11,076.48 करोड़ रुपये है। इस परियोजना के पांच साल में पूरा होने की उम्मीद है। नई मेट्रो रेल परियोजना से करीब 40 लाख लोगों के लाभान्वित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

पीएम मोदी जैसा संकटमोचक नेतृत्व है हमारे पास : मुख्तार अब्बास नकवी

धुले (एजेंसी)

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को कहा कि सदी की महामारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा संकटमोचक नेतृत्व हमारे पास है ,जिन्होंने दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश को सदी की सबसे बड़ी आपदा कोरोना से बाहर निकालने में 'फ्रंट से फाइट' की है।

श्री नकवी ने यहां विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि श्री मोदी ने लोगों की सेहत और सलामती के लिए पर्याप्त सुविधा और संसाधन उपलब्ध कराये और नेतृत्व के प्रति विश्वास ने देश के लोगों के संयम और सावधानी के सकारात्मक संकल्प को पुख्ता किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हर वर्ग, समुदाय, क्षेत्र, धर्म की सेहत और सलामती के लिए काम किया है। श्री नकवी ने कहा आज कोरोना टीकाकरण का आंकड़ा 141 करोड़ के पार पहुँच गया है। देश के 80 करोड़ से ज्यादा जरूरतमंदों को निशुल्क अनाज मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घबराहट होने की जगह एहतियात, निवारण और पर्याप्त सुविधाओं को प्राथमिकता दी। वर्ष 2020 में जब कोरोना की पहली लहर भारत में आयी थी तब कोरोना जैसी महामारी से लड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं थे।

आज भारत कोरोना टेस्टिंग किट, डेडिकेटेड कोरोना अस्पताल, डेडिकेटेड कोरोना हेल्थ सेंटर, आइसोलेशन बेड, आईसीयू बेड, एन-95 मास्क का उत्पादन, पीपीई किट का निर्माण, मेडिकल ऑक्सीजन, वेंटीलेटर का उत्पादन हो, या फिर वैक्सीन हो भारत आत्मनिर्भर हो गया है। जनवरी 2020 से पहले मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन मात्र 900 टन प्रतिदिन था, जो बढ़ कर प्रतिदिन 9000 टन से ज्यादा हो गया है।

पुस्तक पाठन को बढ़ावा देने की जरूरत : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

विट्ठलाचार्य जी की बचपन से एक इच्छा थी कि वो एक बड़ा सा पुस्तकालय खोलें। : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)

मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में लोगों का यह आह्वान किया। उन्होंने तेलंगाना के 84 वर्षीय डॉक्टर कुरेला विट्ठलाचार्य का उल्लेख करते हुए कहा कि विट्ठलाचार्य जी की बचपन से एक इच्छा थी कि वो एक बड़ा सा पुस्तकालय खोलें। देश तब गुलाम था, कुछ परिस्थितियां ऐसी थीं कि बचपन का वो सपना, तब सपना ही रह गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजीटल युग में लोगों की स्क्रीन पर बढ़ते समय में भी पुस्तकों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने पर बल देते हुए आज लोगों का आह्वान किया कि वे वर्ष 2022 में अपने पसंद की पांच पांच किताबों की चर्चा करें जिससे अन्य लोग पुस्तकों के प्रति प्रेरित हों। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में लोगों का यह आह्वान किया। उन्होंने तेलंगाना के 84 वर्षीय डॉक्टर कुरेला विट्ठलाचार्य का उल्लेख करते हुए कहा कि विट्ठलाचार्य जी की बचपन से एक इच्छा थी कि वो एक बड़ा सा पुस्तकालय खोलें। देश तब गुलाम था, कुछ परिस्थितियां ऐसी थीं कि बचपन का वो सपना, तब सपना ही रह गया। समय के साथ विट्ठलाचार्य जी, व्याख्याता बने, तेलुगु भाषा का गहन अध्ययन किया और उसी में कई सारी रचनाओं का सृजन भी किया। 6-7 साल पहले वो एक बार फिर अपना सपना पूरा करने में जुटे। उन्होंने खुद की किताबों से पुस्तकालय की शुरुआत की। अपने जीवनभर की कमाई इसमें लगा दी। धीरे-धीरे लोग इससे जुड़ते चले गए और योगदान करते गए। यदाद्रि-भुवनागिरी जिले के रमन्नापेट मंडल के इस पुस्तकालय में करीब 2 लाख पुस्तकें हैं। उन्होंने कहा कि विट्ठलाचार्य जी कहते हैं कि पढ़ाई को लेकर उन्हें जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ा, वो किसी और को न करना पड़े। उन्हें आज ये देखकर बहुत अच्छा लगता है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल रहा है। उनके प्रयासों से प्रेरित होकर, कई दूसरे गांवों के लोग भी पुस्तकाल बनाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा भारत कई अनेक असाधारण प्रतिभाओं से संपन्न है, जिनका कृतित्व दूसरों को भी कुछ करने के लिए प्रेरित करता है। विट्ठलाचार्य जी इसकी मिसाल है कि जब बात अपने सपने पूरे करने की हो, तो उम्र कोई मायने नहीं रखती। श्री मोदी ने कहा कि किताबें सिर्फ ज्ञान ही नहीं देतीं बल्कि व्यक्तित्व भी संवारती हैं, जीवन को भी गढ़ती हैं। किताबें पढ़ने का शौक एक अद्भुत संतोष देता है। आजकल लोग ये बहुत गर्व से बताते हैं कि इस साल मैंने इतनी किताबें पढ़ीं। अब आगे मुझे ये किताबें और पढ़नी हैं। ये एक अच्छा रुझान है, जिसे और बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं भी 'मन की बात' के श्रोताओ से कहूंगा कि आप इस वर्ष की अपनी उन पाँच किताबों के बारे में बताएं, जो आपकी पसंदीदा रही हैं। इस तरह से आप 2022 में दूसरे पाठकों को अच्छी किताबें चुनने में भी मदद कर सकेंगे। ऐसे समय में जब हमारा स्क्रीन टाइम बढ़ रहा है, पुस्तक पाठन अधिक से अधिक लोकप्रिय बने, इसके लिए भी हमें मिलकर प्रयास करना होगा। प्रधानमंत्री ने लखनऊ के रहने वाले निलेश जी की एक पोस्ट की चर्चा करते हुए कहा कि निलेश जी ने लखनऊ में हुए एक अनूठे ड्रोन शो की बहुत प्रशंसा की है। ये ड्रोन शो लखनऊ के रेज़ीडेंसी क्षेत्र में आयोजित किया गया था। 1857 के पहले स्वतंत्रता संग्राम की गवाही, रेज़ीडेंसी की दीवारों पर आज भी नजर आती है। ड्रोन शो में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अलग-अलग पहलुओं को जीवंत बनाया गया। चाहे 'चौरी चौरा आन्दोलन' हो, 'काकोरी ट्रेन' की घटना हो या फिर नेताजी सुभाष का अदम्य साहस और पराक्रम, इस शो ने सबका दिल जीत लिया। आप भी इसी तरह अपने शहरों के, गांवों के, आजादी के आन्दोलन से जुड़े अनूठे पहलुओं को लोगों के सामने ला सकते हैं। इसमें तकनीक की भी खूब मदद ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव, हमें आजादी की जंग की स्मृतियों को जीने का अवसर देता है, उसको अनुभव करने का अवसर देता है।

डेसमंड टूटू का जीवन पीढ़ियों को प्रेरणा देगा : कोविंद

नई दिल्ली (एजेंसी) रामनाथ कोविंद ने रविवार को आर्कबिशप डेसमंड टूट को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका (श्री टूटू) का जीवन पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। श्री कोविंद ने ट्वीट किया , महात्मा गांधी से प्रभावित, आर्कबिशप डेसमंड टूटू ने रंगभेद के खिलाफ संघर्ष में आध्यात्मिक मूल्यों को

समाहित किया और मानवता के महान आदर्शों को कायम रखा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और दुनियाभर में उनके (श्री टूटू) के अनुयायियों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, आर्कबिशप डेसमंड टूटू के निधन से गहरा दुख हुआ। गांधीजी से प्रभावित होकर उन्होंने रंगभेद के खिलाफ संघर्ष में आध्यात्मिक मूल्यों को समाहित किया और मानवता के महान आदर्शों को कायम रखा। उनका जीवन पीढ़ियों को प्रेरणा देगा।

गोरखपुर को 520 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे सीएम योगी, 29 दिसंबर को करेंगे लोकार्पण व शिलान्यास

जीडीए की महायोजना 2031 में इन क्षेत्रों के विकास को लेकर रूपरेखा बनाई गई है। 29 दिसंबर की शाम को जीडीए सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष इसका प्रस्तुतीकरण करने की तैयारी है।

गोरखपुर (एजेंसी) मेट्रोपोलिटन सिटी घोषित होने के बाद गोरखपुर शहर के विस्तारित क्षेत्र के विकास को लेकर धीरे-धीरे कदम बढ़ाए जा रहे हैं। जितने क्षेत्र को मेट्रोपोलिटन सिटी में शामिल किया गया है, वे गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) का हिस्सा भी बन चुके हैं। जीडीए की महायोजना 2031 में इन क्षेत्रों के विकास को लेकर रूपरेखा बनाई गई है। 29 दिसंबर की शाम को जीडीए सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष इसका प्रस्तुतीकरण करने की तैयारी है। प्रस्तुतीकरण देखने के बाद मुख्यमंत्री की हरी झंडी मिली तो ड्राफ्ट का प्रकाशन जल्द कर दिया जाएगा, सुधार को लेकर सुझाव आए तो उसे शामिल करने के बाद ड्राफ्ट प्रकाशित होगा।

नगर निगम में सदन भवन का लोकार्पण करने 29 दिसंबर को आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 519.82 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इनमें से 350.45 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और 159.37 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण होगा। नगर आयुक्त अविनाश सिंह ने बताया कि कूड़ा निस्तारण के लिए सहजनवां के सुथनी में सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का मुख्यमंत्री शिलान्यास करेंगे।

साथ ही गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र, सूरजकुंड, राजेंद्र नगर पश्चिमी आदि इलाकों में बिछने वाली सीवर लाइन व सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना का भी मुख्यमंत्री शिलान्यास करेंगे। इस पर 223 करोड़ 85 लाख 75 हजार रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा सड़क, नाली, शौचालय, पार्क के सुंदरीकरण आदि कार्य कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर 29 दिसंबर को गोरखपुर आ सकते हैं। उसी दिन शाम को प्रस्तुतीकरण का कार्यक्रम रखा जा रहा है। अभी तक की तैयारियों के अनुसार जीडीए सभागार में ही प्रस्तुतीकरण होगा। महायोजना 2031 को अंतिम रूप दिया जा चुका है और शासन से इसके ड्राफ्ट को मंजूर भी कर लिया गया है। अब यदि मुख्यमंत्री की ओर से किसी सुधार को लेकर सुझाव दिया जाता है तो उसे शामिल करते हुए दोबारा शासन को भेजा जाएगा। वहां से हरी झंडी मिलने पर ड्राफ्ट प्रकाशित हो जाएगा और लोगों के पास एक महीने तक आपत्ति या सुझाव दाखिल करने का समय होगा।

इन आपत्तियों के निस्तारण के बाद जीडीए बोर्ड से महायोजना को पास कराकर शासन को प्रकाशन के लिए भेज दिया जाएगा। शासन की ओर से प्रकाशन के बाद महायोजना 2031 लागू होगी। जीडीए के उपाध्यक्ष प्रेम रंजन सिंह ने बताया कि महायोजना 2031 का प्रस्तुतीकरण मुख्यमंत्री के समक्ष किया जाना है। इसके लिए 29 दिसंबर को समय मिल सकता है। प्रस्तुतीकरण को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में जिला तीसरे स्थान पर आया है। सीएमओ ने स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण सेवा देने के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता वाली योजनाओं- गर्भवती पंजीकरण व जांच, गृह आधारित नवजात देखभाल, टीबी नोटिफिकेशन समेत 15 घटकों पर अच्छा काम करने के लिए गोरखपुर को प्रदेश में तीसरी रैंक हासिल हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने नवंबर के हेल्थ डैशबोर्ड के आंकड़े जारी कर दिया है। सीएमओ ने बताया कि टीम ने नवंबर में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह रैंकिंग अंग्रिम पंक्ति कार्यकर्ताओं का सम्मान है।

उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों से कहा है कि मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, नवजात स्वास्थ्य और पोषण संबंधित गतिविधियों की गुणवत्ता बरकरार रखी जाए। नवंबर में लक्ष्य के सापेक्ष गृह आधारित शिशु देखभाल, गर्भवती की एचआइवी जांच, संपूर्ण नियमित टीकाकरण, प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव की अच्छी सेवा दी गई है।

यूपी में 15 से 18 वर्ष के किशोरों के लिए तीन जनवरी से शुरू होगा वैक्सीनेशन, सीएम योगी ने दिए ये निर्देश

लखनऊ (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 से 18 साल के किशोरों के लिए कोरोना रोधी टीकाकरण की शुरुआत की घोषणा के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक में निर्देश दिया कि तीन जनवरी, 2022 से 15 से 18 वर्ष के किशोर बच्चों को सुरक्षा कवर प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रारंभ होना है। इसी प्रकार 10 जनवरी, 2022 से सभी कोरोना वारियर्स, हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स के साथ 60 वर्ष से ऊपर की आयु के को-मार्बीडिटी वाले नागरिकों को उनके डॉक्टर की सलाह पर कोविड वैक्सीन की प्री-काशन डोज दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में कोरोना रोधी टीकाकरण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश ने अब तक शानदार कार्य किया है। यह क्रम आगे भी जारी रहे, इसके लिए सभी जरूरी प्रबंध किए जाएं। किशोरों के टीकाकरण के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि 19 करोड़ 40 लाख से अधिक कोविड टीकाकरण और नौ करोड़ 20 लाख से अधिक टेस्टिंग करके उत्तर प्रदेश टेस्टिंग और टीकाकरण देश में प्रथम स्थान पर है। यहां छह करोड़ 88 लाख से अधिक लोगों को टीके की दोनों डोज देकर कोविड का सुरक्षा कवर प्रदान कर दिया गया है। 12 करोड़ 51 लाख लोगों ने टीके की पहली

डोज प्राप्त कर ली है। इस प्रकार टीकाकरण के लिए पात्र प्रदेश की कुल आबादी में लगभग 85 फीसद को पहली और 47 फीसद लोगों को दोनों डोज मिल चुकी है। यूपी में 59 नए संक्रमित मिले : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड से बचाव के लिए ट्रेसिंग, टेस्टिंग, ट्रीटमेंट और टीकाकरण की नीति के सही क्रियान्वयन से प्रदेश में स्थिति नियंत्रित है। बीते 24 घंटों में हुई एक लाख 82 हजार 587 सैम्पल की जांच में कुल 59 नए संक्रमितों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 16 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए। आज प्रदेश में कुल एक्टिव कोविड केस की संख्या 323 है, जबकि 16 लाख 87 हजार 693 मरीज कोरोना को मात दे चुके हैं। सख्ती से पालन कराया जाए नाइट कर्फ्यू : कोविड संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए प्रदेशव्यापी रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू लागू है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि इसका सख्ती से अनुपालन कराया जाए। पुलिस बल लगातार गश्त करे। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं फील्ड में उतर पर निरीक्षण करें। रात्रि में संचालित होने वाली औद्योगिक इकाइयों के कार्मिकों को आवागमन की छूट दी जाए। नोएडा गाजियाबाद जैसे सीमावर्ती जनपदों में विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि अन्य राज्यों अथवा विदेश से उत्तर प्रदेश की सीमा में आने वाले हर एक व्यक्ति की ट्रेसिंग-टेस्टिंग की जाए। बस, रेलवे और एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। निगरानी समितियों के माध्यम से गांव-शहरी वार्डो में बाहर से आने वाले हर एक व्यक्ति की टेस्टिंग कराएं। आवश्यकतानुसार लोगों को क्वारन्टीन कर मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए।

इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर चौबीसों घंटे एक्टिव मोड में रखे जाएं। माक ड्रिल कर व्यवस्था की परख जाए : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत अभियान चलाकर प्रदेश के अस्पतालों को साधन-सुविधा संपन्न बनाया गया है। हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के सुदृढ़ीकरण की दृष्टि से काफी प्रयास हुए हैं। कोविड के बढ़ते केस के बीच सभी संसाधनों की सूक्ष्मता से पड़ताल कर ली जाए। माक ड्रिल कर व्यवस्था की परख कर लें। अब तक 551 ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील हो चुके हैं। प्रत्येक ऑक्सीजन प्लांट के संचालन के लिए कम से कम तीन कार्मिकों की तैनाती की जाए। वेंटिलेटर, नीकू, पीकू की संख्या आवश्यकतानुसार और बढ़ाई जाए।

राजनाथ सिंह बोले- आक्रमण के लिए नहीं, हमारी तरफ बुरी नजर उठाने वालों के लिए बना रहे ब्रह्मोस मिसाइल

लखनऊ (एजेंसी) रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में रविवार को ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट और रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र (डीआरडीओ) की लैब का शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान डीआरडीओ प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। ब्रह्मोस यूनिट के लिए सरकार ने मात्र एक रुपये की लीज पर 80 हेक्टेयर से अधिक जमीन उपलब्ध कराई है। इसके अलावा अमौसी एयरपोर्ट के ठीक बगल में डीआरडीओ लैब में रक्षा अनुसंधान और विकास के कार्य होंगे। डीआरडीओ के इन दोनों प्रोजेक्ट में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने जा रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि आज का लखनऊ बस मुस्कुराइए... आप लखनऊ में हैं तक सीमित नहीं है। अब लखनऊ में डीआरडीओ एक ऐसी ब्रह्मोस मिसाइल तैयार करेगा, जिसे भारत की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। आज उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में नया अध्याय जुड़ गया है। ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट और डीआरडीओ की लैब की स्थापना से उत्तर प्रदेश के लोगों को रोजगार भी मिलेगा। मैं योगी जी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जिन्होंने ज्यों ही मैंने परियोजनाओं के स्थापन का जिक्र किया, उन्होंने क्षण भर की भी देरी न करते हुए तुरंत तैयार हो गए। उन्होंने कहा कि जितनी जल्दी हो सकेगा मैं भूमि उपलब्ध करवा दूंगा। उन्होंने महज डेढ़ माह में ही 200 एकड़ की जमीन उपलब्ध करवा दी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम भारत की धरती पर ब्रह्मोस मिसाइल बनाना चाहते हैं। किसी देश पर आक्रमण करने के लिए नहीं, बल्कि भारत के पास ऐसी ताकत हो कि दुनिया का कोई देश भारत की ओर आंख उठाकर न देख सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू की गई सभी योजनाओं को अगर प्रभावी ढंग से पूरे प्रदेश में लागू करने का काम किसी ने किया है तो वह योगी आदित्यनाथ हैं, मैं तहेदिल से उनको बधाई देना चाहता हूं।

बिजनौर में लापता छात्रा का तीन दिन बाद भी कोई सुराग नहीं,पुलिस ने चस्पा किए पोस्टर

बिजनौर (एजेंसी) बिजनौर जिले के धामपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला भज्जा निवासी 19 वर्षीय छात्रा पूजा का तीन दिन बाद भी सुराग नहीं लग सका है। धामपुर के आरएसएम डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा पूजा बीते गुरुवार को अपनी तहेरी बहन नेहा और सहेली स्वाति के साथ आरएसएम डिग्री कॉलेज से पढ़कर साइकिल से वापस गांव जा रही थी।

उसके बाद से पूजा का पता नहीं चला। पुलिस ने अब छात्रा पूजा की फोटो सहित गुमशुदगी के पोस्टर छपवा कर आसपास के थाना क्षेत्र में चस्पा कराए हैं ताकि कोई सुराग मिल सके। बताया जा रहा है कि जब वह दोपहर 2.30 बजे गांव के पास नहर पर पहुंची तो अचानक साइकिल से उतरकर उसने नहर में छलांग लगा दी थी। उसकी बहन की सूचना पर परिवार वाले और पुलिस मौके पर पहुंची है और नहर में छात्रा की तलाश की। लेकिन तीन दिन बाद भी छात्रा का कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ने परिवार और कई लोगों से पूछताछ भी की है, जिससे पूजा द्वारा उठाए गए कदम के कारण के बारे में कुछ पता लग सके। अब पुलिस ने पूजा की फोटो सहित गुमशुदगी के पोस्टर छपवा कर आसपास के थाना क्षेत्र में चस्पा कराए हैं।

जिससे कोई सुराग मिल सके। बिजनौर शहर कोतवाली पुलिस की एक टीम नगीना के होटल सुनहरी पहुंची। पुलिस ने उक्त होटल में सबूत एकत्र करने का काम किया। पुलिस का कहना है कि आरोपित उमेर अपनी बहन की सहेली बीएएमएस की छात्रा को लेकर इस होटल में आया और उसने उक्त होटल के कमरे में उक्त छात्रा से दुष्कर्म किया। जांच के दौरान यह भी साफ हो गया कि आरोपित ने छात्रा से आठ हजार रुपये लिए थे।

औरैया में सपा के प्रचार वाहन ने छुड़ा दी सबकी हंसी, बज रहा था 'आएंगे फिर योगी

औरैया (एजेंसी) बिधूना विधानसभा रविवार को राहगीरों की उस समय हंसी छूट गई, जब सपा के प्रचार वाहन से 'आएंगे फिर योगी...' का गीत बजता सुनाई दिया। विधानसभा क्षेत्र में सपा का प्रचार-प्रसार कर रहे वाहन में 'आएंगे फिर योगी...' का गीत सुनकर सपाइयों के चेहरे का भी भाव बदल गया और स्पीकर बंद कराए।

लेकिन, इससे पहले कुछ राहगीरों ने प्रचार वाहन का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। जागरण डॉट काम वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। सपा नेताओं ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट करने व जबरन भाजपा के प्रचार के लिए गीत बजवाने का आरोप लगाकर एरवाकटरा थाने में तहरीर दी है।

बिधूना विधानसभा क्षेत्र में शनिवार की शाम सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की फोटो वाला बैनर से पटा प्रचार वाहन घूम रहा था। वाहन में विधानसभा क्षेत्र से चुनाव में संभावित दावेदारी कर रहे डा. नवल किशोर शाक्य का फोटो भी बैनर में था। इस बीच प्रचार वाहन से सपा के गीत बजते हुए अचानक 'आएंगे फिर योगी...' का गीत चालू हो गया। पहले तो किसी ने ध्यान नहीं दिया लेकिन फिर लोगों की हंसी छूट गई। राहगीर भी एक बारगी रुककर हंसने लगे और कुछ ने सपा के प्रचार वाहन से भाजपा के प्रचार वाला आएंगे फिर योगी गीत के साथ वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। हालांकि जागरण डॉट काम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इसकी जानकारी होते ही सपाई प्रचार वाहन के पास पहंचे तो गीत सुनकर उनके चेहरे को हाव भाव बदल गए और आनन फानन साउंड सिस्टम का स्पीकर बंद कराया।

पूरे मसले की जानकारी होते ही विधानसभा क्षेत्र कार्यालय प्रभारी व क्षेत्र पंचायत सदस्य शेखूपुर एरवाकटरा राहुल सविता कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि गाना बंद कराने पर कुछ अज्ञात लोगों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

प्रचार वाहन चालक से भी अभद्रता की गई और जबरन भाजपा के प्रचार वाला गीत बजवाया। थाना प्रभारी रामसहाय पटेल का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जहन में छाप छोड़ गया पूरे साल चला किसान आंदोलन, ऐसे बटोरी सुर्खियां

खूब गरजा भाकियू का रणसिंघा, राकेश टिकैत का बढ़ा कद

मेरठ (एजेंसी) वर्ष 2021 अब जाने की दहलीज पर बैठा है। यह वर्ष कई खट्टे मीठे अनुभवों वाला रहा। बात किसानों की करें तो साल 2021 में तीनों कृषि कानून साल भर पूरी तरह से चर्चा में बने रहे। इस कानून के लिए किसानों का संघर्ष को हमेशा ही याद रखा जाएगा। साल के आखिर आते-आते एक तरफ जहां सरकार ने तीनों कृषि कानून वापस लेने का निर्णय लिया। तो वहीं, संयुक्त किसान मोर्चा ने एमएसपी पर मजबूती से मांग भी रखी। तीनों कृषि कानून वापस होने के बाद अब किसानों को एमएसपी पर कानून के आने से एक नई उम्मीद की प्रतीक्षा है। लेकिन कुछ भी हो किसान पूरे साल कृषि कानून को वापस लेने की अपनी मांग पर डटे रहे। 26 नवंबर 2020 को तीनों कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में आंदोलन शुरू हुआ। भाकियू ने गाजीपुर बार्डर पर राकेश टिकैत के नेतृत्व में कमान संभाली।

2021 में साल भर मेरठ से प्रतिदिन कोई न कोई भागीदारी गाजीपुर बार्डर पर लगातार बनी रही। मेरठ के भाकियू कार्यकर्ता राशन सामग्री आदि लेकर प्रतिदिन गाजीपुर बार्डर पहुंचकर प्रतिभाग करते थे। भारतीय किसान यूनियन ने तीन बड़ी ट्रैक्टर रैलियां निकालकर सरकार को किसानों की ताकत का अहसास कराया।

यह तीनों रैलियां मेरठ के बीच से होकर गुजरी। कृषि कानूनों के विरोध में ही मेरठ समेत कई जिलों में भाकियू समेत कई किसान संगठनों ने मुख्य राजमार्गों पर कई बार चक्का जाम किया। साल भर भाकियू समेत कई

किसान संगठन कृषि कानूनों को लेकर सरकार व प्रशासन के आमने-सामने रहे। कृषि कानूनों के विरोध में फरवरी और अक्टूबर माह में रेलवे स्टेशनों पर भी चक्का जाम हुआ। एक तरफ जहां दिल्ली की सीमाओं पर तीनों कृषि कानूनों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा ने डेरा डाला था। वहीं, मेरठ में सिवाया टोल पर 26 मई 2021 को भारतीय किसान यूनियन ने दो लेन घेरते हुए धरना प्रदर्शन शुरू किया। आंदोलन के दौरान राकेश टिकैत कई बार मेरठ सिवाया टोल पहुंचे और धरने पर किसानों को संबोधित किया। गाजीपुर बार्डर से घर वापस लौटते वक्त राकेश टिकैत ने ही दिसंबर में सिवाया टोल पर धरना समाप्ति की घोषणा की।

झसियासी उथल-पुथल के बीच भाकियू ने समय-समय पर अपनी ताकत दिखाई। खासकर तीनों कृषि कानून के विरोध में भाकियू पूरे साल दिल्ली से लेकर मुजफ्फरनगर तक डटी रही। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने पूरे साल दिल्ली बॉर्डर पर धरने की कमान संभाली। वह तीनों कृषि कानून की वापसी के बाद ही सिसौली लौटे। इसी बीच उन्हें उठाने का प्रयास भी किया गया। तब रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह का साथ मिला और जयंत चौधरी अगले दिन राजकीय इंटर कालेज में हुई भाकयू की सभा में शामिल हुए। जिसमें भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने भाजपा को समर्थन और वोट देने पर अफसोस जताया। जयंत चौधरी ने भी खूब राजनीतिक रोटियां सेकी। इसके बाद आंदोलन परवान चढ़ा।

साल के मध्य में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भाकियू ने राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में बड़ी सभा की, जिसमें तीनों कृषि कानूनों का विरोध किया गया। इसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, यूपी और दिल्ली के किसान शामिल हुए। यह किसान महापंचायत ऐतिहासिक रही। इतनी भीड़ इससे पूर्व कभी इस मैदान में नहीं रही।

एक नज़र

इत्र कारोबारी प्रकरण : फर्श और दीवारें उगल रहीं नोट, अबतक की बरामदगी 280 करोड़

कन्नौज (एजेंसी) इत्र कारोबारी पीयूष जैन के कानपुर और कन्नौज स्थित घर व फैक्ट्री में छापेमारी कर रही जीएसटी इंटेलीजेंस की टीम के हाथ जैसे कुबेर का खजाना लग गया हो। कानपुर के घर में 177 करोड़ रुपये की बरामदगी के बाद अब कन्नौज में तिजोरी, फर्श और दीवारें नोट उगल रही हैं। घर में बोरों में अनाज की जगह नोट भरे मिल रहे हैं, यहां टीम अबतक 103 करोड़ रुपये बरामद कर चुकी है। कारोबारी के घर व फैक्ट्री में जीएसटी इंटेलीजेंस व आयकर के अधिकारियों समेत 36 लोग अंदर हैं।

यहां नौ ड्रम संदल आयल भी मिला है और गत्ते में 2000 के नोट बरामद हुए हैं। कारोबारी के घर में नोट गिनने की मशीन भी मिली है। टीम को कानपुर और कन्नैज से कुल 280 करोड़ रुपये और भारी मात्रा सोना मिला है। हालांकि अभी तक जांच टीम की ओर से अधिकृत बयान नहीं दिया गया है। इत्र कारोबारी पीयूष जैन के कानपुर में आनंदपुरी आवास से जीएसटी इंटेलीजेंस की टीम 177 करोड़ रुपये बरामद कर चुकी है और कन्नौज के छिपट्टी मोहल्ला में पैतृक आवास में छापेमारी जारी है।

शुक्रवार शाम करीब चार बजे महानिदेशालय जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीजीआइ) अहमदाबाद की टीम आवास के अंदर कारोबारी के दोनों बेटों प्रत्यूष और प्रियांश, दो पंचों सपा नेता नेम सिंह यादव और अमित दुबे उर्फ अल्टर के साथ घर में दाखिल हुई थी। तब से टीम के सदस्य घर के अंदर ही हैं। टीम अभी तक करीब 15 अलमारी काट चुकी है, जबकि 20 ताले तोड़े हैं। गैस कटर से तिजोरी का लाकर तोड़ा गया। घर में मिली नकदी और जेवरात को लेकर अभी तक कोई अधिकृत बयान नहीं आया है। पैतृक आवास से अबतक 103 करोड़ रुपये की बरामदगी की जानकारी मिल रही है। वहीं संदल आयल और भारी मात्रा में सोना मिलने की भी बात कही जा रही है।

लखनऊ में वन विभाग की लापरवाही से जाल छुड़ाकर भागा तेंदुआ, तीन सिपाही समेत कई लोग लहूलुहान

लखनऊ (एजेंसी) लखनऊ के गुडंबा इलाके में शनिवार तड़के पहुंचा तेंदुआ वन विभाग की लापरवाही से जाल में आने के बावजूद भाग निकला। तेंदुए ने रविवार को गुडंबा थाना क्षेत्र के ही कल्याणपुर स्थित कन्हैया नगर में तीन सिपाही, एक मीडियाकर्मी समेत कई अन्य लोगों को लहूलुहान कर गया। इस दौरान वह कुत्ते के भौंकने पर दीवार फांदकर घर में घुस गया और कुत्ते का गला पकड़कर उसे गेट के बाहर लेकर भागा। इससे कुत्ता भी लहूलुहान हो गया। तेंदुआ शनिवार से ही अलग-अलग रिहाइशी इलाकों में घूम-घूमकर हमला कर रहा है, लेकिन वन विभाग की टीम उसे पकड़ नहीं पा रही है। तेंदुआ के फरार हो जाने से इलाके के लोग दहशत में आ गए हैं।

पुलिस और फॉरेस्ट टीम पस्त नजर आ रही है। इससे पहले वह शनिवार को पहाड़पुर में सीसी कैमरे में वह कैद भी हो गया। इससे पहले की लोगों को तेंदुआ के आने की जानकारी होती उसने एक महिला पर हमला बोल दिया। शनिवार शाम तक तेंदुआ के हमले में दो लोग घायल हो गए। अलग अलग स्थानों पर तेंदुआ को सीसी कैमरे में देखा गया है। कभी दीवार फांदकर गेट के भीतर दिखाई दिया तो कभी छत पर बैठे। पुलिस ने लोगों को घर में रहने की सलाह दी है। शनिवार रात में तेंदुआ कल्याणपुर के राम धर्म कांटा के पास डबल टावर स्थित एक प्लाट में देखा गया था।

डीएफओ अवध के मुताबिक यह उन्नाव में देखा गया तेंदुआ नहीं है। वह इतनी दूरी तय नहीं कर सकता। माना जा रहा है कि यह तेंदुआ कुकरैल या कुर्सी रोड के आसपास कहीं से भटक कर आया है। दो टीमें उसे पकड़ने की कोशिश कर रही हैं। ठंड के मौसम में इससे पहले भी वर्ष 2018 में एक तेंदुआ ठाकुरगंज के घनी आबादी में आ गया था। यही नहीं आशियाना में तत्कालीन इंस्पेक्टर त्रिलोकी सिंह ने घनी आबादी में घुसे एक तेंदुआ को गोली मार दी थी। हमले में तेंदुआ ने दम तोड़ दिया था। देर रात वन विभाग चिड़ियाघर की टीम ने कल्याणपुर के उस भूखंड को घेर लिया था, वहां तेंदुआ जाल में आया भी, लेकिन लापरवाही से वह जाल को छुड़ाकर भाग निकला। इस दौरान कई लोगों को घायल भी कर गया।

लखनऊ में दंपती के खाते में थे मात्र 1983 रुपये, अचानक बना करोड़पति ; पांच दिन में खर्चे 76 लाख

लखनऊ (एजेंसी) लखनऊ के एक दंपती के बैंक खाते में मात्र 1983 रुपये थे। बावजूद पेट्रोल पंप कर्मी करन शर्मा ने 76 लाख रुपये की खरीदारी कर डाली। दरअसल अचानक जब उसे बैंक खाते में एक करोड़ से अधिक रुपये होने की जानकारी हुई तो होश खो बैठा। उसने इसकी जानकारी बैंक अधिकारियों को भी नहीं दी। आनन फानन एक लक्जरी कार, एक बाइक खरीद डाली। पत्नी को लेकर सर्राफा बाजार पहुंचा और बेशकीमती जेवर खरीदे। उसने सारी खरीदारी पांच दिन के अंदर कर डाली।

खाते से लगातार भारी रकम निकलने की जब जानकारी बैंक अधिकारियों को हुई तो पड़ताल शुरू की। पता चला कि तकनीकी दिक्कतों के कारण करन का कार्ड बैंक सर्वर से लिंक हो गया है। इसके कारण बैंक के खाते से रुपये निकलते जा रहे हैं। बैंक अधिकारियों ने खाता फ्रीज करके करीब 41.21 लाख रुपये रोक लिए। इसके बाद करन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने करन और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 7.56 लाख रुपये का माल बरामद कर लिया। करन मूल रूप से उन्नाव के सोहरामऊ के मनहौर कंचनपुर सिरविया गांव का रहने वाला है। सेंट्रल बैंक आफ इंडिया बंथरा शाखा में उसका खाता है।

इंस्पेक्टर बंथरा अजय प्रताप सिंह ने बताया कि करन एक पेट्रोल पंप पर नौकरी करता है। उसके खाते में 1983 रुपये थे। 17 दिसंबर को उसने डेबिट कार्ड से कुछ खरीदारी की तो पता चला कि खाते में एक करोड़ से अधिक की रकम है। यह कहीं से आ गई है। इसके बाद उसने मनमानी खरीदारी शुरू कर दी। एक कार शोरूम में पहुंचा जहां एक एक्सयूवी कार बुक कराई। वहीं दूसरे शोरूम में जाकर एक बाइक बुक कर दी। करन की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन ही वह पत्नी को लेकर सर्राफा बाजार पहुंचा। वहां बेशकीमती जेवर उसके लिए खरीद डाले। एक पेट्रोल पंप पर भविष्य में फ्यूल लेने के लिए करीब ढाई लाख रुपये से अधिक उसने स्वाइप कराकर एडवांस में जमा कर दिए। इस तरह उसने 76 लाख रुपये से अधिक की खरीदारी बिना बैंक को कोई जानकारी दिए कर डाली।

बुलंदशहर में दो करोड़ रुपये कीमत की स्मैक और 36 किलो गांजा पुलिस ने पकड़ा

बुलंदशहर (एजेंसी) बुलंदशहर पुलिस ने देररात करीब दो करोड़ रुपये कीमत की स्मैक अैर 36 किलो गांजा पकड़ा है। नशे का यह सामान अन्य राज्यों से लेकर यहां पर लाया गया था। पुलिस ने एक सूचना के आधार कालोनी में छापा मारकर यह सब बरामद किया है।

इस मामले में एक तस्कर को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया जबकि उसके दो साथी इस दौरान फरार हो गए। इस संबंध में पुलिस प्रेस वार्ता भी करेगी। बुलंदशहर नगर कोतवाली पुलिस ने एक सूचना पर बाहरी राज्यों से तस्कर कर लाई गई नशे के सामान का बरामद किया है। इसमें स्मैक और गांजा शामिल है।

पुलिस ने तस्कर और जिले में नशीला पदार्थ सप्लाई करने वाले को आरोपित को भी गिरफ्तार किया है। नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शर्मा ने बताया एक सूचना पर नगर के एक कॉलोनी पर छापेमारी की गई जहां बाहरी राज्यों से लाई गई स्मैक और गांजा की आपूर्ति की जा रही थी। इस दौरान पुलिस ने एक तस्कर को मौके से दबोच लिया जबकि इसके दो साथी फरार हो गए। पुलिस द्वारा पकड़े गए स्मैक की कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है जबकि गांजा का वजन 36 किलो है।

एक नज़र

5 जनवरी 22 से होगा 50 हजार सार्वजनिक कुँओं का जीर्णोद्धार : सम्राट चौधरी

प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी द्वारा 15वें वित्त में

जल जीवन हरियाली अभियान के तहत कुँओं के जीर्णोद्धार हेतु दिया गया है 5 हजार करोड़ रूपये

ओपन सर्च.संवाददाता

नई दिल्ली। बिहार के पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी द्वारा 15वें वित्त में जल जीवन हरियाली अभियान के तहत कुँओं के जीर्णोद्धार हेतु 5 हजार करोड़ रूपये दिया गया है। जिसके तहत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देशानुसार पंचायती राज विभाग के अधीन 82,000 कुँओं में से 50 हजार से अधिक सार्वजनिक कुँओं का जीर्णोद्धार जल जीवन हरियाली अभियान के अंतर्गत किया जाएगा।

मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि आगामी 5 जनवरी से 10 जनवरी तक सभी 38 जिलों द्वारा एकीकृत रूप से कार्य संपादित कराया जाना है, जिसमें 5 जनवरी से सार्वजनिक कुंओं का जीर्णोद्धार कार्य एवं महामारी के संक्रमण रोकने के लिए कुआँ के बगल में सोख्ता का निर्माण कार्य आगामी 6 जनवरी से किया जाएगा। वहीं आमजन की सुविधा के लिए कुआँ का चबुतरा एवं पारापेट का निर्माण भी प्रारम्भ किया जाएगा।

मंत्री, पंचायती राज ने बताया कि सम्पादित कार्यों के अधतन स्थिति यथा मापी पुस्त की राशि तीनों चरणों के जियो टैग्ड फोटो आदि जल जीवन हरियाली पोर्टल पर अपलोड किये जाने का निर्देश भी जारी हुआ है। जिससे कार्य में किसी तरह की अनियमितता नहीं होने पावे। इससे भारत के प्रधानमंत्री का अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पर्यावरण की शुद्धता के लिए दिये गये वक्तव्य एवं बिहार के मुख्यमंत्री की पर्यावरण के प्रति चिंता को मूर्तरूप दिया जा सकेगा। मंत्री ने बताया कि उक्त आशय का निर्देश विभागीय पत्रांक-7498/पं.रा. दिनांक 22.12.2021 द्वारा सभी जिलाधिकारी को दिया गया है।

धानमंत्री मोदी द्वारा लिया हुआ कदम बहुत ही सराहनीय : डॉ पी एन अरोड़ा

ओपन सर्च.संवाददाता

गाजियाबाद। वरिष्ठ समाजसेवी एवं यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ पीएन अरोड़ा ने कहा कि ऐसे में जब ओमिक्रॉन का खतरा पूरे विश्व में मंडरा रहा है, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बच्चों के लिए वैक्सीनेशन के कार्यक्रम का प्रारंभ होना बहुत ही बड़ी राहत की खबर है। जिससे स्कूल जा रहे बच्चों एवं उनके माता-पिता व परिवारजनों को कोविड 19 के खतरे से बचाया जा सकता है। प्रधानमंत्री के इस फैसले के साथ भारत विश्व के उन अग्रणी देशों में शामिल हो गया है जहां एक ओर तो बच्चों को भी वैक्सीनेशन दिया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ हेल्थ केयर वर्कर और सीनियर सिटीजन को भी बूस्टर डोज लगाई जा रही है। डॉ अरोड़ा ने कहा कि 2022 के नए वर्ष की शुरुआत इससे अच्छी खबर से नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी चौथी कोविड-19 के इलाज में लगे रहते हैं और उन्हें सबसे पहले खतरा होता है। ऐसे में बूस्टर डोज से उनको होने वाले खतरे को बहुत हद तक टाला जा सकता है। उन्होंने यह विश्वास दिलाया कि अब हेल्थ केयर वर्कर एक नई ऊर्जा से कोविड-19 से लड़ने के लिए तैयार हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इसी के साथ चिकित्सा जगत के द्वारा की जा रही बूस्टर डोज की मांग को भी उन्होंने पूरा कर दिया है। उन्होंने भारतवर्ष के लिए प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम को ऐतिहासिक बताया।

मास्क न पहनने पर रोका तो सिविल डिफेंस कर्मी को मारा चाकू

नई दिल्ली (एजेंसी) गोविंदपुरी थाना क्षेत्र के तुगलकाबाद में कोरोना गाइडलाइन का पालन कराना एक सिविल डिफेंस कर्मी को महंगा पड़ गया। विपिन शर्मा नाम के सिविल डिफेंस के जवान ने जांच के दौरान दो युवकों को मास्क नहीं पहनने पर रोका तो नाराज दोनों युवकों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। मौके पर मौजूद अन्य सिविल डिफेंसकर्मियों ने मौके पर ही दोनों आरोपितों को धर दबोचा और उन्हें पुलिस को सौंप दिया गया।

घायल सिविल डिफेंसकर्मी विपिन शर्मा को एम्स ट्रामा में भर्ती कराया गया है। गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान तुगलकाबाद एक्सटेंशन गली निवासी ओसामा राजा और अंसार खान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह सिविल डिफेंस के जवान मध्य मार्ग तुगलकाबाद डिस्पेंसरी के पास ड्यूटी पर थे। तभी दो लोग बिना मास्क पहने आते हुये दिखाई पड़े। विपिन शर्मा ने उन्हें रोककर मास्क नहीं पहनने का कारण पूछा और डीडीएमए गाइन लाइन का पालन नहीं करने की बात कही तो दोनों युवक नाराज हो गए और विपिन पर चाकू से हमला कर दिया।

विपिन के जांघ पर चाकू लगा। मौके पर मौजूद अन्य सिविल डिफेंसकर्मियों ने दोनों हमलावारों को मौके पर ही धर दबोचा। जन्मदिन की पार्टी में गोली चलाने का वीडियो वायरल होने पर उत्तर पूर्वी जिले की एएटीएस टीम ने सन्नी दुबे और घनश्याम उर्फ पवन नामक दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इनसे तमंचा व तीन कारतूस बरामद हुए हैं। दोनों के खिलाफ न्यू उस्मानपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी संजय कुमार सैन ने बताया कि एएटीएस टीम को इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा तमंचे से गोली चलाने का एक वीडियो मिला था। उसमें एक युवक अपने जन्मदिन की पार्टी में गोली चलाता दिख रहा था। जांच में पता चला कि युवक न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र का है।

जबरन गलत तरीके से स्पर्श करने से आहत युवती ने लगाई फांसी

नई दिल्ली (एजेंसी) वजीराबाद इलाके में दोस्त द्वारा जबरन गलत तरीके से स्पर्श करने से आहत युवती ने कमरे में फंदे से लटककर जान दे दी। युवती के सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 19 दिसंबर की है। 18 वर्षीय युवती परिवार के साथ वजीराबाद में रहती थी। परिवार में माता-पिता के अलावा छोटे भाई-बहन हैं।

19 दिसंबर को युवती के माता-पिता और छोटी बहन रोहिणी स्थित रिश्तेदार के घर आयोजित सगाई समारोह में गए थे। युवती छोटे भाई के साथ घर पर थी। इस दौरान पंखे से फंदा लगाकर उसने जान दे दी। छोटे भाई ने देखा तो स्वजन को घटना की जानकारी दी। स्वजन की सूचना पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव स्वजन को सौंप दिया। घटना के समय सुसाइड नोट न मिलने से आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया था। स्वजन ने युवती की शादी एक युवक से तय कर दी थी।

ऐसे में उन्हें लगा कि शायद उसे रिश्ता पसंद नहीं आया हो और इसी वजह से उसने खुदकुशी कर ली। लेकिन, 20 दिसंबर को छोटी बहन को युवती के कमरे से एक बैग मिला तो सारा मामला सामने आया। बैग में रखे रजिस्टर में सुसाइड नोट था जिसमें लिखा कि उसकी दोस्ती दूर के एक रिश्तेदार युवक से थी। वह उसके साथ एक दिन शालीमार बाग स्थित पार्क गई थी, जहां युवक ने उसे जबरन गलत तरीके से स्पर्श किया।

उसे युवक से ऐसी उम्मीद नहीं थी। इस कृत्य से वह बेहद आहत है और जान दे रही है। फिलहाल पुलिस आरोपित की युवक की तलाश कर रही है। युवती के कमरे में मिले बैग में रजिस्टर के अलावा चूहे मारने की दवा और कीटनाशक गोलियां भी मिलीं। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उसने जान देने के लिए अन्य तरीकों पर विचार किया था।

भूख से हो रही गायों की दर्दनाक मृत्यु, तीनों एमसीडी में गायों के चारे का करोड़ों रुपया लंबित

नॉर्थ एमसीडी में चारे का करीब 32 करोड़ बकाया है, साउथ एमसीडी ने फरवरी 2021 से पैसा नहीं दिया है और ईस्ट एमसीडी ने पिछले 3 सालों से पैसा नहीं दिया है : सौरभ भारद्वाज

दूध देने वाली गायों को नीलाम करके एमसीडी राज्य से बाहर भेजती है और कुछ दिनों बाद उन्हें वापस दिल्ली ले आती है : सौरभ भारद्वाज

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में गायों की भूख से दर्दनाक मृत्यु हो रही है क्योंकि एमसीडी ने चारे के लिए तीन-तीन साल से करोड़ो रुपए का हिस्सा नहीं दिया है। गौशालाओं में चारे के लिए 40 रुपए प्रति गाय जमा किया जाता है, जिसमें 20 रुपए दिल्ली सरकार और 20 रुपए एमसीडी देती है।

दिल्ली सरकार से पैसा मिलने के बावजूद एमसीडी गायों का संरक्षण करने में फेल साबित हुई है। नॉर्थ एमसीडी में चारे का करीब 32 करोड़ बकाया है, साउथ एमसीडी ने फरवरी 2021 से पैसा नहीं दिया है और ईस्ट एमसीडी ने पिछले 3 सालों से पैसा नहीं दिया है। दूध देने वाली गायों को नीलाम करके एमसीडी राज्य से बाहर भेजती है और फिर कुछ दिनों बाद उन्हें वापस दिल्ली ले आते हैं। सौरभ भारद्वाज ने दो वीडियो साझा करते हुए कहा कि एमसीडी गायों का इलाज नहीं करती है और मृत्यु होने पर उन्हें गैर-कानूनी गौशालाओं में चुपचाप दफन कर दिया जाता है। यह बेहद शर्म और दुख की बात है। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और ग्रेटर कैलाश से विधायक सौरभ भारद्वाज ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले हफ्ते हमने एक प्रेसवार्ता के माध्यम से आप लोगों को बताया था कि एमसीडी के डीएमसी एक्ट के मुताबिक दिल्ली में गाय या पशुओं को रखना गैरकानूनी है। और सड़कों पर भी गायें दिखना गैरकानूनी है। यह जिम्मेदारी एमसीडी की है कि, यदि गलियों में, पार्कों में गाय-भैंस दिखें तो उन्हें उठाकर गौशाला में रख दिया जाए। हमने बताया था कि कैसे एक संगठित माफिया, एक गिरोह काम कर रहा है, जो इन गायों का दूध तो निकालता है लेकिन उन्हें चारा खिलाने के नाम पर उन्हें गलियों में कूड़ा खाने के लिए छोड़ देता है। अब सावल यह उठता है कि इन गौशालाओं के अंदर गायों का रखरखाव क्यों नहीं किया जा रहा है। इसके दो कारण हैं। एक कारण यह है कि इन गौशालाओं में उन्हीं गायों का रखा जाता है जो दूध नहीं देती हैं। जो गायें दूध देती हैं, यदि एमसीडी उन्हें उठाती है तो उनकी नीलामी की जाती है। और नीलामी के बाद उन्हें दिल्ली के बाहर किसी गौशाला को दिया जाता है।

हैरानी की बात यह है कि उन गायों को उठाकर वापस दिल्ली में लाया जा रहा है जिसके बाद वह सड़कों पर नज़र आती हैं। चारे के लिए तीनों एमसीडी के हिस्से का बकाया बताते हुए उन्होंने कहा कि हमने विधानसभा में 3-4 तारीख को प्रश्न लगाया है, जिसका उत्तर जनवरी में आएगा। हमने प्रश्न लगाया कि कितनी गायें पिछले 5 सालों में इन गौशालाओं में भेजी गई और आज की तारीख में कितनी हैं? इनके आंकड़ें चौकाने वाले हैं। अब गौशालाओं की बात करें तो गौशालाओं के अंदर चारे के लिए 40 रुपए प्रति गाय जमा किया जाता है। जिसमें 20 रुपए दिल्ली सरकार देती है और 20 रुपए एमसीडी देती है। हमारे साउथ एमसीडी के नेता प्रतिपक्ष प्रेम चौहान जी और नॉर्थ एमसीडी के नेता प्रतिपक्ष विकास गोयल जी यहां बैठे हुए हैं। उन्होंने जानकारी निकाली जिसके अनुसार, नॉर्थ एमसीडी ने कई सालों से अपने हिस्से का पैसा नहीं दिया है। और करीब 32 करोड़ का बकाया लंबित है। साउथ एमसीडी ने फरवरी 2021 से यह हिस्सा नहीं भरा है। वहीं ईस्ट एमसीडी ने पिछले 3 सालों से यानि कि 2018 से अपने हिस्से का पैसा नहीं दिया है। जिसके अनुसार चारे की कमी के कारण भी इन गौशालाओं के अंदर गायों की मृत्यु हो रही है। आप सोचिए यह हमारे लिए और समाज के लिए कितनी शर्म की बात है कि वह भारतीय जनता पार्टी जो गायों के नाम पर दलितों की हत्या करने के लिए जानी जाती है, हत्या और खून खराबा करने के लिए जानी जाती हैं, उसके द्वारा चलाई जा रही दिल्ली नगर निगम गाय के चारे के लिए तीन-तीन सालों से पैसा रोककर बैठी हुई है। और गायें भूखी मर रही हैं। कुछ वीडियो साझा करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मैंने पिछली बार वादा किया था कि मैं कुछ वीडियो आपके साथ साझा करूंगा कि किस दर्दनाक तरीके से गायों की मृत्यु, दिल्ली की सड़कों और गलियों पर हो रही हैं। क्योंकि गायें पूरा दिन कूड़े के ढ़लाव पर कूड़ा खाती हुई नज़र आती हैं।

लोग अक्सर पॉलीथीन में कूड़ा फेंकते हैं। उसके अंदर कुछ खाने की चीजें भी होती हैं, हरी सब्जियों के छिलके होते हैं। यह कूड़ा कूड़े के ढ़लाव तक पहुंचता है और गायें इतनी भूखी होती हैं कि वह इस पूरी पॉलीथीन को यह सोचकर निगल जाती हैं कि इसमें कुछ तो खाना है, कुछ तो पेट में जाएगा। उसके बाद वह पॉलिथीन उनकी आंतों में फंस जाती है और दर्दनाक मौत का कारण बनती है। इन दोनों वीडियों में आप साफ देख सकते हैं कि कैसे गायों की दर्दनाक मौत हो रही है। एमसीडी ने इनका इलाज नहीं किया जिसके कारण इनकी ऐसी हालत हो गई। बाद में, जो गैर-कानूनी गौशाला चला रहे हैं, वहां लाकर उन्हें दफन कर दिया। यह देखकर बहुत ही दुख होता है लेकिन इसपर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार ने मयंक सिंह को झारखंड राज्य युवा जदयू का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया

ओपन सर्च.संवाददाता

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार ने मयंक सिंह को झारखंड राज्य युवा जनता दल (यूनाइटेड) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस आशय का मनोनयन पत्र जारी करते हुए उन्होंने अनुरोध किया है कि पार्टी की विचारधारा को ध्यान में रखते हुए आप झारखंड राज्य में युवाओं को संगठित करें और उन मुद्दों के निवारण के लिए अभियान चलाएं, संघर्ष शुरू करें जो कि झारखंड राज्य के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

बता दें कि मयंक सिंह, केडी नगर, केडिया पेट्रोल पंप के पीछे, गुरुद्वारा के पास, जोधाडीह मोरे, चास, बोकारो के निवासी हैं। समाजसेवा में उनका अभिन्न योगदान है। वो समाजवादी विचारधारा से शुरू से ही प्रभावित रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समाजवादी मॉडल में उनकी गहरी आस्था है। यही वजह है कि संजय कुमार ने उन्हें झारखंड प्रान्त के युवाओं को दिशानिर्देशित करने की कमान सौंपी है।

उल्लेखनीय है कि संजय कुमार को जदयू का एक बेहतर संगठन कर्ता माना जाता है। उनके कार्यकाल में पार्टी के प्रति युवाओं का रुझान काफी बढ़ा है। उन्होंने देश के अधिकांश राज्यों में युवाओं को समाजवादी सियासत के लिए तैयार किया है, जो जदयू के राष्ट्रव्यापी विस्तार में मददगार साबित हो रहे हैं। संजय कुमार को पार्टी के तीन राष्ट्रीय अध्यक्षों के साथ युवा जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष की हैसियत से काम करने का सौभाग्य प्राप्त है।

ओला-उबर और फूड डिलीवरी कंपनियों को करना होगा इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग? दिल्ली सरकार उठाएगी ये कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली सरकार ई-कॉमर्स कंपनियों, खाना डिलीवर करने वालों और कैब सेवा प्रदाताओं से पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने और पेट्रोल पंपों से प्रदूषण जांच न कराने वाले वाहनों को ईंधन नहीं देने के लिए कहने जा रही है।

राजधानी के वायु प्रदूषण में करीब 38 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों से होने वाले उत्सर्जन की है। एक अधिकारी ने कहा कि सरकार वाहनों के प्रदूषण की जांच करने के लिए दो प्रमुख कदम उठाने जा रही है - हम जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर समेत सभी सेवा प्रदाताओं से पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने के लिए कहेंगे।

दिल्ली में पंजीकृत 30 प्रतिशत वाहन इन सेवाओं के हैं। हम डीलरों और पेट्रोल पंप को पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना वाहनों को ईंधन न देने के निर्देश देने पर भी विचार कर रहे हैं। इस संबंध में पर्यावरण (संरक्षण) कानून के तहत दिशा निर्देश इस सप्ताह जारी होने की उम्मीद है। यह पूछने पर कि क्या सेवा प्रदाताओं को इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने के लिए कोई समयसीमा दी जाएगी? इस पर परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

हम जल्द ही दिशा निर्देशों का मसौदा प्रकाशित करेंगे। अगस्त 2020 में आई दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति का उद्देश्य 2024 तक कुल वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक बढ़ाना है। गौरतलब है कि दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण स्तर के मद्देनजर अक्टूबर में दिल्ली सरकार ने पीयूसी प्रमाणपत्रों की जांच के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया और इसके लिए पेट्रोल पंपों पर लगभग 500 टीमों को तैनात किया था। मोटर वाहन अधिनियम, 1993 की धारा 190 (2) के तहत, वैध पीयूसी नहीं रखने वाले वाहन मालिकों पर 10,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, या छह महीने तक की कैद या दोनों हो सकते हैं। वाहन मालिकों को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने वाहनों का परीक्षण करवाना आवश्यक है कि क्या वे कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड जैसे प्रदूषकों के उत्सर्जन मानकों को पूरा करते हैं। दिल्ली में पेट्रोल पंपों और वर्कशॉप्स में लगभग 1,000 अधिकृत प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित हैं। साथ ही, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के अनुपालन में, दिल्ली सरकार 1 जनवरी, 2022 को 10 साल पूरे करने वाले सभी डीजल वाहनों का पंजीकरण रद्द कर देगी और अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करेगी ताकि उन्हें अन्य स्थानों पर फिर से पंजीकृत किया जा सके।

हालांकि, इस महीने की शुरुआत में जारी एक आदेश के अनुसार, ऐसे डीजल वाहनों के लिए कोई एनओसी जारी नहीं की जाएगी, जिन्होंने इसके लिए आवेदन करने की तारीख को 15 साल या उससे अधिक समय पूरा कर लिया है। स्विस एयर टेक्नोलॉजी कंपनी, आईक्यूएयर के अनुसार, दिल्ली दुनिया की सबसे अधिक प्रदूषित राजधानी है और जनसंख्या के मामले में सबसे तेजी से विस्तार करने वाले शहरों में से एक है।

हाईकोर्ट ने कहा किशोरी ने अपनी मर्जी से याची से कर ली शादी, रद हो युवक पर दर्ज एफआइआर

नई दिल्ली (एजेंसी)
दिल्ली हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज एफआइआर को यह कहते हुए रद करने का आदेश दे दिया कि वयस्क होने से कुछ दिन पहले किशोरी ने अपनी मर्जी से याची से शादी कर ली थी। शादी के दौरान किशोरी की उम्र 17 साल 11 महीने और 12 दिन थी। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि लड़की ने अपनी मर्जी से शादी करने का दावा किया है। प्राथमिकी लड़की की मां की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। पीठ ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता है कि लड़की अनजान थी कि उसके लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा। वह याचिकाकर्ता से शादी करना चाहती थी और खुद ही याचिकाकर्ता के पास गई। शादी की इच्छा जताने के साथ इसके लिए उसे राजी कर लिया। वहीं, लड़की की मां ने याची के खिलाफ इसलिए एफआइआर दर्ज कराई थी, क्योंकि वह नाबालिग थी और उनका आरोप था कि याची ने उनकी बेटी को अगवा किया है। लड़की ने भी अपने बयान में कहा है कि वह याची से प्यार करती है और उसके माता-पिता रिश्ते के खिलाफ थे और उसके साथ मारपीट करते थे।

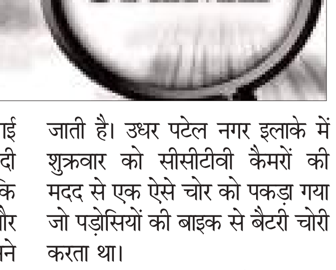

किशोरी खुद छह फरवरी, 2021 को याचिकाकर्ता के पास गई और उन्होंने दो मार्च, 2021 को शादी कर ली। लड़की ने यह भी कहा कि वह याचिकाकर्ता के साथ खुश है और उसी के साथ रहना चाहती है। उसने माता-पिता के साथ जाने से इन्कार कर दिया था। पीठ ने कहा कि ऐसे में जबकि शादी के दौरान लड़की लगभग 18 वर्ष की थी, ऐसे में उसके बयान और तथ्यों को देखते हुए युवक के खिलाफ दर्ज एफआइआर रद की जाती है। उधर पटेल नगर इलाके में शुक्रवार को सीसीटीवी कैमरों की मदद से एक ऐसे चोर को पकड़ा गया जो पड़ोसियों की बाइक से बैटरी चोरी करता था।

एक दिन उसकी करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने आरोपित को पहचान लिया। चोर कोई और नहीं, उन्हीं के मोहल्ले का रहने वाला संतोष राम था। फिर मामले की सूचना पुलिस की दी गई। आरोपित के घर पर जब स्थानीय लोगों के साथ पुलिस पहुंची तो वहां पांच बाइक की बैटरी और बैटरी निकालने के उपकरण मिले। आरोपित बैटरी चोरी की कई वारदात में शामिल रहा है।

पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। इलाके के बलजीत नगर निवासी और डीटीसी बस में कंडक्टर रवि ने बताया कि घर के बाहर खड़ी उनकी बाइक से बैटरी चोरी हो गई थी। इसके बाद दो अन्य लोगों की भी बाइक से बैटरी चोरी हो गई। घर के पास लगे सरकारी सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई तो पता चला कि सुबह चार बजे एक व्यक्ति बाइक से बैटरी चुराकर ले गया है।

एनडीएमसी सरोजनी नगर मार्केट में बड़े पैमाने पर चला रही है अतिक्रमण विरोधी अभियान

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। जिला प्रशासन ने सप्ताहांत पर दुकानें व तहबाजारी को ऑड व इवन क्रम में खोलने के आदेश दिए हैं, इस पर पूरी तरह अमल किया जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए आज बाजार के सभी हितधारकों के साथ एक बैठक की गई। सरोजिनी नगर मार्किट में किसी की भी कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी और कोर्ट के आदेश का अक्षरशः पालन किया जाएगा। आज पूरा दिन स्थिति को नियंत्रण में रखा गया । पालिका परिषद की प्रवर्तन विभाग की टीमें और दिल्ली पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए दिन भर मौजूद थी कि बाजार में कोविड रोकथाम के अनुरूप उचित व्यवहार का पालन किया जाए। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशानुसार पालिका परिषद व दिल्ली पुलिस भविष्य में बाजार में स्थिति को नियंत्रण में रखने की व्यवस्था पर काम कर रही है।

डीयू : शिक्षक संगठनों ने नई शिक्षा नीति का मसौदा किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)
नई शिक्षा नीति यानी एनईपी को लागू करना दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए टेढ़ी खीर साबित होता जा रहा है। अकादमिक और कार्यकारी परिषद की ओर से नई शिक्षा नीति लागू करने संबंधी प्रस्ताव पास करने के बावजूद मसौदे पर रार बनी हुई है। डीयू ने कुछ दिन पूर्व ही कालेजों और विभागों संग एनईपी का दो मसौदा साझा किया। इस पर शनिवार को शिक्षक संगठनों ने आपत्ति जताई है। दिल्ली विवि शिक्षक संघ (डूटा) नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (एनडीटीएफ), डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (डीटीएफ) और एकेडमिक एक्शन फार डेवलपमेंट (एएडी) ने दोनों मसौदों को सिरे से खारिज कर दिया है। शिक्षक संगठनों ने कुलपति प्रो. योगेश सिंह को पत्र लिखकर कड़ी आपत्ति भी दर्ज कराई है। एनडीटीएफ ने कहा है कि दोनों मसौदे अकादमिक और कार्यकारी परिषद से पास प्रस्तावों से अलग हैं। तीन वर्षीय आनर्स पाठ्यक्रमों का क्रेडिट स्कोर कम नहीं करना चाहिए था। अकादमिक परिषद ने चार वर्षीय पाठ्यक्रमों का क्रेडिट स्कोर 196 और तीन वर्षीय पाठ्यक्रमों का क्रेडिट स्कोर 148 तय किया था, जबकि साझा किए गए मसौदे में एक में क्रेडिट स्कोर 184 और 164 कर दिया गया है।

डीटीएफ ने कहा कि कुल 184 क्रेडिट स्कोर वाले मसौदे में एबिलिटी एनहेंसमेंट कंपलसरी कोर्स पाठ्यक्रम को एबिलिटी एनहेंसमेंट कोर्स कर दिया गया है। इसकी पढ़ाई की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। इससे तदर्थ शिक्षकों की नौकरी पर भी खतरा उत्पन्न होगा, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 1991 में दिए अपने निर्णय में इसकी पढ़ाई अनिवार्य की थी। पाठ्यक्रम का क्रेडिट स्कोर भी प्रति सेमेस्टर चार से घटाकर दो कर दिया गया है। शिक्षकों ने मसौदे में की गई एक टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई है।

पत्नी ने 16 तक छुपाई रखी ये गंभीर बीमारी, दिल्ली हाईकोर्ट से पति को मिला तलाक

नई दिल्ली (एजेंसी)
दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 साल पुरानी एक शादी को खत्म करते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या वाले जीवनसाथी के साथ रहना आसान नहीं है, जहां पत्नी ने छुपाया था कि वह सिजोफ्रेनिया से पीड़ित थी।

जस्टिस विपिन सांघी और जसमीत सिंह की बेंच ने पति की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि शादी केवल सुखद यादों और अच्छे समय से नहीं बनती है, शादी में दो लोगों को कई चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं और एक साथ कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ऐसे साथी के साथ रहना आसान नहीं है, जिसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, इस तरह की समस्याओं का सामना करने वाले व्यक्ति के लिए अपनी अलग चुनौतियां होती हैं, और इससे भी ज्यादा उसके जीवनसाथी के लिए। शादी में समस्याओं और भागीदारों के बीच संचार की समझ होनी चाहिए- खासकर जब शादी में दो भागीदारों में से एक ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा हो। हाईकोर्ट ने पत्नी द्वारा शादी से पहले अपने मानसिक स्वास्थ्य विकार का खुलासा नहीं करने पर कहा कि यह याचिकाकर्ता के साथ एक धोखाधड़ी थी।

कोर्ट ने पाया कि पत्नी ने कभी भी पति को अपने मानसिक विकार के बारे में नहीं बताया और इसके बजाय इसे सिरदर्द के रूप में वर्णित किया। अदालत ने यह भी कहा कि मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञों द्वारा पत्नी के मेडिकल टेस्ट से इनकार करने से यह निष्कर्ष निकलता है कि वह मेडिकल बोर्ड का सामना करने के लिए तैयार नहीं थी क्योंकि इससे उसकी मानसिक स्थिति का पता चल सकता था और यह आरोप साबित हो जाता कि वह सिजोफ्रेनिया से पीड़ित थी।

ऐसा जीवनसाथी- जो किसी मानसिक बीमारी से पीड़ित नहीं होने का दावा करता है - जिसने वैवाहिक अधिकारों की बहाली के लिए एक याचिका को प्राथमिकता दी है और अपीलकर्ता पति के साथ रहने की इच्छा व्यक्त की है, उसे ऐसे मेडिकल टेस्ट से क्यों नहीं गुजरना चाहिए? अदालत ने यह भी नोट किया कि पत्नी ने सच्चाई तक पहुंचने के लिए अदालत के प्रयासों को विफल कर दिया।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

बॉलीवुड के अनकहे किस्से

एक तमिल फिल्म निर्माता द्वारा अपनी फिल्म में लेने और कुछ समय बाद बिना बताए निकाल देने के बाद महसूस हुए अपमान के बाद उन्होंने श्री कृष्ण से ही इस अपमान की भरपाई करने की प्रार्थना की थी और कुछ दिनों बाद ही उन्हें अपनी पहली फिल्म सपनों का सौदागर मिल गई थी। कुछ समय बाद जब उनकी गुरु इंदिरा मां ने उन्हें किसी फिल्म में कृष्ण भक्त मीरा का रोल करने को कहा तो मानो उन्हें मन की मुराद मिल गई। इस बीच फिल्म निर्माता प्रेमजी उनके पास आए तो हेमा ने उनके सामने अपने मन की बात रखी। प्रेमजी तुरंत तैयार हो गए और उन्होंने गुलजार को लेखक और निर्देशक के रूप में अनुबंधित कर लिया। लेकिन मीराष् फिल्म के मुहूर्त वाले दिन से ही फिल्म बनाने में नई नई परेशानीयाँ आने लगीं।

सबसे बड़ी मुश्किल यह हुई कि लता मंगेशकर ने फिल्म में गाना गाने से मना कर दिया। कारण यह था कि उन्होंने हाल ही में मीरा के भजन वाली एक प्राइवेट एल्बम तैयार की थी और वह उसके निर्माताओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती थीं और मीरा के भजनों को दोबारा भी नहीं गाना चाहती थीं। लताजी के कारण संगीतकार लक्ष्मीकांत प्यारेलाल भी फिल्म से हट गए क्योंकि वे लताजी के बगैर काम करना नहीं चाहते थे। तब पंडित रविशंकर को इस फिल्म के संगीत के लिए तैयार किया गया और उन्होंने वाणी जयराम को गाने के लिए तैयार किया लेकिन हेमा मालिनी इस बड़े बदलाव के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं थी क्योंकि अभी तक उनकी सारी फिल्मों के लिए उनके गीत लता जी ने ही गाए थे और उनके व्यक्तित्व पर उनकी आवाज बहुत फबती भी थी।

कुछ समय बाद जब उनकी गुरु इंदिरा मां ने उन्हें किसी फिल्म में कृष्ण भक्त मीरा का रोल करने को कहा तो मानो उन्हें मन की मुराद मिल गई। इस बीच फिल्म निर्माता प्रेमजी उनके पास आए तो हेमा ने उनके सामने अपने मन की बात रखी। प्रेमजी तुरंत तैयार हो गए और उन्होंने गुलजार को लेखक और निर्देशक के रूप में अनुबंधित कर लिया। लेकिन मीराष् फिल्म के मुहूर्त वाले दिन से ही फिल्म बनाने में नई नई परेशानीयाँ आने लगीं।

उन्होंने लता जी से निजी तौर पर मिलकर भी बात की लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं हुई। दूसरी मुश्किल एक अच्छे कॉस्ट्यूम डिजाइनर को ढूंढने की थी क्योंकि मीरा की विश्वसनीयता के लिए जरूरी था कि उस काल का पहनावा बहुत सावधानी के साथ तैयार किया जाए क्योंकि एक राजकुमारी से, कृष्ण भक्ति में रंक बनने की यात्रा में उनके कपड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उनकी श्रद्धा भक्ति और भव्यता को भी बनाए रखें जाने के लिए यह जरूरी था। यह तलाश पूरी हुई प्रख्यात कॉस्ट्यूम डिजाइनर भानु अथैया के रूप में। (आगे चलकर तो उन्हें गांधी फिल्म के लिए ऑस्कर अवार्ड मिला) इस फिल्म के लिए उन्होंने मीरा के जीवन के अलग-अलग चरणों के लिए अलग-अलग ड्रेस के कपड़े तैयार किए। इतना ही नहीं उन्होंने गले में पहनने वाली तुलसी माला का आकार और उसकी लंबाई भी तय की। अगली बड़ी परेशानी हुई फिल्म में उनके पति राणा साहेब की भूमिका के लिए नायक चुनने में। क्योंकि यह एक कमजोर पुरुष का चरित्र था इसलिए इसे कोई नहीं करना चाहता था। अंततः विनोद खन्ना इस भूमिका के लिए तैयार हुए जिन्होंने हाल ही में गुलजार के साथ अपनी पहली फिल्म मेरे अपने की थी। एक समस्या हेमा मालिनी को दिया जाने वाला मेहनताना भी था। वे उस समय की बड़ी स्टार थीं।

इसका हल निकाला गया उनको प्रतिदिन काम के हिसाब से पैसे देने के रूप में। फिल्म 1979 में रिलीज हुई। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म खास सफल नहीं रही। असफलता का एक कारण शायद यह था कि आम जनता के मन में मीरा की छवि केवल एक संत की थी और मीरा के पिछले जीवन के बारे में उनको न ज्यादा पता था और न वह जानना चाहते थे। जबकि हेमा को अपने द्वारा की गई सभी फिल्मों में ष्मीराष् आज भी सबसे ज्यादा पसंद है। उन्हें इसका क्लाइमैक्स वाला सीन बहुत पसंद है जहां मीरा जंजीरों से बंधी हुई है और उन्हें राज दरबार में पेश किया जाता है।

जब वे दरबार में प्रवेश करती है और उनकी विशालकाय छाया गुरु के ऊपर पड़ती है और वह डर जाते हैं। चलते चलते इस फिल्म में शम्मी कपूर ने मीरा के पिता राणा राठौर की भूमिका निभाई थी जबकि 1971 में आई फिल्म ष्अंदाजष् में हेमा उनकी नायिका थीं यानि उनके साथ उनकी जोड़ी का यह अंत था तो विनोद खन्ना के साथ नई जोड़ी की शुरुआत। हां एक बात और प्रतिदिन शूटिंग खत्म होने के बाद हेमा को जो लिफाफा मेहनताने के रूप में प्रेमजी दिया करते थे वह उसे बिना खोले अलमारी में रख देती थी। भगवान श्री कृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा और गुरु मां के प्रति प्यार के कारण इस फिल्म के लिए जो भी राशि उन्हें मिली उन्होंने उसे आशीर्वाद समझ कर अपने पास रख लिया और आज तक खर्च नहीं किया है।

काशी विश्वनाथ धाम: हमारी जीवंत विरासत को सम्मान

अनुराग सिंह ठाकुर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 दिसंबर को काशी विश्वनाथ धाम का उद्घाटन किया। यह अनूठी परियोजना, काशी जैसे सभ्यता के प्रतीक शहर और ऐतिहासिक काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए सर्वथा उपयुक्त है। काशी के महत्व और प्राचीनता के बारे में मार्क ट्वेन ने लिखा था, ष्बनारस इतिहास से भी पुराना है, परंपरा से भी पुराना है, पौराणिक कथाओं से भी पुराना है और इन सभी को मिलाने से जितनी प्राचीनता हो सकती है, यह शहर उससे भी दोगुना प्राचीन है।

परियोजना के उद्घाटन के साथ, प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व के सबसे प्राचीन जीवित शहरों में से एक और हिंदू धर्म तथा सदियों पुरानी हमारी सभ्यता के केंद्र, काशी या वाराणसी को दुनिया को फिर से समर्पित किया। प्राचीनता और निरंतरता का अद्भुत मिश्रण, काशी पूरी मानवता की धरोहर है। इसे दुनिया का सबसे प्राचीन व एक ऐसा शहर माना जाता है, जो सदियों से लोगों का निवास-स्थान रहा है। जहां दुनिया के अन्य प्राचीन शहर साम्राज्यवादी और औपनिवेशिक हमलों में ध्वस्त हो गए, वहीं काशी अपने विशिष्ट उत्साह के साथ गतिमान है। यह शहर को वास्तव में महत्वपूर्ण और अद्वितीय बनाता है। अपनी निरंतरता के माध्यम से, यह शहर बर्बर आक्रमणों और हमलों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक, कलात्मक और शैक्षिक पहचान को बनाए रखने के लिए अपनी दृढ़ सहनशीलता का परिचय देता है।

काशी विश्वनाथ धाम, इस शहर पर हुए अत्याचार से भरे अतीत से ऊपर उठने की एक पवित्र प्रतिज्ञा को दर्शाता है। दूसरे शब्दों में, यह इस भूमि की सदियों पुरानी आध्यात्मिक, शैक्षिक और रचनात्मक विरासत को फिर से जीवंत करने का एक विनम्र प्रयास है। इस धाम के रूप में इतिहास ने नया मोड़ लिया है। इतिहास में शायद पहली बार ऐसा हुआ है कि एक हजार साल के अन्याय को, बिना किसी विनाश, लूटपाट या बदले की भावना के, समाप्त करते हुए पहले जैसी स्थिति प्राप्त की गयी है। इसे केवल निर्माण और सृजन के माध्यम से हासिल किया गया है। काशी को युगों से मुक्ति की नगरी के रूप में जाना जाता रहा है। हर जगह से लोग मुक्ति की खोज में काशी की ओर खिंचे चले आते हैं। हालांकि यह परियोजना स्वयं काशी की मुक्ति का उत्सव मनाने का एक प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के इस दृष्टिकोण और प्रयासों ने काशी

विश्वनाथ मंदिर के सदियों पुराने गौरव को पुनः स्थापित किया है। काशी विश्वनाथ धाम संपूर्ण मानवता के लिए एक परियोजना है क्योंकि यह सभ्यता की निरंतरता का एक उत्सव है।

इस दृष्टि से, यह पूरी दुनिया के लिए एक परियोजना है। यह हिंदू देवालय भगवान ब्रह्मा- ब्रह्मांड के रचयिता, भगवान विष्णु- ब्रह्मांड के रक्षक और भगवान शिव - ब्रह्मांड के मुक्तिदाता- की पवित्र त्रिमूर्ति को मान्यता प्रदान करता है। काशी अत्यधिक श्रद्धा जगाती है क्योंकि यह भगवान शिव के विभिन्न निवासों में से एक है।

यही काशी का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इस वर्ष संविधान दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, ष्भारत और दुनिया के कई देशों के लिए कई पीढ़ियों तक उपनिवेशवाद की बेड़ियों में रहना एक मजबूरी थी। भारत की आजादी के बाद से, पूरी दुनिया में एक उत्तर-औपनिवेशिक काल शुरू हुआ और कई देश आजाद हुए।

आज दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जो किसी दूसरे देश के उपनिवेश के रूप में मौजूद हो। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि औपनिवेशिक मानसिकता का अस्तित्व समाप्त हो गया है। इसलिए, कई पीढ़ियों तक उपनिवेशवाद झेलने वाली मानवता के लिए यह आवश्यक है कि वह स्वयं को उपनिवेश से मुक्त करे, आजाद हो और फिर से आगे बढ़े। कई अन्य बातों के अलावा, ऐतिहासिक रूप से लूट और विध्वंस उपनिवेशवाद के मुख्य उपकरण और उद्देश्य, साधन एवं साध्य रहे हैं। स्वाभाविक रूप से, धन, ज्ञान और पुरातत्व के खजाने से लैस सभ्यताएं इस किस्म के बर्बर जमाखोरों के लिए प्रमुख आकर्षण थीं। आइए, एक फिर काशी की ओर लौटें। यह पौराणिक प्राचीन शहर लगातार लूटपाट का शिकार रहा है। यहां हुए विध्वंस और विनाश, इस बात के पर्याप्त संकेत देते हैं कि एक समय यह कितना शानदार शहर रहा होगा।

यह तथ्य दुनिया भर के संग्रहालयों और निजी संग्रहों में बिखरे पड़े काशी के गौरवशाली पुरावशेषों के नमूनों से भी प्रमाणित होता है। सामान्य रूप से काशी शहर और विशेष रूप से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को अतीत में कई बार ध्वस्त किया गया और इनका पुनर्निर्माण हुआ। प्रारंभ में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को घुरिद तुर्क सुल्तान कुतुब-उद-दीन ऐबक ने नष्ट किया था और फिर बाद में गुजरात के एक व्यापारी ने इसे पुनर्निर्मित किया था।

इस मंदिर के विध्वंस और पुनर्निर्माण की कहानी वर्ष 1780 तक जारी रही, जब एक किंवदंती के अनुसार, भगवान शिव महान मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर के सपने में आए एवं वह भगवान शिव की परम भक्त बन गई और फिर उन्होंने इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया। एक अन्य किंवदंती के अनुसार, इस शहर पर किए गए हमले ने ही महान छत्रपति शिवाजी महाराज को तलवार उठाने के लिए प्रेरित किया था। यह कहा जाता है कि औरंगजेब द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर के विध्वंस ने शिवाजी महाराज की माता जीजाबाई को इतना क्रोधित कर दिया था कि उन्होंने उन्हें मुगल के नियंत्रण वाले एक किले सिंहगढ़ पर कब्जा करने की चुनौती दे डाली। इसके बाद क्या हुआ वह सर्वविदित है। मंदिर परिसर का पुनर्निर्माण न केवल औपनिवेशिक प्रभाव से बाहर निकलने की दिशा में एक और अहम कदम है, बल्कि यह बर्बरता पर सभ्यता की प्रधानता, ज्ञान के केंद्र की पुनर्स्थापना और क्रूरता के स्थान पर श्रद्धा का भाव जागृत होने का भी ठोस प्रतीक है।

यह परियोजना पूर्ण सामंजस्य सुनिश्चित करते हुए रचनात्मक दृष्टिकोण के जरिए इन प्रशंसनीय लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक अभिनव प्रयास है। यह पूरी मानवता के लिए गहन चिंतन-मनन करने और इसके साथ ही, यदि संभव हो सके, तो अनुसरण करने का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मेरी मंगल कामना है कि हमारी काशी ठीक इसी तरह से आगे भी निरंतर फलती-फूलती रहे एवं समृद्ध होती रहे और इसके साथ ही भगवान शिव हम सभी को अपनी दिव्यता एवं महिमा प्रदान करें।

(लेखक, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल और सूचना व प्रसारण मंत्री हैं।)

राष्ट्रहित में किसी भी उकसावे से बचें भारतीय मुसलमान

तनवीर जाफरी

मात्र सत्ता में बने रहने के लिये देश में सत्ता के संरक्षण में एक विशेष सांप्रदायिक विचारधारा द्वारा देश में बहुसंख्यकवाद का जो खतरनाक खेल खेला जा रहा है वह उस भारत वर्ष के अस्तित्व व धारणा के बिल्कुल विपरीत है जिसकी वजह से देश को 'अनेकता में एकता' रखने वाले विश्व के सबसे बड़े व लोकप्रिय लोकतंत्र के रूप में दुनिया जानती रही है। सांप्रदायिक सौहार्द भारत की रगों में प्रवाहित होने वाला वह स्वभाव है जिसे तमाम कोशिशों के बावजूद समाप्त नहीं किया जा सकता। यह रहीम,रसखान, कबीर और जायसी का देश है,यह उस वीर शिवाजी का देश है जिनके सेनापति व मुख्य सलाहकार व जासूस मुसलमान हुआ करते थे।

यह उस महाराणा प्रताप का देश है जिनके सेनापति व अनेक सेनानी मुसलमान होते थे। यह उस अकबर महान का देश है जिसके सेनापति व तमाम सैनिक व अधिकारी हिन्दू होते थे। यह वह भारत है जहाँ अयोध्या सहित अनेक स्थानों पर मुगल शासकों द्वारा मंदिरों,गुएद्वारों व जैन मंदिरों के लिये जमीनें दी गयीं व वजीफे निर्धारित किये गये। और यही धार्मिक एकता व सांप्रदायिक सद्भाव का सिलसिला अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने तक जारी रहा। आज भी भारतीय इतिहास में जिन क्रांतिकारियों के किस्से सबसे मशहूर हैं उनमें चंद्रशेखर आजाद,भगत सिंह,राजगुरु व राम प्रसाद बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों के साथ अशफाकउल्लाह खान का नाम भी प्रत्येक देशवासी बड़े ही सम्मान से लेता है,उन्हें याद करता तथा उनके समक्ष नत मस्तक होता है। देश की आजादी के बाद भी देश का प्रथम परमवीर चक्र पाने वाले वीर अब्दुल हमीद थे जिन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध अपने अदम्य साहस व वीरता का परिचय देते हुए सीमा पर अपनी कुर्बानी दी। देश को कई मुस्लिम वायु सेनाध्यक्ष मिले और यह सिलसिला भी भारत रत्न मिसॉइलमान ए पी जे अब्दुल कलाम तक चला। 1947 में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के बाद जहाँ कुछ सीमान्त प्रान्त के मुसलमानों ने कहीं विभाजनकारी नीति अपनाने वाली मुस्लिम लीग के बहकावे में आकर तो कहीं विभाजन के समय छिड़ी सांप्रदायिक हिंसा का शिकार होकर या उससे बचने के भय से भारत छोड़ पाकिस्तान या तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान जाने का फैसला किया वहीं देश के बहुसंख्य मुसलमानों ने गाँधी,कांग्रेस, व मौलाना अबुल कलम आजाद जैसी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का साथ दिया और स्वेच्छा से भारत में ही रहने का निर्णय लिया। लगभग सत्तर वर्षों से सोने की चिड़िया कहा जाने वाला हमारा यह भारत इसी धार्मिक व सामाजिक सौहार्द की बदौलत तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है। परन्तु हिंदुत्ववादी ताकतों द्वारा जिस प्रकार इन्हीं सत्तर वर्षों में धीरे धीरे हिन्दू महासभा,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा इसी विचारधारा का पोषण करने वाले अनेक संगठनों ने बड़े ही नियोजित तरीके से अपनी

सांप्रदायिक सौहार्द भारत की रगों में प्रवाहित होने वाला वह स्वभाव है जिसे तमाम कोशिशों के बावजूद समाप्त नहीं किया जा सकता। यह रहीम,रसखान, कबीर और जायसी का देश है,यह उस वीर शिवाजी का देश है जिनके सेनापति व मुख्य सलाहकार व जासूस मुसलमान हुआ करते थे। यह उस महाराणा प्रताप का देश है जिनके सेनापति व अनेक सेनानी मुसलमान होते थे। यह उस अकबर महान का देश है जिसके सेनापति व तमाम सैनिक व अधिकारी हिन्दू होते थे। यह वह भारत है जहाँ अयोध्या सहित अनेक स्थानों पर मुगल शासकों द्वारा मंदिरों,गुएद्वारों व जैन मंदिरों के लिये जमीनें दी गयीं व वजीफे निर्धारित किये गये।

जड़ें गहरी कीं और 2014 में अन्ना हजारे के सत्ता विरोधी आंदोलन के काँधे पर सवार होकर केंद्रीय सत्ता पर पहुँचने तक का सफर तय किया वह भी पूरा विश्व देख रहा है। दुनिया अब यह भी देख रही है कि सत्ता पाने के बाद इसी सत्ता पर काबिज रहने के लिये इन्हीं शक्तियों द्वारा हिन्दुत्ववाद के नाम पर भारतीय समाज को धर्म के नाम पर निरंतर विभाजित करने के लिये कितना घिनौना व खतरनाक खेल खेला जा रहा है। किसान आंदोलन में शामिल लोगों को खालिस्तानी तथा मुसलमानों को पाकिस्तान समर्थक बताया जा रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय के विरुद्ध लगातार बेरोक टोक भाषण बाजियां की जा रही हैं। हद तो यह कि इसी कट्टरपंथी विचारधारा द्वारा अब देश के उदारवादी हिन्दू समाज को शस्त्र धारण करने और मुसलमानों का नरसंहार करने जैसा उकसावे भरा आह्वान किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के विरुद्ध इतनी अपमानजनक टिप्पणी की गयी जिसे लिखने भी मुनासिब नहीं । देश के हिन्दुओं को बर्मा की तर्ज पर रोहांगिया नरसंहार का अनुसरण करने का आह्वान किया जा रहा है। परन्तु वास्तव में यह देश के समग्र हिन्दू समाज की आवाज नहीं बल्कि उन निठल्ले,कट्टरपंथी अवसरवादियों व सत्ता भोगियों की आवाज है जो इसी धर्म आधारित ध्रुवीकरण का लाभ उठा कर सत्ता से चिपके रहना चाहते हैं।

यह गाँधी नहीं बल्कि गोडसे की विचारधारा है। आज इसी विचारधारा के लोग गोडसे का महिमामंडन करते व उसकी मूर्ति स्थापित करते दिखाई दे रहे हैं। तो दूसरी तरफ पूर्व नेवी प्रमुख अरुण प्रकाश तथा पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीपी मलिक जैसे अनेक प्रमुख लोगों ने देश में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के ऐसे प्रयासों की निंदा की है और ऐसे तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। देश का एक बड़ा वर्ग इन सांप्रदायिक शक्तियों के विरुद्ध खड़ा हो गया है। यहां तक कि इन तत्वों के विरुद्ध प्राथमिकी भी दर्ज की जा चुकी है। इन परिस्थितियों में देश के अल्पसंख्यक समाज के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे न तो इन अल्पसंख्यक विरोधी,गाँधी विरोधी व गोडसे समर्थकों के उकसावे में आयें न ही असदुद्दीन ओवैसी जैसे उन नेताओं के बहकावे में आयें जो इन परिस्थितियों का लाभ उठाकर धर्म विशेष में अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। देश के अल्पसंख्यकों को किसी भी विभाजनकारी प्रयासों का विरोध करना चाहिये तथा देश के उन उदारवादी व धर्मनिरपेक्ष हिन्दुओं पर पूरा भरोसा करना चाहिये जिन्होंने सत्तर वर्षों तक इन्हीं सांप्रदायिक ताकतों को सत्ता के करीब आने का अवसर नहीं दिया। भारतीय मुसलमानों को किसी मुस्लिम नेता की नहीं बल्कि गांधीवादी सोच रखने वाले किसी ऐसे दल,नेता व नेतृत्व की जरुरत है जो इन साम्प्रदायिक शक्तियों का डट कर मुकाबला कर सके। यदि यह शक्तियां समाज को धर्म-जाति के नाम पर विभाजित कर देश को तोड़ना चाह रही हैं तो यह देश के अल्पसंख्यकों का कर्तव्य है कि वे राष्ट्रहित में परीक्षा की इस घड़ी में सांप्रदायिक सद्भाव व भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए किसी भी उकसावे व बहकावे से बचने की पूरी कोशिश करें। भारतीय मुसलमानों के समक्ष वर्तमान समय की यही सबसे बड़ी चुनौती है।

गाय: सांस्कृतिक व्यवस्था का श्रद्धा केंद्र और भारतीय अर्थव्यवस्था की मां

हृदयनारायण दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाय को आदरणीय बताया है। उनका यह वक्तव्य स्वागतयोग्य है। भारतीय संस्कृति में गाय पूज्य है। लेकिन स्वयंभू प्रगतिशील समूह पूर्वजों को गोमांस भक्षी बताते रहे हैं। वे पूरे भारतीय समाज का अपमान करते रहे हैं। लेकिन भारतीय संविधान निर्माता सजग थे। संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में गोवंश संवर्धन/रक्षण का संकल्प है। वैदिक श्रुति/अनुश्रुति और लोक स्मृति में गाय माता है पर कथित प्रगतिशील इतिहासविद् गाय को खाद्य पदार्थ बताने/बनाने पर आमादा रहे हैं।

वे वैदिक पूर्वजों को गोमांस भक्षी बताते रहे हैं। लोक आस्था का ऐसा अपमान दुस्साहसिक है। इस इतिहास दृष्टि में आर्य बर्बर और असभ्य विदेशी आक्रांता। गोमांस भक्षण की बात भारतवंशी इतिहास और संस्कृति का अपमान है। बच्चे पूर्वजों को गोमांस भक्षी जानकर क्या पाएंगे? आर्यों को विदेशी, आक्रमणकारी व गोमांस भक्षी सिद्ध करना राष्ट्र का अपमान है। भारतीय इतिहास के वैदिककाल से ही गाय आदरणीय है। प्रो. राधाकृष्ण चौधरी ने बताया है कि ष्वैदिक साहित्य, महाकाव्य, पुराण, विदेशी यात्रियों के वर्णन और पुरातत्व में भारतीय इतिहास के आधारभूत सिद्धांतों के अध्ययन की पर्याप्त सामग्री है।ष् (प्राचीन भारत का इतिहास, पृ. 8-9) हिन्दुओं का प्राचीन इतिहास समझने के लिए ऋग्वेद सहित 4 वेद, उपनिषद, पुराण और हड़प्पा सभ्यता के तथ्य साक्ष्य हैं। प्राचीन भारत का वास्तविक इतिहास समझने के लिए वेद ही तथ्य है। समूचे वैदिक व उत्तर वैदिक कालीन इतिहास में गाय की महत्ता है। वैदिक समाज गाय को अघन्या/अबध्य मानता था। ऋग्वेद (1.164.27) में वह अघन्या है (वध न किए जाने योग्य), सौभाग्यदायिनी है। गाय संपूर्ण वैदिक साहित्य की श्रद्धा केन्द्र है।

अथर्ववेद में वह विराट ब्रह्म है। वह एक सूक्त (9.12) की देवता भी हैं- ष्गाय का ऊपरी जबड़ा द्युलोक है, निचला पृथ्वी, जीभ विद्युत है, दाँत मरुद्गण हैं, उदर भाग अंतरिक्ष है, दोनों कंधे मित्र और वरुण हैं आदि।ष् इसके पहले ऋग्वेद (8.101.215) में कहते हैं- ष्यह रूद्रों की माता, वसुओं की दुहिता, आदित्यों की बहन तथा अमृत की नाभि है। यह अवध्य है।ष् थोड़े शब्द बदलकर यही मंत्र अथर्ववेद में भी दुहराया गया है। यजुर्वेद भी गाय की महिमा से भरा-पूरा है। अथर्ववेद (12.4) में गाय को कष्ट पहुँचाने वालों का दण्ड वर्णित है- ष्जो गाय के कान को पीड़ा देते हैं वे मानो देवताओं पर प्रहार करते हैं। जो गौ पर परिचय चिन्ह बनाते हैं, उनका धन नष्ट होता है। जो साज-सज्जा के लिए गौ बाल काटते हैं इस अपराध कर्म से उनकी संतानें मृत्यु को प्राप्त होती हैं। जिस गोपति के

सामने कौआ गाय के बाल नोचता है, उसकी संतानें मर जाती हैं आदि।ष् फिर गोहत्या के बारे में (अथर्व 12.9) कहा- ष्गौघाती लोग इस लोक और परलोक दोनों में दण्डनीय है।ष भारतीय समाज में देवोपासना रही है। अधिकांश देवता प्रकृति की शक्तियाँ हैं। वे दिव्य हैं। देवता मनुष्य की श्रद्धा है। मनुष्य अपना प्रिय खाद्य ही देवताओं को अर्पित करता है। गोदुग्ध वैदिक समाज का प्रिय पेय है। एक मंत्र में ऋषि अग्नि देव को दूध देना चाहते हैं लेकिन उनके पास 'अघन्या गाय' है नहीं। (ऋ 8.102.19) ऋषि इन्द्र से कहते है- ष्अघन्या अपना दूध तुम्हें देती है। (9.1.9) इन्द्र 'अघन्या रक्षक' (8.69.2) है। तब वह और उनके अनुयायी आर्य अघन्या भक्षक कैसे होंगे? अघन्या अश्विनी देवों को भी दूध देती है। (1.164.27) गाएँ ऋग्वैदिक समाज में ही ऋषित्व की श्रेणी में पहुँच गई थी। वे सोम की स्तुति करती हैं। अथर्ववेद में तो खैर वे देवता हैं ही। अथर्ववेद में सुंदर घर की प्रशंसा में कहा गया है कि हमारे घर में सब तरफगाएँ घूमें।ष् वेदों में घी, अग्नि का अन्न है। घी अग्निदेव का प्रिय है खाद्य है। वैदिक समाज जौ खाता था। अग्नि को भी जौ खिलाता था। वे इन्द्र को धाना खिलाते थे। धाना अन्न से बना खाद्य था। (ऋ 4.24.7) ऋषि इन्द्र से कहते हैं- ष्प्रतिदिन पधारो, धाना खाओ।ष् (ऋ3.53.7) खेती के देवता पूषन थे। वे 'करम्भ' प्रेमी है। मार्क्सवादी विचारण डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया, करम्भ भुना हुआ अनाज था। करम्भ इन्द्र पूषत सबका प्रिय है। एक प्रिय खाद्य अपूप था। समवता पुआ था। घी के साथ मिलाकर तैयार 'अपूप' अन्य देवों के साथ मरुतगण भी खाते हैं।

(ऋ3.52.7) मैक्डनल और कीथ ने एक और वैदिक व्यंजन 'पुरोडास' को 'यज्ञ की रोटी' बताया है। ऋषि इन्द्र से कहते हैं- ष्प्रार्थना सुनो, पुरोडास खाओ।ष् (ऋ 4.32.16) जो इन्द्र को पुरोडास खिलाता है, उसे इन्द्र पापों से बचाते हैं (ऋ 8.31.2) वैदिक समाज का जौ, धाना, करम्भ, अपूप, पुराडास, दूध और घी प्रेम चारों वेदों में व्याप्त है। गोमांस का कहीं जिक्र ही नहीं। गाएँ श्रद्धा हैं। अन्न खाद्य है। एक देवता बृहस्पति हैं। उन्होंने गायों को आकाश तक चरने भेजा (ऋ 2.24.14) मैक्डनल ने लिखा, ष्वह बादलों में जाकर गायों को पुकारते हैं।ष् (ऋ10.68.12) गायों को आकाश में चरते देखना भारत के मन की दिव्य उड़ान है। यह बात सही हे कि गाएँ आकाश में विचरण नहीं करती। लेकिन ऋषि की भाव विह्लता उन्हें आकाश तक ले जाती है। गंगा भी पृथ्वी के निवासियों को आशीष देती है। श्रद्धालुओं ने आकाश गंगा को नमन किया। ऋग्वेद से लेकर महाभारत और वर्तमानकाल तक गाय भारतीय संस्कृति और परम्परा में पूज्य है।

तुलसीदास ने श्रीराम जन्म के कारणों में से एक कारण गोसंवर्द्धन बताया- ष्विप्र धेनु सुर संतहित लीन्ह मनुज अवतार।ष् गीता में कृष्ण ने अर्जुन को अपने तमाम रूपों में से एक गाय रूप भी बताया। कृष्ण गोपाल थे। कौटिल्य ने भी 'गोसंरक्षण' को जरूरी बताया। प्राचीन भारत गोपूजक था। गाय प्रतिष्ठा थी, गाय समृद्धि थी, गाय ऐश्वर्य थी। चौथी सदी के चीनी यात्री फाहियान व 7वीं सदी ह्वेनसांग के निष्कर्ष हैं कि भारत में मांसाहारी नहीं हैं। गोहत्या के विरुद्ध भारत में अनेक आंदोलन हुए। गांधीजी ने गोहत्या बंदी को स्वराज का एक अंग बताया। गाय भारतीय अर्थव्यवस्था की माँ है, समाज व्यवस्था और सांस्कृतिक व्यवस्था का श्रद्धा केन्द्र। प्रधानमंत्री ने उचित ही गाय को सम्मानीय बताया है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं।)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

लुधियाना ब्लास्ट मामले पर बोले डीजीपी, बर्खास्त पुलिसकर्मी के पास कहां से आया विस्फोटक, मालखानों का आडिट होगा

डीजीपी ने इस बात पर भी गहरी चिंता व्यक्त की कि पंजाब में ड्रग माफिया, आर्गेनाइज्ड क्राइम और आतंकवाद का खतरनाक गठजोड़ बन गया है और लुधियाना बम विस्फोट उसी की एक उदाहरण है।

चट्टोपाध्याय ने कहा कि नारकोटिक्स पर नकेल कसने के लिए जब से स्पेशल टास्क फोर्स ने ड्रग्स माफिया पर नकेल कसी है तभी से वे लुधियाना बम विस्फोट जैसी घटनाएं करवाकर माहौल को खराब करने पर लगे हुए हैं।

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पंजाब के डीजीपी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय ने लुधियाना बम विस्फोट में पंजाब पुलिस के बर्खास्त पुलिस कर्मी का हाथ होने के साथ-साथ उसका लिंक पाकिस्तानी एजेंसी, ड्रग माफिया और खालिस्तानियों के साथ होने का दावा किया है। यह भी दावा किया कि पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों और अपनी इंटेलिजेंस एजेंसियों के साथ मिलकर 24 घंटे के अंदर-अंदर यह मामला सुलझा लिया है। बर्खास्त पुलिस कर्मी गगनदीप सिंह के पास यह विस्फोटक सामग्री कहां से आई, इस पर उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है फिर भी हम अपने सभी मालखानों का आडिट करवा रहे हैं, ताकि पता चल सके कि कहीं उसने पुलिस के मालखानों में पड़े विस्फोटक पदार्थों को चुराकर इस्तेमाल तो नहीं किया है।

डीजीपी ने इस बात पर भी गहरी चिंता व्यक्त की कि पंजाब में ड्रग माफिया, आर्गेनाइज्ड क्राइम और आतंकवाद का खतरनाक गठजोड़ बन गया है और लुधियाना बम विस्फोट उसी की एक उदाहरण है। चट्टोपाध्याय ने कहा कि नारकोटिक्स पर नकेल कसने के लिए जब से स्पेशल टास्क फोर्स ने ड्रग्स माफिया पर नकेल कसी है तभी से वे लुधियाना बम विस्फोट जैसी घटनाएं

करवाकर माहौल को खराब करने पर लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि 40 हजार करोड़ रुपये के नशीले पदार्थों के कारोबार पर अगर पुलिस शिकंजा कसेगी तो निश्चित तौर पर इससे जुड़े लोग हमें डराने की कोशिश करेंगे, लेकिन आज पूरी पंजाब पुलिस ही एसटीएफ बन गई है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। डीजीपी ने कहा कि लुधियाना ब्लास्ट बहुत शक्तिशाली था। मौके से हमें काफी लीड मिले। मृतक के हाथ पर हमें टैटू मिला। इस टैटू से ही उसकी पहचान हुई है। उन्होंने कहा कि गगनदीप कंप्यूटर तकनीक का माहिर था और वह विस्फोटक लगाने के लिए तारों को लगा रहा था, इसी दौरान ब्लास्ट हो गया। जांच में पुलिस को पुख्ता सबूत मिले हैं। एक सवाल के जवाब में डीजीपी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय ने कहा कि उसके साथ और कौन-कौन शामिल हैं, इसकी भी लीड हमें मिली है, लेकिन जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती उसके बारे में बताना सही नहीं है।

वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि एक महिला पुलिसकर्मी भी उसके साथ थी। डीजीपी ने माना कि जब 2019 में उसे गिरफ्तार किया गया था तब उसका संबंध केवल ड्रग्स बेचने से था, लेकिन जेल में दो साल रहने के बाद वह कुछ रेडिकल तत्वों से मिला। ये लोग कौन हैं हम इसकी जांच कर रहे हैं। इसके पास विस्फोटक कहां से आया। बम विस्फोट के पीछे इसका मकसद क्या था। इन सभी पहलुओं पर जांच चल रही है और हमें काफी कुछ मिल गया है। डीजीपी चट्टोपाध्याय ने माना कि जिला अदालत की सुरक्षा को लेकर चूक हुई है। उन्होंने कहा कि वहां एक दर्जन से ज्यादा अंदर आने और बाहर निकलने के रास्ते हैं। सभी पर सुरक्षा मुहैया करवाना संभव नहीं है। हमने जज साहिबान और बार एसोसिएशन वालों से बात की है। अगले हफ्ते तक सभी खामियों को दूर कर दिया जाएगा। ऐसा केवल लुधियाना में ही नहीं, हम दूसरे 67 शहरों की कचहरियों में भी करेंगे। बिक्रम मजीठिया के मामले में दर्ज केस को राजनीतिक बदलाखोरी के आरोपों का जवाब देते हुए डीजीपी ने कहा कि जब उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी या ड्रग्स के खिलाफ रिपोर्ट दी थी तब भी क्या राजनीतिक बदलाखोरी थी। अगर तब नहीं था तो अब कैसे हो गया। उन्होंने कहा कि केस दर्ज करने के बाद गिरफ्तार न करने का मतलब यह नहीं है कि जांच नहीं चल रही है।

एक नज़र

सिरसा के चौटाला में मधुमक्खी पालक से लूटे दो लाख रुपये व सोने की चेन

सिरसा (एजेंसी) डबवाली सदर थाना क्षेत्र के गांव चौटाला में फायरिंग कर दो लाख रुपये की नकदी व सोने की चेन छीन ली। इस मामले में पीड़ित चौटाला निवासी राकेश कुमार ने डबवाली पुलिस थाने में शिकायत दी है। राकेश ने बताया कि वह छह सालों से मधुमक्खी पालन व शहर बेचने का काम करता हूं। बीती 22 दिसंबर को अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी पर मधुमक्खियों के डिब्बों के मालिक हरप्रीत सिंह पीलीबंगा को रुपये देने के लिए संगरिया गया था। हरप्रीत संगरिया में नहीं मिला, जिस कारण दोपहर एक बजे वह वापस चौटाला लौट रहा था।

चौटाला संगरिया रोड पर हनुमान मंदिर के नजदीक एक सफेद रंग की कार आई और उसे जबरन रूकवा दिया। कार में पांच युवक उतरे, जिनमें सन्नी निवासी चौटाला, सुखविंद्र उर्फ मिंडा, कर्ण सिंह व कल्लू निवासी चौटाला व एक अन्य शामिल था। राकेश ने आरोप लगाया कि सन्नी व मिंडा के पास पिस्तौल थे। दोनों ने फायर किया। कर्ण, कल्लू व एक अन्य ने उस पर राड व डंडों से हमला कर पिटाई की। बाद में वहां मोटरसाइकिल पर चौटाला निवासी राजबीर भी आ गया। राकेश ने आरोप लगाया कि आरोपितों ने उसकी जेब में से दो लाख रुपये व सोने की चेन निकाल ली।

आरोपितों ने उसे गाड़ी में डालने की कोशिश की जब उसने शोर मचाया तो हमलावर भाग गए। जिसके बाद राकेश को सीएचसी चौटाला में भर्ती करवाया गया, जहां से सिरसा रेफर कर दिया गया। इएएसआइ मदन लाल मामले की जांच कर रहे हैं। चार दिन पहले गांव फग्गू में नरमा व्यापारी से लूटे गए दो लाख रुपये मामले में अभी तक पुलिस के हाथ खाली है। बड़ागुढ़ा पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वर्णनीय है कि 22 दिसंबर को कर्मगढ़ निवासी रमेश मेहता फग्गू गांव में नरमे का सौदा करवा रहा था। इस दौरान गाड़ी में तीन व्यक्ति आए, जिनके पास तलवारें थी, उन्होंने मजदूरों को कमरे में बंद करके रमेश मेहता से दो लाख रुपये लूटे थे और फरार हो गए थे।

लुधियाना में मास्क फैक्ट्री में पार्टनरशिप के नाम पर 32.30 लाख की ठगी

लुधियाना (एजेंसी) मास्क फैक्ट्री में पार्टनरशिप के नाम पर जालंधर निवासी दो लोगों ने एक व्यक्ति के 32.30 लाख रुपये ठग लिए। दोनों आरोपित सगे भाई हैं। अब थाना दुगरी पुलिस ने उनके खिलाफ केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है। एएसआई जसविंदर सिंह ने बताया कि उनकी पहचान जालंधर के गुरु नानक पुरा निवासी आशुतोष मेहता तथा ललित मेहता के रूप में हुई। पुलिस ने पखोवाल रोड के एसबीएस नगर निवासी निर्दोष सचदेवा की शिकायत पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया।

पुलिस कमिश्नर को दी शिकायत में उसने बताया कि 6 मार्च 2020 में आरोपितों ने मास्क फैक्ट्री में पार्टनर बनाने के लिए उससे 32.30 लाख रुपये ले लिए। मगर काम बंद होने पर जब उसने आरोपितों से अपने पैसे वापस मांगे तो दोनों ने टालमटोल करना शुरू कर दिया। मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने आरोप सही पाए जाने पर उनके खिलाफ केस दर्ज करने की सिफारिश कर दी। डीए लीगल की राय लेने के बाद पुलिस ने केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है।

लुधियाना ब्लास्ट की खुलने लगी परतें, मास्टरमाइंड गगनदीप ने धमाके से पहले कांस्टेबल महिला मित्र संग बिताए थे 5-6 घंटे

लुधियाना (एजेंसी) कोर्ट कांप्लेक्स में बम ब्लास्ट में आरोपित मृतक गगनदीप को लेकर लगातार नई बातें जांच एजेंसियों के सामने आ रही है। बताते हैं कि मंगलवार को भी गगनदीप और महिला कांस्टेबल आपस में मिले थे और 5-6 घंटे साथ ही रहे थे। उधर, गगनदीप की महिला मित्र कांस्टेबल कमलदीप कौर से पूछताछ अभी भी जारी है।

उसकी गिरफ्तारी नहीं की गई है। सूत्र बताते हैं कि कांस्टेबल ने गगनदीप से संबंधों को तो स्वीकार किया है लेकिन वह वारदात को लेकर किसी जानकारी से लगातार इंकार कर रही है। ब्लास्ट को लेकर लगातार एनआइए परतें उधेड़ने में लगी है। सूत्रों के अनुसार करीब ढाई महीने पहले जमानत पर छूटने के बाद भी गगनदीप लगातार सदर थाना खन्ना के चक्कर लगाता था। इसी थाने में गगनदीप हेड मुंशी था जब वह नशा तस्करी के आरोप में पकड़ा गया था। जानकारी के अनुसार एनआइए की टीम सदर थाना और उसके आसपास के इलाके में सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी है।

इसके साथ ही गगनदीप के संपर्क में रहने वाले कुछ और पुलिस कर्मियों से भी जांच एजेंसियां पूछताछ कर सकती हैं। इसे लेकर खन्ना पुलिस में भी हड़कंप की स्थिति है। इस बारे में कोई भी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। उधर, गगनदीप सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर अब भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

गगनदीप की पत्नी अमनदीप कौर को शनिवार की सुबह पुलिस दिल्ली ले गई थी। उसे शनिवार रात को वापस घर पहुंचाया गया। इसके बाद रविवार सुबह ही पुलिस एक बार फिर अमनदीप कौर को लुधियाना लेकर गई है।

अंबाला में चर्च के परिसर में लगी ईसा मसीह की मूर्ति तोड़ी, एक्टिवा पर सवार होकर आए थे दो लोग

अंबाला (एजेंसी) अंबाला कैंट की होली रिडीमर चर्च परिसर में लगी ईसा मसीह की मूर्ति को शरारती तत्वों ने तोड़ दिया। वारदात के बाद समुदाय विशेष में रोष है, जबकि मौके पर एएसपी पूजा डाबला सहित डीएसपी अंबाला कैंट रामकुमार भी पहुंचे। यहां पर उन्होंने वारदात की जानकारी ली और जांच के आदेश दिए। वारदात 25-26 दिसंबर रात एक बजकर चालीस मिनट के करीब हुई है। चर्च के फादर एंथनी ने इस बारे में पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी। अंबाला कैंट थाना पुलिस सहित सीआइए

टू पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार 25 दिसंबर की रात तक चर्च में कार्यक्रम था। इस दौरान चर्च में काफी भीड़ थी, जबकि आसपास स्टाल पर लोग खरीददारी कर रहे थे। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद चर्च को बंद कर दिया गया। इसके बाद सभी लोग अपने घरों को चले गए, जबकि चर्च के फादर भी अपने आवास पर चले गए। सुबह जब उठे तो देखा कि किसी ने चर्च परिसर में लगी ईसा मसीह की मूर्ति को तोड़ दिया है।

यह मूर्ति चर्च परिसर के बाउंड्री वाल के साथ ही लगी है। यहां पर लोग कैंडल जलाकर प्रभु ईसा मसीह का आशीर्वाद लेते हैं। यह मूर्ति शीशे के केबिन में लगी है।

जब सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की, तो पाया कि इस में एक्टिवा पर दो युवक दिखाई दिए। एक युवक चर्च के भीतर आया, जबकि दूसरे ने मूर्ति को तोड़ दिया। इसके बाद दोनों एक्टिवा पर सवार होकर चले गए। यह फुटेज रात करीब एक बजकर चालीस मिनट के आसपास की है। इसके बाद चर्च के फादर ने पुलिस को सूचना दी।

मामला गंभीर था, जिस पर एएसपी पूजा डाबला, कैंट डीएसपी रामकुमार, कैंट थाना एसएचओ नरेश कुमार, सीआइए टू उपनिरीक्षक वीरेंद्र वालिया मौके पर पहुंच गए। यहां पर अधिकारियों ने घटना के बारे में जानकारी ली। फादर एंथनी का कहना है कि शरारती तत्वों ने चर्च परिसर में ईसा मसीह की मूर्ति के तोड़ा है। इससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। सीसीटीवी कैमरे में कुछ युवक दिखाई दिए हैं, जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया है। एएसपी पूजा डाबला ने कहा कि घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। आरोपितों को जल्द ही काबू कर लिया जाएगा।

किसान संगठनों की बड़ी घोषणा, पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर लड़ेंगे चुनाव, राजेवाल सीएम फेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)
किसान संगठनों की चुनाव लड़ने की मंशा आखिरकार सामने आ ही गई। शनिवार को पंजाब के 32 में से 22 किसान संगठनों ने संयुक्त समाज मोर्चा बनाकर चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है। किसान संगठन सभी 117 सीटों पर लड़ेंगे।

किसान संगठनों के मोर्चे का चेहरा बलबीर सिंह राजेवाल होंगे। वहीं, इस मोर्चे से बाहर रहने वाले संगठनों के नेता डा. दर्शनपाल ने कहा है कि चुनाव लड़ने वाले किसान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा के नाम का इस्तेमाल न करें। आज यहां पीपल्स कन्वेंशन हाल में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान 22 किसान संगठन इकट्ठा हुए और लंबी चर्चा के बाद संयुक्त समाज मोर्चा बनाने पर सहमति बनी।

किसान नेता हरमीत सिंह कादियां ने बताया कि तीन किसान संगठन भाकियू डकौंदा, भाकियू लखोवाल आदि भी उनके साथ हैं, लेकिन चूंकि अभी उनके संविधान में चुनाव लड़ने संबंधी बात नहीं है, इसलिए उन्होंने हमसे कुछ समय मांगा है। इस मौके पर संयुक्त समाज

मोर्चा के सीएम पद के फेस और वरिष्ठ किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि तीन कृषि कानूनों को रद करवाने की लड़ाई के बाद हम पर भारी दबाव था। समाज के विभिन्न वर्ग हमसे आस रखे हुए हैं कि खराब हो चुके सिस्टम को बदलने के लिए किसान आगे आएं। उन्होंने कहा कि सिस्टम गंदा हो गया है। उसे बदलने की जरूरत है। बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि हमें धनाढ्य लोगों की जरूरत नहीं है। केवल उस तरह के जुझारू कार्यकर्ता चाहिए जिस तरह के कार्यकर्ताओं ने किसान आंदोलन में काम किया था। मोर्चे को हर गांव में लोग खुद संभालें। धनाढ्य लोगों की जरूरत नहीं है।

काम करने वाले कार्यकर्ताओं की जरूरत है। एक सवाल के जवाब में बलबीर सिंह राजेवाल ने चुनाव लड़ने संबंधी फैसले पर कहा कि पहला फैसला अपनी जगह ठीक था और अब जरूरत पड़ने पर जो फैसला बदला है वह अपनी जगह ठीक है। गुरनाम सिंह चढूनी को साथ लेने संबंधी उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को साथ लिया जाएगा। एक सवाल के जवाब में हरमीत सिंह कादियां ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा पूरे देश की किसान यूनियनों का है। हम उनका नाम इस्तेमाल नहीं करेंगे, लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा कायम रहेगा।

उन्होंने साफ किया कल 32 किसाान संगठनों की बैठक लुधियाना के मुल्लांपुर में हुई थी, जिसमें फैसला हुआ था कि जिन यूनियनों ने राजनीतिक मैदान में उतरना है वे उतरें जो नहीं उतरना चाहते वे न उतरें। किसान नेता बलदेव सिंह ने कहा कि लोगों को अब हमसे बहुत आशा है।

नशे का मसला हो या अन्य, पंजाब इससे जूझ रहा है। जिस तरह लोगों ने तीन कृषि कानूनों के आंदोलन में हमारा साथ दिया है, अब इन समस्याओं को सुलझाने में भी लो हमारा साथ देंगे।

हरियाणा के आठ लाख युवा सरकारी नौकरी की कतार में, कामन एंट्रेंस टेस्ट में रजिस्ट्रेशन का एक और मौका

चंडीगढ़ (एजेंसी)
हरियाणा सरकार की नौकरियां हासिल करने के लिए करीब आठ लाख युवक-युवतियां कतार में हैं। इन युवाओं ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा लिए जाने वाले कामन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) में रजिस्ट्रेशन कराया है। आयोग ने रजिस्ट्रेशन करने की समय सीमा भी बढ़ा दी है।

आयोग के चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी के अनुसार जब तक रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बंद करने के आदेश नहीं दिए जाते, तब तक युवक-युवतियां सीईटी में रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। सरकारी नौकरी के लिए किसी भी आवेदक को अपना एप्लीकेशन फार्म बार-बार न भरना पड़े, इसके लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन पोर्टल शुरू किया गया है। इसके साथ ही गलती में सुधार किए जाने की भी व्यवस्था दी गई है। परीक्षा के लिए शेड्यूल जारी होने तक यह सुविधा और व्यवस्था जारी रहेगी। आयोग के चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी के अनुसार यह रजिस्ट्रेशन आवेदक द्वारा परिवार पहचान पत्र की फैमिली आइडी के आधार पर किया जा रहा है। फैमिली आइडी का नंबर डालने से प्रार्थी की सारी डिटेल वन टाइम रजिस्ट्रेशन द्वारा स्वयं उठा ली जाएगी। फार्म पूरी तरह से भरने के बाद प्रार्थी के लिए एक यूनिक आइडी नंबर जेनरेट होगा। भविष्य में आयोग में किसी भी पद के लिए आवेदन करने के लिए हमेशा उसी नंबर का प्रयोग किया जाएगा। इससे समय और फीस दोनों बचेंगे।चेयरमैन के अनुसार ग्रुप सी व डी की भर्तियों के लिए सीईटी मान्य होगा। सभी भर्तियों के लिए सिर्फ एक बार ही रजिस्ट्रेशन करने की व्यवस्था पहले शुरू हो चुकी है, जिसका लगातार विस्तार किया जा रहा है। योग्यता में बढ़ोतरी आदि को कोई भी आवेदक अपडेट कर सकता है।

जालंधर के स्टेट इलेक्शन आफिस से विधानसभा चुनाव की निगरानी करेगी भाजपा

जालंधर (एजेंसी)
पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का प्रदेश चुनाव कार्यालय रविवार को जालंधर में शुरू हो गया। पार्टी यहीं से पूरे चुनाव के दौरान पार्टी की गतिविधियां संचालित करेगी।

लाजपत नगर में रेड क्रास भवन के साथ कोठी नंबर 165 में योजना है। जिला भाजपा अध्यक्ष सुशील शर्मा ने बताया कि चुनाव कार्यालय में कार्यकर्ता बैठक, प्रेस कांफ्रेंस, चुनाव अधिकारियों का बैठक कक्ष, मीडिया सेंटर और काल सेंटर बनाया गया है। काल सेंटर से हर बूथ की टीम की वर्किंग पर नजर रखी जानी है। सभी बड़े केंद्रीय नेता चुनाव की रणनीति यहीं बैठकर बनाएंगे। कार्यकर्ता की मीटिंग के

लिए वाटर प्रूफ टेंट की व्यवस्था की गई है ताकि मौसम में गड़बड़ी के बावजूद भी चुनाव कार्य बिना विघ्न चलता रहे।

इस मौके पर पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया, पूर्व विधायक केडी भंडारी, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व मेयर राकेश राठौर, सनी शर्मा समेत पंजाब की पूरी टीम मौजूद रही। भाजपा के पंजाब चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पंजाब भाजपा अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने टीम के साथ हवन करके चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया। इस चुनाव कार्यालय से पंजाब की सभी सीटों पर चुनाव मुहिम की मानिटरिंग की जाएगी।

स्टेट चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के बाद प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की दो स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की भी भाजपा स्टेट आफिस के काल सेंटर में 24 घंटे स्वयंसेवक तैनात रहेंगे। यहां हर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के कामकाज की निगरानी की जाएगी। हर बूथ पर काम करने वाली टीम भाजपा की मानिटरिंग करेंगे। हर कार्यकर्ता की कनेक्टिविटी काल सेंटर से होगी। किसी भी समय किसी भी कार्यकर्ता से बूथ स्तर की रिपोर्ट ली जा सकती है।

ई-गवर्नेंस से गुड गवर्नेंस की ओर बढ़ रहा हरियाणा, सुशासन दिवस पर बोले सीएम मनोहर लाल

पंचकूला (एजेंसी)
हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने घोषणा की कि वर्ष-2022 को सुशासन अंत्योदय उत्थान वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपयी के नाम पर गुरुग्राम में अटल पार्क एवं स्मृति केंद्र बनाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह पंचकूला में प्रशासनिक सुधार विभाग और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपयी व महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती पर आयोजित सुशासन दिवस की बधाई देते हुए कहा कि इन महान विभूतियों ने जनहित के जो सपने देखे थे, प्रदेश सरकार इसी के अनुरूप कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सुशासन के उद्देश्य से प्रदेश में ऐसी व्यवस्था तैयार की है, जिससे अब प्रदेश के लोगों को अपने कार्यों के लिए चंडीगढ़ या जिलों में जाने की आवश्यकता नहीं है। वे अपने गांव में सीएससी पर या घर पर कंप्यूटर के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। भविष्य में इस व्यवस्था को और सरल बनाया जा रहा है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता,

मुख्य सचिव संजीव कौशल, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी, एसीएस पीके दास, प्रशासनिक सुधार विभाग के आयुक्त पंकज अग्रवाल, एपीएस डा. अमित अग्रवाल, पंचकूला के उपायुक्त महावीर कौशिक, पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह, पुलिस उपायुक्त मोहित हांडा, नगर निगम के आयुक्त धर्मवीर सिंह, एसडीएम डा. ऋचा राठी व नगराधीश सिमरनजीत कौर भी उपस्थित थे।

परिवार पहचान पत्र एक मजबूत दस्तावेज मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सुशासन की दिशा में आगे बढ़ने में परिवार पहचान पत्र एक मजबूत दस्तावेज होगा, जिससे अनेक सेवाओं का लाभ लोगों को स्वतः मिलना संभव होगा। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर कहीं आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी और बुजुर्ग सम्मान भत्ता योजना के तहत लाभपात्र की पेंशन स्वत : शुरू हो जाएगी। गांवों में लाल डोरा की पुरानी व्यवस्था को खत्म कर स्वामित्व योजना के तहत प्रापर्टी के कार्ड बनाने का कार्य शुरू किया गया है। योजना के तहत अब तक13 लाख 47 हजार 609 लोगों के स्वामित्व कार्ड बनाए जा चुके हैं। डायल-112 से मिल रही 15 मिनट में पुलिस मदद मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने डायल-112 योजना शुरू की है, जिससे लोगों को केवल 15 मिनट में पुलिस मदद मिल रही है। अब सुनने व बोलने में दिव्यांग लोगों की सुविधा के लिए डायल-112 में विडियो काल के द्वारा साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट बैठेंगे और उनकी समस्या सुन पुलिस मदद पहुंचाएंगे।

रोहतक व पंचकूला में आर्म्स लाइसेंस की प्रक्रिया आनलाइन मुख्यमंत्री ने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत रोहतक व पंचकूला दो जिलों में आर्म्स लाइसेंस की प्रक्रिया को आनलाइन किया जा रहा है। जनवरी-2022 से पीडीएस योजना के तहत परिवार पहचान पत्र से ही राशन मिलना शुरू हो जाएगा और जन्म या मृत्यु होने पर लाभपात्र का नाम स्वत : जुड़ भी जाएगा और हट भी जाएगा। इसी प्रकार प्रदेश में सीएलयू को आनलाइन किया गया है।

ई-भूमि व वेब हैलरिस पोर्टल का काम जारी है। ई-रजिस्ट्रेशन व्यवस्था पहले ही बनाई जा चुकी है। शहरी स्थानीय निकाय की शक्तियों का विस्तार कर उसे और सशक्त बनाया गया है।

किसान संगठनों की बड़ी घोषणा, पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर लड़ेंगे चुनाव, राजेवाल सीएम फेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)
किसान संगठनों की चुनाव लड़ने की मंशा आखिरकार सामने आ ही गई। शनिवार को पंजाब के 32 में से 22 किसान संगठनों ने संयुक्त समाज मोर्चा बनाकर चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है। किसान संगठन सभी 117 सीटों पर लड़ेंगे।

किसान संगठनों के मोर्चे का चेहरा बलबीर सिंह राजेवाल होंगे। वहीं, इस मोर्चे से बाहर रहने वाले संगठनों के नेता डा. दर्शनपाल ने कहा है कि चुनाव लड़ने वाले किसान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा के नाम का इस्तेमाल न करें। आज यहां पीपल्स कन्वेंशन हाल में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान 22 किसान संगठन इकट्ठा हुए और लंबी चर्चा के बाद संयुक्त समाज मोर्चा बनाने पर सहमति बनी। किसान नेता हरमीत सिंह

कादियां ने बताया कि तीन किसान संगठन भाकियू डकौंदा, भाकियू लखोवाल आदि भी उनके साथ हैं, लेकिन चूंकि अभी उनके संविधान में चुनाव लड़ने संबंधी बात नहीं है, इसलिए उन्होंने हमसे कुछ समय मांगा है। इस मौके पर संयुक्त समाज मोर्चा के सीएम पद के फेस और वरिष्ठ किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि तीन कृषि कानूनों को रद करवाने की लड़ाई के बाद हम पर भारी दबाव था। समाज के विभिन्न वर्ग हमसे आस रखे हुए हैं कि खराब हो चुके सिस्टम को बदलने के लिए किसान आगे आएं। उन्होंने कहा कि सिस्टम गंदा हो गया है। उसे बदलने की जरूरत है। बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि हमें धनाढ्य लोगों की जरूरत नहीं है। केवल उस तरह के जुझारू कार्यकर्ता चाहिए जिस तरह के कार्यकर्ताओं ने किसान आंदोलन में काम किया था। मोर्चे को हर गांव में लोग खुद संभालें। धनाढ्य लोगों की जरूरत नहीं है। काम करने वाले कार्यकर्ताओं की जरूरत है।

एक सवाल के जवाब में बलबीर सिंह राजेवाल ने चुनाव लड़ने संबंधी फैसले पर कहा कि पहला फैसला अपनी जगह ठीक था और अब जरूरत पड़ने पर जो फैसला बदला है वह अपनी जगह ठीक है। गुरनाम सिंह चढूनी को साथ लेने संबंधी उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को साथ लिया जाएगा। एक सवाल के जवाब में हरमीत सिंह कादियां ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा पूरे देश की किसान यूनियनों का है। हम उनका नाम इस्तेमाल नहीं करेंगे, लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा कायम रहेगा। उन्होंने साफ किया कल 32 किसाान संगठनों की बैठक लुधियाना के मुल्लांपुर में हुई थी, जिसमें फैसला हुआ था कि जिन यूनियनों ने राजनीतिक मैदान में उतरना है वे उतरें जो नहीं उतरना चाहते वे न उतरें। किसान नेता बलदेव सिंह ने कहा कि लोगों को अब हमसे बहुत आशा है। नशे का मसला हो या अन्य, पंजाब इससे जूझ रहा है। जिस तरह लोगों ने तीन कृषि कानूनों के आंदोलन में हमारा साथ दिया है, अब इन समस्याओं को सुलझाने में भी लो हमारा साथ देंगे।

मुजफ्फरपुर फैक्ट्री हादसे में मरने वालों की संख्या 11 पहुंची, सीएम नीतीश ने जताया शोक, मुआवजे की घोषणा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) । मुजफ्फरपुर के बेला में रविवार की सुबह नूडल्स फैक्ट्री में हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। इस घटना पर सीएम नीतीश कुमार ने शोक संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही उन्होंने मृतक के आश्रितों के लिए चार-चार लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। बेला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-टू स्थित एक स्नैक्स फैक्ट्री में रविवार की सुबह करीब आठ बजे बायलर फट गया। इससे जान-माल की काफी क्षति हुई है। अभी तक 08 मजदूरों के क्षत-विक्षत शव निकाले जा चुके हैं, जबकि आधा दर्जन घायलों को श्री कृष्ण मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। वहां पहुंचने के बाद 03 घायल ने दम तोड़ दिया। राहत एवं बचाव का कार्य जारी है। डीएम, एसएसपी समेत तमाम पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। हालांकि एसएसपी जयंतकांत ने छह लोगों के मरने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि हादसे के शिकार अधिकतर लोग दैनिक वेतनभोगी बताए जा रहे हैं। व्यापक पैमाने पर राहत व बचाव का काम चल रहा है। घायलों को एसकेएमसीएच पहुंचाया गया है। मरने वालों की संख्या के और बढ़ने से उन्होंने इंकार नहीं किया। राज्य आपदा मोचक बल (एसडीआरएफ) भी पहुंच गया है। विस्फोट इतना तेज था कि फैक्ट्री से दूर चार से पांच किलोमीटर के क्षेत्र में भूकंप जैसा महसूस किया गया। पूरी फैक्ट्री मलबे में तब्दील हो गई है। आसपास की फैक्ट्रियों को भी काफी नुकसान हुआ है। फैक्ट्री एरिया को सील कर दिया गया है। नगर विधायक विजेंद्र चौधरी व मेयर राकेश कुमार भी पहुंचे हैं। अंशुल नूडल्स नामक फैक्ट्री में नूडल्स, स्नैक्स जैसे कई उत्पाद बनाए जाते थे। बताया जा रहा कि जब यह घटना हुई तब 25 मजदूर बायलर वाले कक्ष में मौजूद थे।शिफ्ट बदलने के दौरान साफ-सफाई का काम चल रहा था। धमाका इतना जोरदार था की इसकी वजह से आसपास की धरती भी हिल गई। जिससे यहां के लोगों को भूकंप आने का अहसास हुआ। कुछ लोग तो अपने-अपने घरों से बाहर निकल गए। हालांकि बाद में पता चला कि बायलर फटने की वजह से धरती हिली है। इस घटना में कई लोगों के जख्मी होने की सूचना है। हालांकि अभी कहीं से भी इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही है। घटना के वक्त फैक्ट्री के अंदर कितने लोग काम कर रहे थे, इसकी जानकारी भी अभी तक नहीं मिल सकी है। घटना की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंच गई है।

राहत व बचाव का काम तेज कर दिया गया है। इस बीच ट्रैक्टरों से फैक्ट्री के गेट को बंद कर दिया है। आसपास के लोगों ने बताया कि पहले बॉयलर फटने की जोरदार आवाज हुई। चार किमी तक घर की खिड़की व दरवाजे तक हिल गए। पुलिस की टीम पहुंची है। उसके अंदर जाने के बाद ही पता चलेगा कि कितने लोगों की जान गई है। जिसके स्वजन इस जगह पर काम कर रहे हैं। वे यहां पहुंच गए हैं। सभी अपनों की खोज कर रहे हैं। जिसकी वजह से फैक्ट्री के आसपास अफरातफरी की हालत है। प्रशासन के अधिकारी लोगों को अंदर जाने से रोक रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद मेयर और विधायक भी मौके पर पहुंच गए हैं।

एक नज़र

लक्ष्मीबाई विधवा पेंशन का 15 हजार महिलाएं ले रहीं लाभ, हर महीने खाते में आ रहे इतने पैसे

जहानाबाद (एजेंसी) । सरकार द्वारा संचालित लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा विधवा पेंशन से जिले में 14 हजार 886 महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। हर माह लाभुक के खाते में चार सौ रुपये भेजे जा रहे हैं। इस योजना का लाभ केवल बीपीएल परिवार के सदस्य को ही दिया जाता है। योजना में सदर प्रखंड पहले पायदान पर जबकि मोदनगंज सबसे नीचे है। सदर प्रखंड में 3710, मोदनगंज की 987 महिलाएं इसका लाभ ले रही हैं। सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक माला कुमारी ने बताया कि योजना के लाभ दिलाने के लिए

प्रचार प्रसार कराया जा रहा है। उन्होंने जिलेवासियों से इस योजना का लाभ उठाने में बढ़-चढ़कर भागीदारी लेने की अपील की। लक्ष्मीबाई विधवा पेंशन योजना का लाभ लेने के लिए 18 से 79 वर्ष का होना जरूरी है। इसके अलावा उनकी वार्षिक आय 60 हजार रुपये से कम होनी चाहिए। ऐसे लाभुकों को प्रत्येक माह चार सौ रुपये मिलते हैं। योजना का लाभ केवल बीपीएल परिवार के सदस्य को ही दिया जाता है। पेंशन को लेकर आवेदन को अनुमंडल पदाधिकारी स्वीकृत करते हैं। प्राप्त आवेदन के जांचोपरांत स्वीकृति दी जाती है। इसके बाद जिला से विभाग को भेज दिया जाता है। विभाग द्वारा लाभुकों के खाते में पीएफएमएस के माध्यम से पैसा भेजा जाता है। अच्छी बात यह है कि लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा विधवा पेंशन से जहानाबाद में 14 हजार 886 महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। इन महिलाओं के खातों में हर महीने चार सौ रुपये भेजे जा रहे हैं।

बिहार में कोरोनावायरस के आफ्टरइफेक्ट में बढ़े ब्लैक फंगस के मरीज, अस्पतालों को दी गई दवा

पटना (एजेंसी) । बिहार में यह कोरोनावायरस संक्रमण का आफ्टर इफेक्ट है। कोरोनावायरस संक्रमण की दूसरी लहर के बीच ब्लैक फंगस संक्रमण के भी काफी मामले सामने आए थे। इनमें से कुछ मरीज अब भी अस्पतालों में इलाजरत हैं। ब्लैक फंगस मरीजों को इलाज के दौरान पोसाकोनाजोलदवा दी जाती हैं। दवा का आवंटन केंद्र सरकार करती है। राहत की बात यह है कि केंद्र सरकार से आवंटन मिलने के बाद राज्य के कुछ प्रमुख अस्पतालों को इस दवा का आवंटन मंजूर किया जा चुका है। राज्य स्वास्थ्य समितिने पोसाकोनाजोल दवा के आवंटन को लेकर पत्र जारी किया है। इसमें बताया गया है कि कई अस्पतालों में अब भी ब्लैक फंगस के मरीज इलाजरत हैं। उनके इलाज के लिए पटना के पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान को 1100, पटना के अखिल

भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को 870, पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताल को 350 तथा भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालेज अस्पताल को दो सौ टैबलेट दिए जा रहे हैं। एम्स पटना को 150 टैबलेट का आवंटन जल्द ही दिया जा सकेगा। आवंटन के बाद टीका औषधि केंद्र में 100 टैबलेट का स्टाक बचेगा, जिसे मांग के आधार पर अन्य अस्पतालों को आवंटित किया जाएगा। विदित हो कि कोरोनावायरस संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान अचानक ब्लैक फंगस संक्रमण के काफी मामले सामने आए। इस संक्रमण के लिए कोरोनावायरस संक्रमण के इलाज के दौरान कुछ दवाओं के दुरुपयोग को जिम्मेदार माना गया। हालांकि, संक्रमण के कई और कारण भी सामने आए। उस दौरान मिले कई मरीज अभी तक इलाज करा रहे हैं।

मुंगेर मुखिया हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई, कानन नैया समेत चार कुख्यात नक्सली गिरफ्तार, निशानदेही पर चल रही छापेमारी

मुंगेर (एजेंसी) । धरहरा प्रखंड के अजीमगंज पंचायत के मुखिया परमानंद टुड्डू की हत्या मामले में एसटीएफ ने रविवार को चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली कानन नैया, कौशल कोड़ा, छठु कोड़ा और अनिल कोड़ा को साथ लेकर एसटीएफ और जिले की पुलिस छापेमारी कर रही है। एसटीएफ को कई सुराग मिले हैं। गिरफ्तारी की संख्या रात से कल सुबह तक बढ़ने की उम्मीद है। गिरफ्तार चारों हार्डकोर और फरार नक्सली हैं। सभी पर पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। हार्डकोर नक्सली कानन नैया का आपराधिक इतिहास रहा है। दरअसल, 24 अगस्त की रात मथुरा गांव में नव निर्वाचित मुखिया परमानंद टुड्डू की हत्या नक्सलियों ने गर्दन काटकर कर दी थी। हत्या मामले में हार्डकोर नक्सली प्रवेश दा, अर्जुन कोड़ा सहित लगभग दो दर्जन को नामजद बनाया गया है। मुखिया की हत्या के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने नक्सलियों को पकड़ने के लिए एसटीएफ की मदद ली। इसके बाद से ही एसटीएफ की टीम नक्सलियों की तलाश में लग गई। पहले प्रमंडल के लखीसराय, जमुई और मुंगेर जिलों से नक्सलियों के बारे में इनपुट जुटाया गया, लड़ैयाटांड़ और उसके बाद धरहरा थाना इलाके में छापेमारी की गई, इसमें सभी को दबोचा गया। सभी से पूछताछ चल रही है। हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। मुंगेर, लखीसराय और जमुई जिले की पुलिस और एससीएफ मिलकर विशेष कांबिंग आपरेशन चल रहा है। पुलिस का साफ कहना है कि अब नक्सलियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। एएसपी अभियान कुणाल कुमार ने बताया कि नक्सल प्रभावित जिलों में विशेष अभियान चलेगा पहाड़ी और जंगली इलाकों में छिपकर रह रहे नक्सलियों को दबोचने का काम शुरू हो गया है। अभी जंगल और पहाड़ी इलाकों में छापेमारी चल रही है। कई और नक्सलियों की गिरफ्तारी होने की संभावना है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासाः डान पप्पू देव की मौत हार्ट अटैक से नहीं, शरीर पर मिले जख्म के 30 से अधिक निशान

सहरसा (एजेंसी) । पुलिस हिरासत में डान पप्पू देव की हुई संदिग्ध मौत के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट से कई खुलासे हुए है। पप्पू देव के शरीर पर जख्म के 30 से ज्यादा निशान थे। जबकि, सिर में खून का थक्का जमने के कारण हृदय गति रूक गयी थी। इस कारण ब्रेम हेमरेज से पप्पू देव की मौत हुई थी। पप्पू देव की मौत के बाद मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया था। तीन चिकित्सक डा. एसपी विश्वास, डा. केके मधुप, डा. अखिलेश्वर प्रसाद, डा. एसके आजाद की टीम द्वारा किये गये पोस्टमार्टम के बाद रिपोर्ट सामने आ गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि पप्पू देव के शरीर के विभिन्न हिस्सों में 30 जख्म के बाहरी निशान थे। जबकि, सिर में एक जगह काफी गहरा जख्म था। सिर में खून का थक्का भी जम गया था। जिससे मस्तिष्क का महत्वपूर्ण अंग को क्षति पहुंची थी। इसी वजह से पप्पू देव की हृदय गति रूक गई और उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद समर्थकों में उबाल है। समर्थकों का कहना था कि पुलिस की पिटाई से ही मौत हुई है।

बिहार को विशेष राज्य के दर्जे पर आरसीपी सिंह ने कहा- अब बदल चुके हैं हालात, यूपी चुनाव पर भी बोले

पटना (एजेंसी) । बिहार को विशेष राज्य के दर्जे के मसले पर राजनीति एक बार फिर गर्म हो गई है। इस मसले को खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लगातार प्रमुखता से उठाया है। पिछले दिनों जारी नीति आयोग की रिपोर्ट में बिहार को पिछड़ा बताए जाने के बाद भी उन्होंने इस मांग को दोहराया। हाल के दिनों में विपक्ष की ओर से ऐसा आरोप लगाया गया कि केंद्रीय इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह विशेष राज्य के मसले पर जदयू के स्टैंड से अलग राय रखते हैं। ऐसे हालात में केंद्रीय मंत्री ने पूरे मसले पर अपनी और पार्टी की राय एक बार फिर से स्पष्ट कर दी है। केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि जदयू अब भी विशेष राज्य के दर्जा की मांग पर कायम है। पटना स्थित अपने आवास पर जदयू कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा के लिए जदयू ने 2009 से लेकर 2013 तक लगातार आंदोलन किया है। पटना के गांधी मैदान से लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैलियां की। मगर तब और अब की परिस्थिति में अंतर है। अब जीएसटी कानून की वजह से विशेष दर्जा मिलने के बाद भी नए उद्योगों को कारपोरेट टैक्स में रियायत नहीं मिलेगी। जीएसटी के बाद देश भर में एक तरह का 15 प्रतिशत कारपोरेट टैक्स लगता है।

यूपी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में आरसीपी ने कहा कि वहां भाजपा के साथ मिलकर जदयू चुनाव में उतरेगी। कितनी सीटों पर जदयू चुनाव लड़ेगा इस बारे में अभी कुछ तय नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री के समाज सुधार अभियान की चर्चा के क्रम में उन्होंने कहा कि इस अभियान से बिहार को काफी फायदा है। आरसीपी के साथ मुलाकात के मौके पर जदयू के प्रदेश महासचिव अनिल कुमार, कन्हैया सिंह, पूर्व मंत्री लक्ष्मेश्वर राय, विधायक पन्ना लाल पटेल, विजय सिंह निषाद, अजय चौधरी, श्याम पटेल, श्वेता विश्वास, संस्कृत शिक्षा बोर्ड की अध्यक्ष भारती मेहता, किरण रंजन, अंजुम आरा व ओमप्रकाश सेतु भी मौजूद थे।

आरजेडी नेता शिवानंद तिवारी का बीजेपी व हिंदुत्ववादियों पर बड़ा हमला, कहा- गाय को माता नहीं मानते थे सावरकर

पटना (एजेंसी) । राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने हिंदुत्ववादियों व भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने राहुल गांधी के हिंदू और हिंदुत्व संबंधी बयान का समर्थन करते हुए गाय को मां की संज्ञा देना मनुष्य जाति का अपमान कहा है। तिवारी ने यह बयान विनायक दामोदर सावरकर के हवाले से दिया है। कहा है कि हिंदुत्व शब्द का सबसे पहले इस्तेमाल सावरकर ने 1923 में किया था। आप सावरकर की कुछ बातों को मानेंगे और कुछ को नहीं, यह ठीक नहीं है। सावरकर ने तो यह भी कहा था कि गाय को मां कहना मनुष्य जाति का ही अपमान है। तिवारी के मुताबिक %सावरकर ने कहा है कि कोई जानवर मनुष्य का मां या बाप कैसे हो सकता है कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बाद आरजेडी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने भी गाय के मुद्दे पर सावरकर के विचारों के सहारे बीजेपी को घेरा है। शिवानंद ने सावरकर की किताब का हवाला देते हुए कहा कि उनका भी मानना था कि गाय को माता कहना मनुष्य जाति का अपमान है। आखिर कोई जानवर किसी इंसान की मां या पिता कैसे हो सकता है तिवारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह उनका निजी विचार नहीं है, वे सिर्फ सावरकर के विचारों का उल्लेख कर रहे हैं। इसकी जरूरत इसलिए पड़ गई कि कुछ लोग धर्म के नाम पर देश को बांटने की साजिश कर रहे हैं।

शिवानंद ने दावा किया कि जहां तक सावरकर को उन्होंने पढ़ा है, उन्होंने कहा है कि गाय जो अपने मूत्र और गोबर पर पूंछ लगाकर अपनी ही देह पर छींटा मारती है। उसे मां कहना मनुष्य का अपमान है। हिंदुत्व शब्द का प्रयोग भी सबसे पहले सावरकर ने 1923 में किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि हिंदू व हिंदुत्व अलग-अलग शब्द हैं। तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्र सरकार और बीजेपी के नाम लिए बगैर कहा कि जो सावरकर के विचारों के सहारे राजनीति कर रहे हैं, उनसे पूछना चाहता हूं कि किसी की एक बात मानते हैं तो दूसरी बात को मानने में क्या आपत्ति है कुछ लोग गाय के बारे में सावरकर के दिए गए बयान को नहीं मानते हैं। शिवानंद ने कहा कि सनातन धर्म के बारे में यही लोग कहते हैं कि सबसे पुराना है। उस धर्म के बारे में 1923 में एक आदमी ने जो परिभाषा दी, उसके अनुसार धर्म को आप बदल देना चाहते हैं।

वेद, उपनिषद, पुराण सब गलत हो गए और सावरकर ने जो परिभाषा दी वही सही है। यह देश की एकता-अखंडता और धर्म के लिए भी खतरनाक है। इसके पहले हिंदुत्व व हिंदू की इस बहस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी बड़ा बयान दिया था। उनके अनुसार ने सावरकर ने अपनी किताब में लिखा है कि बीफ खाना गलत बात नहीं है। दिग्विजय सिंह ने भी कहा है कि सावरकर ने अपनी किताब में कहा है कि हिंदू धर्म और हिंदुत्व के बीच कोई संबंध नहीं है और गाय जो अपने मल के इर्द-गिर्द चक्कर लगाती है, वह हमारी माता कैसे हो सकती है

गया में नवनिर्वाचित प्रतिनिधि के शपथ ग्रहण समारोह की तिथि निर्धारित

प्रखंड प्रमुख और उप प्रमुख का चुनाव आज से

गया (एजेंसी) । बिहार राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने प्रखंड में सरकार गठन और नव निर्वाचित प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण करने की तिथि निर्धारित कर दी है। प्रखंड प्रमुख और उप प्रमुख का चुनाव होना है।

प्रमुख और उप प्रमुख का चुनाव अनुमंडल पदाधिकारी की देखरेख में होगा। इसकी शुरुआत बेलागंज एवं फतेहपुर, शेरघाटी, डोभी, नीमचक बथानी एवं मोहड़ा, टिकारी एवं कोंच से 28 दिसंबर को होगी। ,इसी तरह वजीरगंज एवं बोधगया, बांकेबाजार, इमामगंज, खिजरसराय, अतरी, परैया एवं गुरारु प्रखंड का 29 दिसंबर, टनकुप्पा एवं मानपुर, आमस, गुरुआ, प्रखंड का 30 दिसंबर, नगर, मोहनपुर, बाराचट्टी प्रखंड का 31 दिसंबर एवं डुमरिया प्रखंड के प्रमुख व उप प्रमुख का चुनाव एक जनवरी को होगा। इस चुनाव के लिए डीएम ने सदर, शेरघाटी,

नीमचक बथानी एवं टिकारी अनुमंडल के एसडीओ को आवश्यक निर्देश दिए हैं। निर्धारित तिथि को सभी पंचायत प्रतिनिधियों को सर्वप्रथम शपथ ग्रहण कराया जाएगा। उसके बाद नामांकन की प्रक्रिया शुरु होगी। नामांकन में एक से ही उम्मीदवार होने पर लोकतांत्रिक तरीके से प्रमुख व उप प्रमुख पद के लिए मतदान कराया जाएगा। सदन में मौजूद सदस्यों का दो तिहाई बहुमत मिलना चाहिए। जिले के अलग-अलग पंचायतों में सोमवार को पंचायत सरकार बनाने के लिए चुनाव होंगे। चुनाव से पूर्व निर्धारित पंचायत में शपथ ग्रहण होगा। इसके बाद उप मुखिया व उप सरपंच का चुनाव बीडीओ की देखरेख में प्रखंड मुख्यालय में होगा।

जारी आदेश के अनुसार सोमवार को सावांकला, अकौना, कचौड़ी, ढाबचिरैया, नदरपुर, चट्टी, बुमुआर, धरहरा, दिवनियां, रोही, दुब्बा, गुरुआ, टंडवा, गोइठा, सिद्धपुर, मंझौली, काचर, महुली, तिलोरी, मलपा, बगाही, सोलरा, उतरैन, परसावां, मखदुमपुर, भोरी, मूसी, अरई, दक्षिणी कजूर, बथानी, तेलारी, नरावट , टेटुआ, हथियावां, बिहटा, आरोपुर, टनकुप्पा, भलुआ-2, रौना, जमुआवां, कुर्कीहार, पहाड़पुर, मेयारी, नौडीहा सुल्तानपुर, मोराटाल, इलरा, नौरंगा, बारागंधार, कंडी एवं कुजाप पंचायत में चुनाव कराए जाएंगे।

कांग्रेसियों में हिम्मत हो तो मांझी पर अंगुली उठाकर देखें, सोनिया-राहुल पर भी भड़की जीतनराम की पार्टी

पटना (एजेंसी) । बिहार की राजनीति में विवादों को लेकर जीतन राम मांझी का जिक्र खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। अजीबोगरीब बयान देकर लगातार मांझी चर्चा में हैं। 27 दिसंबर को बिहार के पूर्व सीएम ने भोज देने का ऐलान किया है। पहले पंडित ही इस आयोजन में शामिल हो सकते थे अब दलित को भी न्योता दे दिया गया है। इस बीच उनके हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने कांग्रेस को चुनौती दे दी है। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष मदन मोहन झा की माफी मांगने वाली नसीहत देने पर भड़के हम ने शनिवार को कहा है कि कांग्रेसियों की हिम्मत हो तो मांझी पर अंगुली उठाकर दिखाएं। औकात पता चल जाएगी। हम प्रवक्ता दानिश रिजवान ने कहा कि अगर मदन मोहन झा माफी नहीं मांगेंगे तो सोनिया और राहुल गांधी का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया जाएगा। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष मदन मोहन झा पर गजेंद्र झा के बयान का समर्थन करने का आरोप लगाया है। पंडितों के लिए मांझी के द्वारा विवादित शब्द बोलने पर गजेंद्र झा ने जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये इनाम देने की घोषणा कर दी थी। इसके बाद भाजपा ने उन्हें निलंबित कर दिया था। गजेंद्र प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य थे। इसी को

लेकर शनिवार को हम ने मदन मोहन झा पर पलटवार किया। हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता दानिश रिजवान ने बयान जारी करते हुए कहा कि मदन मोहन झा राहुल गांधी के इशारे पर बयान दे रहे हैं। गजेंद्र झा का साथ देकर मदन मोहन झा ने कांग्रेस पार्टी की वास्तविकता बता दी है। दानिश ने कहा कि कांग्रेसियों में हिम्मत हो तो मांझी पर अंगुली उठाकर देख लें, उनको उनकी औकात पता चल जाएगी। हम प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस ने अगर मदन मोहन झा पर कारवाई नहीं करती है तो प्रखंड स्तर पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी का पुतला फूंका जाएगा।

पटना में 57 सेंटरों पर हो रही दारोगा भर्ती परीक्षा, पहली ही पाली में उड़ी पेपर लीक होने की अफवाह

पटना (एजेंसी) । बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (बीपीएसएससी) की ओर से दारोगा भर्ती की परीक्षा शुरू हो गई है। इसके लिए राजधानी पटना में 57 केंद्र बनाए गए हैं। आयोग की ओर से 2213 पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई है। इसमें दारोगा के 1828 एवं 385 सार्जेंट के पद शामिल हैं। प्रारंभिक परीक्षा के माध्यम से पद से 20 गुना अधिक अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होनी है। पहली पाली में परीक्षा सुबह 10 बजे से 12 बजे, दूसरी पाली में परीक्षा दोपहर ढ़ाई बजे से साढ़े चार बजे तक आयोजित होनी है। पहली पाली की परीक्षा शुरू होते प्रश्नपत्र लीक होने की अफवाह उड़ गई है। हालांकि, आधिकारिक स्तर से इसे पूरी तरह गलत बताया जा रहा है। आयोग की ओर से बताया गया है कि दो घंटे की परीक्षा में 200 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्नों में सामान्य ज्ञान और समसामयिक मुद्दों से सम्बन्धित सवाल पूछे जाएंगे। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0.2 अंक काटे जाएंगे। परीक्षा केंद्रों पर कोविड गाइडलाइन के अनुरूप सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। हर अभ्यर्थी के साथ ही केंद्र पर तैनात हर शख्स को मास्क लगाना अनिवार्य किया गया है। हर कैंद्र पर सैनिटाइजर का भी इंतजाम किया गया है। हाथ सैनिटाइज करने के बाद ही अभ्यर्थियों को केंद्र के अंदर प्रवेश दिया गया। विधि-व्यवस्था के लिए सभी केंद्रों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस की तैनात की गई है।

सिपाही पत्नी को दारोगा बनाने की आस रह गई अधूरी, यूपी के युवक के बिहार में मौत; बक्सर में हादसा

बक्सर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के रहने वाले एक युवक की शादी बिहार के बक्सर जिले में हुई थी। युवक की पत्नी जेल पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत थी। वह बिहार पुलिस में दारोगा बनने के लिए तैयारी कर रही थी। आज दंपती दारोगा भर्ती की लिखित परीक्षा में शामिल होने के लिए जिला मुख्यालय बक्सर जा रहे थे। इस बीच एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे ने पति-पत्नी दोनों के सपने को तोड़ दिया है। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत दानी कुटिया के समीप तेज रफ्तार स्कार्पियो की चपेट में आकर बाइक सवार एक दंपती गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों को जब तक चिकित्सा सेवा मुहैया कराई जाती, तब तक पति की मौत हो गई। गंभीर रूप से जख्मी पत्नी की सदर अस्पताल में उपचार के बाद वाराणसी रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि आज होने वाली दारोगा भर्ती परीक्षा में लिखित परीक्षा दिलाने के लिए पति अपनी पत्नी को बाइक से लेकर आ

रहा था, तभी सुबह सात बजे के करीब यह हादसा हुआ है। हादसे के बाद स्कार्पियो चालक वाहन समेत फरार हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि राजपुर थाना के सोनपा निवासी रामचन्द्र चौधरी की पुत्री पूजा कुमारी (26 वर्ष) सुबह सात बजे गाजीपुर के नोनहरा थाना अंतर्गत जलालपुर निवासी अपने पति विनोद कुमार चौधरी (30 वर्ष) के साथ बाइक से दारोगा भर्ती की परीक्षा में शामिल होने बक्सर आ रही थी। तभी सुबह छाए घने कोहरे के बीच सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो की सीधी टक्कर में दोनों बुरी तरह जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दंपती को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने पति को मृत घोषित कर दिया, वहीं पत्नी को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। घरवालों के अनुसार जख्मी पूजा कुमारी कैमूर जिले में स्थित भभुआ कारा में जेल पुलिस के पद पर कार्यरत थी। चार साल पहले उसकी शादी हुई थी।

एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बने जो रूट

मेलबर्न (एजेंसी) इंग्लैंड के जो रूट आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट मैच के पहले दिन रविवार को यहां अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बन गये। रूट ने इंग्लैंड की पहली पारी में 50 रन बनाये जिससे वर्ष 2021 में कुल रन की संख्या 1680 पर पहुंच गयी और वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बन गये हैं। रूट ने दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (2008 में 1656 रन) के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। आस्ट्रेलिया के माइकल क्लार्क (2012 में 1595 रन) इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

रूट यदि इंग्लैंड की दूसरी पारी में 109 रन बना लेते हैं तो वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी यह रिकार्ड पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ के नाम पर है जिन्होंने 2006 में 1788 रन बनाये थे। इस सूची में रूट अभी यूसुफ और वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स (1976 में 1710) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। स्मिथ इस सूची में अब चौथे स्थान पर खिसक गये हैं।

गोपनीय रिपोर्ट लीक होने पर क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मांगी पुलिस से मदद

मेलबर्न (एजेंसी) । क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने रविवार को कहा कि एक 'जाने पहचाने' खिलाड़ी के कथित तौर पर नशीली दवाओं का इस्तेमाल करने की गोपनीय रिपोर्ट मीडिया में लीक होने के बाद उसने पुलिस से मदद मांगी है। 'द ऐज' समाचार पत्र में रविवार को प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि उसे एक महिला और क्रिकेट आस्ट्रेलिया के पूर्व 'इंटीग्रिटी' प्रमुख सीन कैरोल के बीच फोन पर बातचीत की रिकॉर्डिंग मिली है, जिसमें इस महिला ने आरोप लगाया है कि एक खिलाड़ी कोकीन का इस्तेमाल कर रहा था और बालकनी में नग्न होकर कई महिलाओं के साथ नृत्य कर रहा था। इस महिला ने खुद को उच्च श्रेणी की 'एस्कार्ट' बताया था। हॉकले ने पूर्व खिलाड़ी पर लगे आरोपों को 'निराधार' करार दिया। हॉकले ने पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज सुबह रिपोर्ट देखी। यह रिपोर्ट निराधार हैं। गोपनीय जानकारी को किसी भी तरह से चुराना अपराध है। हमने पुलिस को इस बारे में सूचित किया है और हम विक्टोरिया पुलिस की मदद ले रहे हैं।'' मेलबर्न के दैनिक समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि रिकॉर्डिंग गुमनाम पते से 'एन्क्रिप्टेड' (कूट रूप में) ईमेल के जरिये समाचार पत्र को भेजी गयी है। इस रिकार्डिंग को लीक करने वाले ने व्यक्ति ने स्वयं को क्रिकेट आस्ट्रेलिया का पूर्व कर्मचारी बताया है जो 'इंटीग्रिटी यूनिट' की कमियों को उजागर करना चाहता है। कैरोल ने एक साल पहले क्रिकेट आस्ट्रेलिया को छोड़ दिया था।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी ने पत्नी के निधन के बाद दुनिया को कहा अलविदा

कोलकाता (एजेंसी) । भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर सनत सेठ ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। पिछले साल ही उनकी पत्नी का निधन हो गया था और अब उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कह दिया। सनत 91 साल के थे और लंबे समय से बीमार थे। सनत के करियर की बात करें तो वह 1954 एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार वह उम्र संबंधित समस्याओं से जूझ रहे थे। पूर्व फुटबॉलर का एक बेटा है। सनत ने 1949 में ईस्टर्न रेलवे फुटबॉल क्लब के साथ अपने सफर की शुरुआत की थी और इसके बाद 1951 में वे आर्यन क्लब से जुड़ गए। 1957 में ईस्ट बंगाल के लिए खेले और इसके अगले ही साल मोहन बागान में शामिल हो गए, जिसके लिए वो छह साल खेले। बंगाल के साथ 1953 और 1955 में उन्होंने संतोष ट्रॉफी जीती। आर्यन क्लब के लिए खेलने का वादा करने के बाद वह 1956 ओलंपिक खेलने से चूक गए थे। सनत मनिला एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें शुरुआती एकादश में खेलने का मौका नहीं मिला था। वे 1949 से 1968 तक करियर में 2 महान फुटबॉलर पीके बनर्जी और चुन्नी गोस्वामी के साथ खेले थे। बनर्जी और चुन्नी गोस्वामी ने पहले ही दुनिया को अलविदा कह दिया था।

विश्व नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जोकोविच का एटीपी कप में खेलने का संशय बरकरार: रिपोर्ट

मेलबर्न (एजेंसी) । विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच का अगले सप्ताह यहां होने वाले एटीपी कप (1-9 जनवरी) में हिस्सा नहीं लेने पर अभी भी संशय बरकरार है। सर्बिया के स्थानीय अखबार ने इसकी रिपोर्ट दी। जोकोविच का नाम एटीपी कप के लिए सर्बिया टीम में था। हालांकि, 34 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक आस्ट्रेलिया ओपन के आयोजकों को कोरोना टीकाकरण को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। जोकोविच ने निजता का हवाला देकर यह बताने से इंकार किया है कि उन्होंने टीका लगवाया है या नहीं। सर्बिया की टीम एक से नौ जनवरी तक होने वाले एटीपी कप में नार्वे, चिली और स्पेन के साथ ग्रुप-ए में है। टूर्नामेंट के बाद 17 जनवरी से वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलियन ओपन होना है। अभी तक ये स्पष्ट नहीं है कि आस्ट्रेलियन ओपन के इस सीजन में जोकोविच खेलेंगे या नहीं। वहीं दूसरी ओर, ओपन-2022 का पहला ग्रैंड स्लैम शुरू होने में 22 दिन बाकी हैं। दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव सिडनी में कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं, जिससे वह भी एटीपी कप से बाहर हो गए हैं। बता दें कि, नोवाक जोकोविच लगातार तीन साल से आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतते आ रहे हैं। उन्होंने अब तक 20 ग्रैंड स्लैम अपने नाम किए हैं और इनमें से 9 खिताब उन्होंने आस्ट्रेलिया में जीते हैं।

ब्रॉड को तीसरे टेस्ट से बाहर रखना समझ से परे: वान

मेलबर्न (एजेंसी) । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने रविवार को कहा कि यह बात उनकी समझ से परे है कि अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को तीसरे एशेज टेस्ट की अंतिम एकादश में क्यों शामिल नहीं किया गया और उनका मानना है कि मेहमान टीम ने आस्ट्रेलिया में अब तक काफी कुछ गलत किया है। पांच मैचों की श्रृंखला में 0-2 से पीछे चल रहे इंग्लैंड ने रविवार से शुरू हुए तीसरे टेस्ट मैच की अंतिम एकादश में ब्रॉड और तीन अन्य खिलाड़ियों को नहीं रखा। वान ने 'फॉक्स क्रिकेट' से कहा, ''मैं स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे अनुभवी गेंदबाज की बात कर रहा हूं। ब्रिसबेन की घसियाली पिच पर उसे नहीं चुना गया और फिर यहां भी उसका चयन नहीं किया गया।'' उन्होंने कहा, ''आखिर इंग्लैंड ने स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे अनुभवी गेंदबाज को ब्रिसबेन की घसियाली पिच और अब यहां मेलबर्न में क्यों नजरअंदाज किया। यह सच में चौंकाने वाला है।'' वान ने कहा, ''अब तक उन्होंने इस दौरे में एक ही सही काम किया है कि वे समय पर पहुंचते रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने सब कुछ गलत किया है फिर चाहे वह टीम का चयन हो या रणनीति।'' उन्होंने कहा, ''स्टुअर्ट ब्रॉड को यहां (मेलबर्न में) खेलना चाहिए था, उन्हें ब्रिसबेन में खेलना चाहिए था। अजीब विडंबना है कि स्टुअर्ट ब्रॉड घसियाली पिच पर डेविड वार्नर को 'राउंड द विकेट' गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। यह समझ से परे है।

कमिंस और लियोन ने इंग्लैंड को 185 पर समेटा

मेलबोर्न (एजेंसी) । तेज गेंदबाज पेट कमिंस (36 रन पर तीन विकेट)और ऑफ स्पिनर नाथन लियोन (36 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को तीसरे एशेज टेस्ट मैच के पहले दिन रविवार को 185 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके जवाब में स्टंप्स तक एक विकेट खोकर 61 रन बना लिए हैं और वह पहली पारी में 124 रन से पीछे है। ओपनर डेविड वार्नर 42 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 38 रन बनाकर जेम्स एंडरसन का शिकार बने। स्टंप्स के समय मार्कस हैरिस 20 रन और नाईट वॉचमैन नाथन लियोन खाता खोले बिना क्रीज पर थे। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का सही फैसला किया। कमिंस ने तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी को झकझोर दिया। कमिंस ने ओपनर हसीब हमीद, जैक क्रौली और डेविड मलान को 61 रन तक पवेलियन भेज दिया। रही सही कसर मिशेल स्टार्क ने कप्तान जो रुट को आउट कर पूरी कर दी। रुट ने 82 गेंदों पर चार चौकों के सहारे सर्वाधिक 50 रन बनाये।

तोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य और महिला टीम ने चौथा स्थान पाकर हॉकी में लौटायी देश की साख

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय हॉकी के लिये वर्ष 2021 यादगार रहा तथा तोक्यो ओलंपिक खेलों में पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने प्रेरणादायक प्रदर्शन कर इतिहास रचा जिसे युगों तक याद रखा जाएगा। पुरुष टीम ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर पदक के चार दशकों के सूखे को खत्म किया तो वही महिला टीम ने चौथा स्थान हासिल कर इस खेल में नई जान फूंक दी। कोरोना वायरस महामारी से उपजे हालात की बाधाओं और चुनौतियों को धता बताते हुए, भारतीय पुरुष टीम खेल में पदक के 41 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करके अपने गौरवशाली अतीत को फिर से याद किया और एक नई सुबह की शुरुआत की। महिला टीम मामूली अंतर से ऐतिहासिक कांस्य पदक से चूक गई, लेकिन इन वैश्विक खेलों में उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रशंसकों को भावनात्मक रूप से टीम के साथ जोड़ा। खिलाड़ियों को 2020 में बेंगलुरु के साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में एक बायो-बबल में सीमित रहना पड़ा लेकिन वर्ष 2021 की शुरुआत उनके लिये अच्छी रही। भारतीय पुरुष टीम ने जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ चार मैचों के यूरोपीय दौरे पर कड़ा संघर्ष किया लेकिन यहां उसने दो जीत के और इतने ही ड्रा मैच खेले। भारत ने अर्जेंटीना दौरे पर अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए 2016 के ओलंपिक चौंपियन को दो बार हराया और चार अभ्यास मैचों में से दो मुकाबले ड्रॉ रहे। आठ बार की ओलंपिक चौम्पियन टीम इसके बाद खिताब के दावेदार के तौर पर तोक्यो पहुंची जहां उसने पूल चरण के पांच में से चार मैच जीते। मनप्रीत सिंह की अगुवाई में टीम ने क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को 3-1 से हराया लेकिन सेमीफाइनल में उसे बेल्जियम के खिलाफ 2-5 की शिकस्त झेलनी पड़ी। कांस्य पदक के मैच में भारतीय टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जर्मनी को 5-4 से शिकस्त दी। इस शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीयों ने एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) हॉकी स्टार पुरस्कार 2021 में सभी श्रेणियों में जीत हासिल की । इन पुरस्कारों में भारतीय टीम के दबदबे पर ओलंपिक चौंपियन बेल्जियम ने निराशा जतायी जिससे थोड़ा विवाद भी पैदा हो गया। हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का ताज पहनाया गया। पीआर श्रीजेश साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने गये तो वही विवेक सागर प्रसाद ने लगातार दूसरी बार एफआईएच उदयीमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड को एफआईएच साल के सर्वश्रेष्ठ कोच पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ओलंपिक गौरव ने हॉकी टीम के सभी सदस्यों के लिए राष्ट्रीय पहचान भी दिलायी। पीआर श्रीजेश और कप्तान मनप्रीत को देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से नवाजा गया। कई अन्य खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के साथ सम्मानित किया गया। भारत के लिए हालांकि साल का अंत थोड़ा दुखद रहा क्योंकि टीम एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी खिताब की रक्षा करने में विफल रही। टीम ने हालांकि कांस्य पदक मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 4-3 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। महिला टीम ने भी तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद एफआईएच विश्व रैंकिंग में अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया। महिला वर्ग के भी एफआईएच हॉकी स्टार पुरस्कार 2021 में पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। रानी रामपाल की अगुवाई वाली टीम ने ओलंपिक के अपने अभियान को तीन हार के साथ शुरू किया था लेकिन फिर वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। टीम ने अंतिम आठ में बड़ा उलटफेर करते हुए खिताब की दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया। इस टीम को हालांकि इसके बाद किस्मत का साथ नहीं मिला। सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ उसे 1-2 और कांस्य पदक के मैच में ब्रिटेन से 3-4 से करीबी शिकस्त झेलनी पड़ी। इस प्रदर्शन से टीम ने अपनी सर्वश्रेष्ठ आठवीं रैंकिंग हासिल की। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने हालांकि साल के अंत में निराश किया। टीम इस महीने की शुरुआत में भुवनेश्वर में अपने विश्व कप खिताब की रक्षा करने में विफल रही। कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में फ्रांस से 1-3 से हराकर भारत चौथे स्थान पर रहा। ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन से अगले साल एशियाई खेल और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल में टीम का मनोबल ऊंचा रहेगा। **(एजेंसी)**

साउथ अफ्रीका के खिलाफ रोहित शर्मा के वनडे सीरीज खेलने पर सस्पेंस

इस 35 साल के खिलाड़ी की टीम में हो सकती है वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी) । साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। फिलहाल वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान नहीं किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वनडे टीम का एलान जल्दी ही हो सकता है और इस टीम में 35 वर्षीय स्पिनर आलराउंडर आर अश्विन को जगह दी जा सकती है। आर अश्विन लगभग चार साल से भारतीय वनडे टीम से बाहर हैं और उन्होंने साल 2017 में भारत के लिए अपना आखिरी वनडे मैच खेला था। आर अश्विन को टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लिए टी20 टीम में चुना गया था और तब से वो छोटे प्रारूप में भारतीय टीम का हिस्सा हैं। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन की वजह से ही उन्हें वनडे टीम में जगह दी जा सकती है। क्रिकबज की खबर के मुताबिक चयनकर्ताओं द्वारा टीम का नाम तय करने पर अश्विन को एकदिवसीय टीम में शामिल किया जाना तय है। अगर अश्विन वनडे

टीम में चुन लिए जाते हैं तो एक बार फिर से तीनों प्रारूपों में वो भारत के लिए स्पिन गेंदबाजी को लीड करते नजर आएंगे। अश्विन ने भारत के लिए अब तक 111 वनडे मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने कुल 150 विकेट लिए हैं। वनडे टीम में अक्षर पटेल और युजवेंद्रा चहल को भी शामिल किया जा सकता है तो वहीं रवींद्र जडेजा फिटनेस की वजह से वनडे टीम से बाहर रह सकते हैं। भारतीय सेलेक्टर्स रोहित शर्मा की फिटनेस रिपोर्ट की वेट कर रहे हैं। आपको बता दें कि टीम इंडिया के नए वनडे कप्तान रोहित शर्मा इंजर्ड हो गए थे और फिलहाल एनसीए में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज मिस कर गए थे जिसकी शुरुआत बाक्सिंग डे टेस्ट मैच से हो चुकी है। अगर रोहित शर्मा वनडे टीम में शामिल नहीं किए जाते हैं तो उनकी जगह केएल राहुल वनडे टीम की कप्तानी कर सकते हैं। भारती और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के मुकाबले 19, 21 और 23 जनवरी को खेले जाएंगे।

शुभम अरोड़ा की शतकीय पारी के दम पर हिमाचल प्रदेश ने रचा इतिहास, तमिलनाडु को हराकर पहली बार जीता खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी 2021 के फाइनल मैच में हिमाचल प्रदेश ने चैंपियन की तरह प्रदर्शन किया और तमिलनाडु जैसी मजबूत टीम को 11 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही हिमाचल प्रदेश ने पहली बार रिषी धवन की कप्तानी में विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया तो वहीं विजय शंकर की कप्तानी में तमिलनाडु को उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। मैच के अंत में खराब लाइट की

वजह से वीजेडी मेथड के जरिए मुकाबले का फैसला किया गया और हिमाचल प्रदेश को विजेता घोषित कर दिया गया। हिमाचल की जीत में टीम के ओपनर बल्लेबाज शुभम अरोड़ा का बड़ा योगदान रहा जिन्होंने नाबाद 136 रन की पारी खेली।

इस मैच में तमिलनाडु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिनेश कार्तिक की तूफानी शतकीय पारी के दम पर 49.4 ओवर में 314 रन बनाए। दिनेश कार्तिक ने 103 गेंदों पर 7 छक्के व 8 चौकों की मदद से 116 रन बनाए तो वहीं बाबा इंद्रजीत ने 80 रन की पारी खेली। शाहरुख खान ने भी 21 गेंदों पर 3 छक्के व इतने ही चौकों की मदद से 42 रन की पारी खेली। कप्तान विजय शंकर ने टीम के लिए 22 रन के योगदान दिया। पहली पारी में हिमाचल प्रदेश की तरफ से पंकज जयसवाल ने 9.4 ओवर में 59 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि कप्तान रिषी धवन ने 10 ओवर में 62 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

हिमाचल प्रदेश को जीत के लिए 315 रन का लक्ष्य मिला था और इस टीम ने 47.3 ओवर में 4 विकेट पर 299 रन बनाए, लेकिन खराब रौशनी की वजह से मैच का फैसला वीजेडी प्रणाली के जरिए किया गया और इस टीम को 11 रन से जीत मिली। जब टीम को जीत मिली उस वक्त ओपनर बल्लेबाज शुभम अरोड़ा 136 रन बनाकर जबकि कप्तान रिषी धवन 42 रन बनाकर खेल रहे थे और टीम जीतने की स्थिति में थी। शुभम ने 131 गेंदों का सामना करते हुए 1 छक्का व 13 चौकों की मदद से ये नाबाद पारी खेली। उनके अलावा इस टीम के लिए अमित कुमार ने भी 74 रन का अहम योगदान दिया।

एशेज टेस्ट: हेजलवुड टीम से बाहर, स्कॉट बोलैंड को मिली जगह

मेलबर्न (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पसलियों में खिंचाव के कारण तीसरे टेस्ट में नहीं खेल रहे है। हेजलवुड दूसरे टेस्ट में भी टीम का हिस्सा नहीं थे क्योंकि पहले टेस्ट में खेलने के दौरान उनकी पसलियों में खिचाओं हो गया था। उनकी जगह गेंदबाज स्कॉट बोलैंड टेस्ट में खेल रहे हैं। पहले अनुमान लगाया गया था कि

हेजलवुड मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में चल रहे टेस्ट में टीम का हिस्सा होंगे, लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने शनिवार को प्लेइंग इलेवन की घोषणा करते हुए कहा कि गेंदबाज अभी भी काफी परेशान हैं, इसलिए वह टीम का हिस्सा नहीं हैं। जोश हेजलवुड की जगह गेंदबाज स्कॉट बोलैंड टीम का हिस्सा हैं जो मेलबर्न में तीसरे टेस्ट में खेल रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले चौथे स्वदेशी खिलाड़ी भी हैं। एशेज टेस्ट टीमः ऑस्ट्रेलियाः डेविड वार्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स केरी (डब्ल्यू), पैट कमिंस (सी), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा, माइकल नेसर, झे रिचर्डसन , मिशेल स्वेपसन। इंग्लैंडः हसीब हमीद, जाक क्रॉली, डेविड मालन, जो रूट (सी), बेन स्टोक्स, जॉनी बेयरस्टो, जोस बटलर (डब्ल्यू), मार्क वुड, ओली रॉबिन्सन, जैक लीच, जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्रॉड, क्रिस वोक्स, डोमिनिक बेस, ओली पोप, रोरी बर्न्स, क्रेग ओवरटन, डैनियल लॉरेंस। **(एजेंसी)**

विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा टास जीतने वाले कप्तान बने, इस दिग्गज को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला सेंचुरियन में खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच में भारतीय कप्तान विराट कोहली ने एक अनोखा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इस मैच में विराट कोहली ने टास जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस टास को जीतते ही विराट कोहली भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा टास जीतने के मामले में बतौर कप्तान पहले नंबर पर आ गए। विराट कोहली से पहले भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा टास जीतने वाले कप्तान मो. अजहरुद्दीन थे।

विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में टास जीता और इसके साथ ही बतौर कप्तान टेस्ट में 30वीं बार उन्होंने टास जीतने का कमाल किया। वहीं भारत की तरफ से टेस्ट में इससे पहले सबसे ज्यादा टास जीतने का कमाल कप्तान के तौर पर अजहर ने कुल 29 बार किया था। भारत की तरफ से टेस्ट में सबसे ज्यादा टास जीतने के मामले में तीसरे नंबर पर एम एस धौनी हैं जिन्होंने अपने टेस्ट करियर के दौरान कुल 26 बार टास जीते थे। विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर के 68वें टेस्ट मैच में कप्तान के तौर पर 30वीं बा टास जीता तो वहीं अजहर ने 47 टेस्ट मैचों में 29 बार ये कमाल किया था जबकि धौनी ने 60 टेस्ट मैचों में 26 बार टास जीता था। भारत की तरफ से टेस्ट में सबसे ज्यादा टास जीतने वाले टाप तीन कप्तान- विराट कोहली- 30 बार- 68 टेस्ट मैच मो. अजहरुद्दीन- 29 बार- 47 टेस्ट मैच एम एस धौनी- 26 बार- 60 टेस्ट मैच आपको बता दें कि विराट कोहली 67 टेस्ट मैचों में 39 मैच जीतकर भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं तो वहीं धौनी इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 60 मैचों में 27 टेस्ट मैच जीते थे। वहीं गांगुली ने 49 टेस्ट मैचों में 21 में जीत दर्ज की थी और लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जबकि 47 मैच में 17 जीत के साथ अजहर चौथे नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज शोएब अख्तर की मां का निधन, भज्जी ने जताया शोक

इस्लामाबाद (एजेंसी) । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया पर अपनी मां के निधन की सूचना दी। सूचना के बाद भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह सहित क्रिकेट जगत के दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया। हरभजन सिंह ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज गेंदबाजों में से एक माने जाने वाले अख्तर ने ट्विटर पर लिखा, मेरी मां मेरी सब कुछ है, अल्लाह ताला की इच्छा से वह जन्नत में चली गई। अंतिम संस्कार की नमाज इस्लामाबाद के सेक्टर एच-8 में होगी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन ने अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए ट्विटर पर लिखा, इस कठिन समय के दौरान मेरी आपके साथ हार्दिक संवेदनाएं हैं।

आस्ट्रेलिया का एशेज में दबदबा बरकरार, इंग्लैंड को 185 रन पर समेटा

मेलबर्न (एजेंसी) । कप्तान पैट कमिन्स और स्पिनर नाथन लियोन के तीन दृ तीन विकेट की मदद से आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को तीसरे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन रविवार को यहां पहली पारी में 185 रन पर समेट दिया। आस्ट्रेलिया ने इसके जवाब में पहले दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 61 रन बनाये हैं और वह इंग्लैंड से 124 रन पीछे है। डेविड वार्नर (38) विश्वसनीय शुरुआत के बाद दिन के अंतिम क्षणों में पवेलियन लौटे। जेम्स एंडरसन (14 रन देकर एक) की गेंद पर जॉक क्राली ने गली में उनका नीचे रहता हुआ कैच लिया। स्टंप उखड़ने के समय दूसरे सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस 20 रन पर खेल रहे थे जबकि नाइटवाचमैन लियोन को अभी खाता खोलना है। इससे पहले कमिन्स (36 रन देकर तीन) ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करके इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को झकझोरा जबकि स्पिनर लियोन (36 रन देकर तीन) ने निचले क्रम को समेटा। मिशेल स्टार्क ने 54 रन देकर दो विकेट लिये जबकि कैमरन ग्रीन और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे स्कॉट बोलैंड को एक दृ एक विकेट मिला। इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लंच तक उसने तीन विकेट पर 61 रन बनाये थे। इसके बाद इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में भी तीन विकेट गंवाये जिसमें कप्तान जो रूट (50) और खतरनाक बेन स्टोक्स (25) के विकेट भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया ने तीसरे सत्र में उसके बाकी बचे चार विकेट लेकर अपना दबदबा बरकरार रखा। बारिश के कारण खेल आधा घंटा देर से शुरू हुआ। कमिन्स ने दूसरे ओवर में हसीब हमीद (शून्य) को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच करा

दिया। इसके बाद कमिन्स ने आठवें ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज क्राली (12) को गली में कैच कराकर स्कोर दो विकेट पर 13 रन कर दिया। डाविड मलान (14) ने कप्तान जो रूट के साथ तीसरे विकेट के लिये 48 रन जोड़े। कमिन्स ने लंच से पहले के आखिरी ओवर में मलान को पहली स्लिप में वार्नर के हाथों कैच कराया। विश्व में दूसरे नंबर के बल्लेबाज रूट ने 76 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसके तुरंत बाद स्टार्क की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर कैरी को कैच दे बैठे जिससे स्कोर चार विकेट पर 82 रन हो गया। रूट यदि इंग्लैंड की दूसरी पारी में 109 रन बना लेते हैं तो वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी यह रिकार्ड पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ के नाम पर है जिन्होंने 2006 में 1788 रन बनाये थे। रूट के वर्ष 2021 में कुल रन की संख्या 1680 हो गयी और वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बन गये हैं। रूट ने दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (2008 में 1656 रन) के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। स्टोक्स ने आक्रामक रवैया अपनाने की कोशिश की लेकिन ग्रीन की गेंद को कट करके उन्होंने गली में कैच दे दिया। जोस बटलर (तीन) ने चाय के विश्राम से पहले के आखिरी ओवर में लियोन की गेंद पर गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर डीप मिडविकेट पर कैच दिया। अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बोलैंड ने मार्क वुड (छह) को पगबाधा आउट करके अपना पहला विकेट लिया। जॉनी बेयरस्टॉ ने 35 रन बनाने के बाद स्टार्क की गेंद पर गली में कैच दिया। लियोन ने पुछल्ले बल्लेबाजों जैक लीच (13) और ओली रॉबिन्सन (22) को आउट किया। आस्ट्रेलिया पांच मैचों की श्रृंखला में अभी 2-0 से आगे चल रहा है। **(एजेंसी)**

अमन माहेश्वरी: मुझे हमेशा से ग्रे किरदार पसंद हैं

बड़े अच्छे लगते हैं 2 के अभिनेता अमन माहेश्वरी अपने चरित्र को लेकर बात की हैं, जो पूरी तरह से नकारात्मक है। वह फिल्म उद्योग में अपनी रुचि के बारे में भी बात करते हैं। बड़े अच्छे लगते हैं 2 में, अमन एक ऐसे लड़के की भूमिका निभा रहे है जो अंततः प्रिया को रिजेक्ट कर देता है और उसकी छोटी बहन से शादी कर लेता है। अंजुम फकीह शो में उनकी पत्नी और प्रिया की छोटी बहन की भूमिका निभा रही हैं। अमन साझा करते है कि मेरा चरित्र नीरज बहुत अहंकारी, बहुत स्वार्थी और आत्म-केंद्रित है। वह किसी की परवाह नहीं करता है, लेकिन अपनी पत्नी को सम्मान देता है। वह इस तथ्य से खुश नहीं है कि प्रिया ने किसी ऐसे व्यक्ति से शादी की जो उससे कहीं ज्यादा अमीर है और एक अच्छी तरह से स्थापित आदमी है। नीरज हमेशा सोचता था कि प्रिया कभी आगे नहीं बढ़ेगी लेकिन अब वह ईर्ष्यालु और असुरक्षित व्यक्ति बन गया है। अमन को हमेशा से नेगेटिव किरदार निभाना पसंद है। उन्होंने अपने अभिनय करियर के अलावा एक वीडियो जॉकी और रियलिटी शो की मेजबानी करने का भी आनंद लिया है। वह कहते हैं खासकर जब ग्रे शेड के पात्रों की बात आती है, तो मैं हमेशा उनसे प्यार करता हूं। मैंने गंदी बात और बड़े अच्छे लगते हैं 2 दोनों शो में ग्रे किरदार कर रहा हूं। अमन कहते हैं कि मेरी आवाज के लिए हमेशा मेरी सराहना की गई है। अपने करियर में परिवार के समर्थन के बारे में बोलते हुए वे कहते हैं कि मेरा परिवार ने खासकर के मेरे पिता ने मुझे हमेशा समर्थन दिया है। मेरी मां भी हमेशा सहायक रही हैं। अभिनेता को मुंबई में रहते हुए 6 साल हो चुके हैं। **(एजेंसी)**

सामंता ने तमिल -तेलुगू फिल्म यशोदा का पहला शूट पूरा किया

अभिनेत्री सामंता की टीम ने आने वाली द्विभाषी तमिल - तेलुगू फिल्म यशोदा के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म का निर्देशन हरि और हरीश ने किया है और इसमें वारालक्ष्मी शरतकुमार और उन्नी मुकुंदन की अहम भूमिकाएं हैं। इसके प्रोड्यूसर शिवालेंका ने बताया कि हम इस फिल्म को बिना किसी शर्त के तमिल और तेलुगु भाषा में बना रहे हैं और हमारी योजना इसे कन्नड़ मलयालम और हिंदी में एक साथ रिलीज करने की है। उन्होंने कहा कि इसका पहला शेड्यूल छह दिसंबर को शुरू हुआ था और यह 24 दिसंबर को पूरा हुआ है और इसमें सम्पत राज, शत्रु, मधुरिमा , कालपिका गणेश, दिव्या श्रीपदा तथा प्रियंका शर्मा की भूमिका अहम हैं। इस फिल्म में राव रमेश और मुरली शर्मा की बड़ी भूमिकाएं हैं। प्रोड्यूसर ने बताया कि फिल्म का दूसरा शेड्यूल तीन जनवरी से शुरू होगा और 12 जनवरी तक जारी रहेगा। इसका अंतिम शेड्यूल 20 जनवरी से शुरू होगा और 31 मार्च तक चलेगा और पहली बार इस क्षेत्र में कदम रखने के बावजूद फिल्म के निर्देशक इसे बेहतर तरीके से बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में कैमरामैन सुकुमार का काम काफी बेहतरीन है और फिल्म को तकनीकी तथा दृश्यात्मक रूप से बेहतर बनाने के लिए इसके बजट के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। **(एजेंसी)**

डाउन टू अर्थ, बेहद शालीन व्यक्ति हैं रणबीर: वाणी कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर का कहना है कि रणबीर कपूर डाउन टू अर्थ और बेहद शालीन व्यक्ति हैं और उनके मन में रणबीर कपूर के लिये बेहद सम्मान हैं। वाणी कपूर जल्द ही रणबीर कपूर के साथ नजर आने वाली हैं। वाणी कपूर, रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'शमशेरा' में काम कर रही हैं। वाणी कपूर ने कहा कि रणबीर काफी 'डाउन टू अर्थ' और बेहद शालीन आदमी हैं। वाणी कपूर ने कहा, रणबीर के लिए मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। वह एक ऐसे को-ऐक्टर हैं, जिसके अंदर कोई घमंड नहीं है और न ही वह किसी स्टार की तरह व्यवहार करते हैं। वह एकदम सामान्य, डाउन टू अर्थ, बेहद शालीन व्यक्ति हैं। उनके साथ काम करते हुए कभी ऐसा नहीं लगता है जैसे उनके साथ स्टारडम जुड़ा हुआ हो। मुझे लगता है कि मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है और यकीनन मैं उनका काम और उनकी फिल्में देखना पसंद करती हूं। बताया जा रहा है कि फिल्म शमशेरा 19वीं सदी के एक डकैत जाति की कहानी है जो अपने अधिकारों के लिए अंग्रेजों से भिड़ जाते हैं। रणबीर कपूर और वाणी कपूर के अलावा फिल्म में संजय दत्त भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले हैं। **(एजेंसी)**

शिल्पा शेट्टी ने राज कुंद्रा और दोस्तों संग मसूरी में मनाया क्रिसमस

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने इस साल खास तरीके से क्रिसमस सेलिब्रेट किया। शिल्पा क्रिसमस के मौके पर अपने पति राज कुंद्रा, बच्चों और दोस्तों के साथ उत्तराखंड के हिल स्टेशन मसूरी पहुंच गईं। शिल्पा ने मसूरी में क्रिसमस मनाते हुए कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में शिल्पा अपने परिवार और दोस्तों के साथ क्रिसमस ट्री के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। शिल्पा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में मसूरी ट्रिप के कई वीडियो शेयर किए हैं। इसमें वह ट्रेकिंग करती और बकरियों को चारा खिलाती नजर आ रही हैं। शिल्पा ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, 'इससे बेहतर क्रिसमस नहीं हो सकता था।' इन तस्वीरों और वीडियो में शिल्पा के साथ उनके पति राज कुंद्रा भी नजर आ रहे हैं। बता दें कि इस साल शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा काफी कठिन समय से गुजरे हैं। राज कुंद्रा पर पॉर्न फिल्में बनाने का आरोप है जिसके लिए वह 2 महीने तक जेल में भी रहकर आए थे। हाल में राज कुंद्रा ने इस मामले पर पहली बार बोलते हुए कहा था कि वह कभी भी पॉर्न फिल्में बनाने के काम में शामिल नहीं रहे हैं बल्कि उन्हें गलत तरीके से फंसाते हुए 'बलि का बकरा' बनाया गया है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जुलाई के महीने में राज कुंद्रा को गिरफ्तार किया था। पुलिस का आरोप है कि राज कुंद्रा पॉर्न वीडियो बनाते थे और अपने ऐप हॉट शॉट्स के जरिए उन्हें बेचते थे। **(एजेंसी)**

तारा सुतारिया के साथ नजर आए आदर जैन हुए ट्रोल, लोगों ने कहा- स्नैपडील का रणबीर कपूर

बॉलीवुड अभिनेता आदर जैन और अभिनेत्री तारा सुतारिया फिल्मों के अलावा अपने रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा जाता है। तारा सुतारिया और आदर जैन को हाल ही में फिर से साथ में स्पॉट किया गया है, लेकिन इस बार आदर जैन को बहुत से लोगों ने ट्रोल कर दिया है और उन्हें सस्ता रणबीर कपूर बता रहे हैं। दरअसल

क्रिसमस के मौके पर बॉलीवुड के कपूर परिवार ने अपने घर एक पार्टी रखी। इस पार्टी में कई सितारों ने हिस्सा लिया। जिसमें आदर जैन गर्लफ्रेंड तारा सुतारिया के साथ पहुंचे। इस दौरान तारा सुतारिया और आदर जैन के वीडियो को सिलेब्रिटी फोटोग्राफर विरल भियानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया। वीडियो में तारा सुतारिया व्हाइट कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में दिखीं।

वहीं आदर जैन ने प्रिंटेड शर्ट और व्हाइट पैंट पहनी हुई थी। इस वीडियो जहां तारा सुतारिया और आदर जैन के फैंस ने पसंद किया तो वहीं बहुत से सोशल मीडिया यूजर्स आदर जैन को ट्रोल करने लगे। नाम के यूजर ने तारा सुतारिया और आदर जैन के वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, सस्ता रणबीर कपूर। नाम के यूजर ने अपने कमेंट में लिखा, स्नैपडील का रणबीर कपूर। **(एजेंसी)**

सांप के काटने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए सलमान खान को मिली छुट्टी

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को पड़ोसी रायगढ़ जिले में पनवेल के समीप उनके फार्म हाउस में एक सांप ने काट लिया। गनीमत यह रही कि सांप जहरीला नहीं था। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि सांप ने शनिवार रात को सलमान के हाथ पर काट लिया। अभिनेता को नवी मुंबई के कमोठे में स्थित एक अस्पताल ले जाया गया और रविवार सुबह उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। अभिनेता के करीबी सूत्रों ने बताया, ''सलमान को बीती रात सांप ने काटा और उन्हें एक अस्पताल ले जाया गया। उन्हें छह घंटे बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। वह घर आ गए हैं और स्वस्थ हैं।'' खान पनवेल स्थित अपने फार्महाउस में लौट आए हैं जहां वह सोमवार को अपना 56वां जन्मदिन मना सकते हैं। उन्हें पिछले महीने रिलीज हुई फिल्म 'अंतिमः द फाइनल ट्रुथ' में बड़े पर्दे पर देखा गया था।

राम गोपाल वर्मा ने 'आरआरआर' की रिलीज डेट से जोडकर ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों दी प्रतिक्रिया, सरकार को दिया ये सुझाव

बॉलीवुड के महशूर फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा अपनी फिल्मों और अपने बयानों को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अब उन्होंने देश में बढ़ रहे कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के मामलों को मोस्ट अवेटेड फिल्म आरआरआर की रिलीज डेट से जुडकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और सरकार को कुछ सुझाव शेयर किए हैं। फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट शेयर कर लिखा, मेरे पास ओमिक्रोन के संबंध में सरकार के लिए एक सफल विचार है... उन्हें किसी को भी थिएटर में आरआरआर तभी देखने जाने दे। जब तक कि वो अपनी दोनों कोरोना वेक्सीन डोज का प्रमाण-प्रत्र ना दिखा दें।

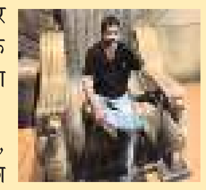

साथ ही उन्होंने आगे लिखा, आरआरआर देखने की लोगों की इच्छा लापरवाही पर जीत दिलाने में मदद करेगी। वही ट्विटर पर फिल्म निर्माता की पोस्ट पर लोग अपनी मिली जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, पहली बार आपकी बात मुझे समझ में आई है, मुझे उम्मीद हैकि सभी राज्य सरकारें न केवल फिल्मों के लिए बल्कि मॉल और सामूहिक समारोहों के लिए भी इसका पालन करेंगी। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसमें जूनियर एनटीआर और राम चरण का धमाकेदार अंदाज देखने को मिल रहा है। ट्रेलर में दोनों ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ अपनी जंग को बखूबी अंजाम देते दिख रहे हैं। आपको बता दें कि आरआरआर एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जो दो तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीता राम राजू और कोमाराम भीम पर आधारित है। आलिया के अलावा फिल्म में साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और राम चरण भी लीड रोल प्ले कर रहे हैं। बाहुबली निर्देशक एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस पैन इंडिया फिल्म का निर्माण डीवीवी एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। जूनियर एनटीआर, राम चरण और आलिया भट्ट अभिनीत ये फिल्म अगले साल 7 जनवरी, 2022 को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। **(एजेंसी)**

अनुष्का शेट्टी की अगली तेलुगु फिल्म में शामिल हुए नवीन पॉलीशेट्टी

अभिनेता नवीन पॉलीशेट्टी ने अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की आगामी तेलुगु फिल्म के लिए साइन अप किया है, जिसका शीर्षक अस्थायी रूप से प्रोडक्शन नंबर 14 है। फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस यूवी क्रिएशंस ने अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर इसकी घोषणा की। प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर डाला, जिसमें अभिनेता को जन्मदिन की बधाई दी गई, हैप्पी बर्थडे नवीन पॉलीशेट्टी।

हम प्रोडक्शन नंबर 14 पर नवीन पॉलीशेट्टी के साथ हाथ मिला कर बेहद खुश हैं। फिल्म, जिसमें अनुष्का शेट्टी मुख्य भूमिका में होंगी, का निर्देशन महेश बाबू पी करेंगे। नवीन पॉलीशेट्टी ने भी अपने ट्विटर हैंडल के जरिए इस खबर की घोषणा की। उन्होंने कहा, यूवी क्रिएशंस के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। अनुष्का शेट्टी के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं, जो मेरे पसंदीदा एक्टर्स में से एक है। फिल्म महेश पी द्वारा निर्देशित है। जन्मदिन पर आने वाले सभी प्यार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। **(एजेंसी)**

अजय देवनग के लिए बेहद खास है साल 2022, रिलीज होगी ये बड़ी फिल्में

बॉलीवुड के सिंघम अजय देवगन अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। वो कई फिल्मों में अपने धमाकेदार एक्शन से फैंस का दिल जीत चुके हैं। साल 2021 सिनेमा जगत के लोगों के लिए कुछ खास नहीं रहा। लेकिन साल 2022 इंडस्ट्री के लोगों के लिए एक उम्मीद के साथ आ रहा है। बता दें कि इस साल अजय देवगन कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं, जिसमें मोस्ट अवेटेड आरआरआर, गंगूबाई काठियावाड़ी, रन-वे 34, मैदान, चाणक्या जैसी बड़ी फिल्में शामिल हैं। बाहुबली के निर्देशक एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जो दो तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीता राम राजू और कोमाराम भीम पर आधारित है। इस फिल्म में अजय देवगन 8 मिनट कैमियो रोल कर रहे हैं, जो काफी खास इंप्रेसिव होने वाला हैं। फिल्म में जूनियर एनटीआर, राम चरण और एक्ट्रेस आलिया भट्ट लीड किरदार में नजर आने वाली हैं। बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी दमदार रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में वो एक रीयल लाइफ के अंडरवर्ल्ड डॉन की भूमिका में निभाते हुए दिखाई देंगे। फिल्म में एक्ट्रेल आलिया भट्ट मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी प्रसिद्ध लेखक हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई के एक अध्याय से प्रेरित है। आलिया भट्ट की ये फिल्म अगले साल 18 फरवरी, 2022 को सिनेमाघरों में

रिलीज होगी। अभिनेता अजय देवगन के डायरेक्टोरियल में बनी फिल्म रन-वे 34 की शूटिंग के हाल ही में अभिनेता ने पूरा कर लिया है। ये फिल्म साल 2015 में दोहा से कोच्चि जा रहे विमान में हुई घटना पर आधारित है। फिल्म में अजय देवगन मुख्य पायलट का रोल निभा रहे हैं। सच्ची घटना से प्रेरित इस फिल्म में अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह, अंगिरा धर और अमिताभ बच्चन मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अजय देवगन की आगामी फिल्म मैदान भारतीय फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की सच्ची कहानी से प्रेरित है। फिल्म में भारतीय फुटबॉल के गोल्डन इरा 1952 से 1962 तक की कहानी को दिखाया जाएगा। फिल्म में अजय देवगन के साथ साउथ के एक्ट्रेस कीर्ती सुरेश मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। अमित रविंद्रनाथ शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण बोनी कपूर ने किया है। अजय देवगन की ये फिल्म 3 जून, 2022 को रिलीज होगी। नीरज पाण्डेय के निर्देशन में बनने वाली फिल्म चाणक्य एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ये फिल्म चाणक्य के जीवन, शिक्षाओं, राजनीति और अर्थशास्त्र पर विचारों पर आधारित होगी। वही फिल्म निर्माताओं द्वारा फिल्म की रिलीज से संबंधी ऑफिशियल जानकारी शेयर नहीं की है। आपको बता दें कि इन फिल्मों के अलावा अभिनेता और भी कई फिल्में साल 2022 में रिलीज होने वाली हैं। लेकिन फिल्म निर्माताओं की ओर से फिल्मों की रिलीज डेट का आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। **(एजेंसी)**

निया शर्मा, यावर मिर्ज़ा ने 'सात समुन्दर' सॉन्ग केक काटकर लॉन्च किया

संवाददाता

बॉलीवुड में आजकल पुराने गीतों के रिक्रिएशन का दौर है। मशहूर एक्ट्रेस निया शर्मा और सुपरमॉडल यावर मिर्ज़ा ने फ़िल्म विश्वात्मा के ब्लॉकबस्टर सांग सात समुन्दर पार को नए अंदाज़ में पेश करने की कोशिश की है। सारेगामा म्यूज़िक से रिलीज़ इस गाने को अबतक 1.6 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। मुम्बई में इस सांग को लांच किया गया तो यहां निया शर्मा, यावर मिर्ज़ा, सिंगर देव नेगी, संगीतकार विवेक कर और गीतकार अभेंद्र कुमार उपाध्याय सहित पूरी टीम मौजूद थी। यहां निया शर्मा और यावर मिर्ज़ा ने खूब डांस किया और केक काटकर कामयाबी को सेलेब्रेट किया गया। निया शर्मा इस गाने में अपने स्टाइलिश और बोल्ड अंदाज के कारण खूब चर्चा में हैं। सात समंदर पार में निया के ठुमकों ने दर्शकों को क्रेजी कर दिया है। सात समंदर पार के नए वर्जन को देव नेगी

और निकिता गांधी ने अपनी खूबसूरत आवाज़ दी है। सात समुंदर पार गाने को विवेक कर ने कम्पोज किया है। नए लिरिक्स अभेन्द्र कुमार उपाध्याय ने लिखे हैं। निया शर्मा ने इस सेलिब्रेशन के मौके पर कहा कि यावर का यह पहला सॉन्ग है, उन्हें मुबारक हो। दर्शकों को यह गीत पसंद आ रहा है, तो अच्छा लग रहा है। यावर मिर्ज़ा ने बताया कि इसका ऑडियो, वीडियो और डायरेक्शन कमाल का है। दर्शकों का रेस्पॉन्स अच्छा आ रहा है। मिलियंस में व्यूज आ रहे हैं। मैं खुश हूं कि मेरे पहले सांग को इतना बढ़िया रिस्पांस मिल रहा है। निया की पेरफॉर्मस कमाल की है और सोशल मीडिया पर हम दोनों के शॉट्स वायरल हो रहे हैं। निया ने कहा कि सात समुंदर एक आइकोनिक सांग है इसके रिक्रिएशन को शूट करते समय मैं काफी एक्साइटेड थी। मुझे मालूम था कि लोग इस गीत की तुलना ओरिजनल सांग से करेंगे लेकिन यह इतना अच्छा डांस नम्बर है मैं इसका हिस्सा बनना चाहती थी। यावर मिर्ज़ा ने कहा कि काफी पॉजिटिव रिएक्शन आ रहे हैं। यह पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। मुदस्सर खान ने इसे बखूबी कोरियोग्राफ और डायरेक्ट किया है। 3 मिनट के गाने में दर्जनों लोगों की मेहनत लगी होती है। यावर ने बताया कि इस सांग के लास्ट में टू बी कंटिन्यूड लिखा आ रहा है तो पब्लिक हमसे उम्मीद कर रही है कि इसका सेकंड पार्ट भी आएगा। तो देखिए शायद हम इसका सीक्वल भी लेकर आएं। निया शर्मा ने कहा कि मेरे कई म्यूज़िक वीडियो आने वाले हैं और यह कहने में मुझे कोई हिचकिचाहट नही है कि मेरा घर म्यूज़िक वीडियो की वजह से चल रहा है। संगीतकार विवेक कर ने बताया कि मैं सात समंदर के ओरिजनल कम्पोज़र विजू शाह का शुक्रिया अदा करता हूँ। आनंद बख्शी जी ने इसे खूबसूरती से लिखा था। यह हमसब का फेवरेट सांग रहा है। इसका रिक्रिएशन करते समय मैंने सिर्फ हुक लाइन वही रखी है बाकी सब नया करने की कोशिश की है। गीतकार अभेन्द्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि मेरे लिए यह इतिहास और गर्व की बात है कि मैंने आनंद बक्शी साहब के लिखे गीत के रिक्रिएशन में कुछ लाइंस लिखी है। देव नेगी ने कहा कि इतने बड़े गाने को रिक्रिएट करना और गाना हम सब के लिए बड़ी चुनौती रही, लेकिन हमने इसे अपनी तरह से कोशिश की और लोग पसन्द कर रहे हैं। टीवाईएफ प्रोडक्शन प्रस्तुत सात समुन्दर पार के निर्माता यावर मिर्ज़ा, को प्रोड्यूसर रुचिका महेश्वरी हैं। डायरेक्टर व कोरियोग्राफर मूदस्सर खान, डीओपी सुरेश बीसवेणी, , प्रोडक्शन कंट्रोलर लविश कुकरेजा और एडिटर विकाश पवार हैं। यावर मिर्ज़ा ने बताया कि उनका नेक्स्ट सांग हबीबी है जिसे नक्काश अज़ीज़ ने गाया है और दुबई में शूट हुआ है।